राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

खबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 204 | रांची, गुरूवार, 01 अक्टूबर 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

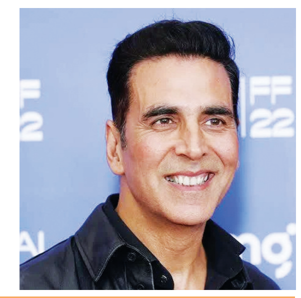

आज का दिन

इतिहास के पन्नों में 01 अक्टूबर : भाषा के आधार पर हुआ आंध्र प्रदेश राज्य का गठन इतिहास के पन्नों में दर्ज 01 अक्टूबर एक महत्वपूर्ण तारीख है, जिसने भारतीय राज्यों के पुनर्गठन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा। 01 अक्टूबर 1953 को आंध्र राज्य का गठन हुआ, जिसे भाषाई आधार पर राज्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। यह गठन तेलुगु भाषी लोगों के लिए अलग राज्य की लंबे समय से चली आ रही मांग के बाद हुआ। इसके साथ ही मद्रास राज्य से अलग तेलुगु भाषी क्षेत्र को नया प्रशासनिक स्वरूप मिला।

पंजाब में नशे के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी भाजपा : अमित शाह

–31 दिसंबर 2029 के बाद नहीं रहेगा कोई भी नशे का कारोबारी : अमित शाह– गृहमंत्री ने कहा–नशों के कारोबार को बढ़ावा देने वाले नहीं बना सकते पंजाब को नशा मुक्त

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में नशा मुक्त पंजाब यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव नशे के मुद्दे पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है तो 31 दिसंबर 2029 तक राज्य को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर पंजाब में नशे की समस्या को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग नशे के कारोबार को रोक नहीं सकते, वे पंजाब को नशामुक्त नहीं कर सकते।

केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले का उल्लेख करते हुए भी आआपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों से पंजाब को नशामुक्त करने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

गृहमंत्री ने पंजाब के जवानों और किसानों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के सैनिक देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और किसानों ने देश के अन्न भंडार को भरने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब सरकार ने किसानों को 26 फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर किसानों से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान करने की दिशा में काम किया जाएगा।

अमित शाह ने युवाओं में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि नशे के कारण किसी होनहार युवा की असमय मौत बेहद दुखद है। उन्होंने युवाओं से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नशे के दलदल से निकालने के साथ रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रग्स से संबंधित एक भी बैठक नहीं की। जालंधर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय खोलने के केंद्र के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने ठुकरा दिया। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इसे प्राथमिकता दी जाएगी।

गृहमंत्री ने पंजाब सरकार पर कथित विज्ञापन आवंटन, भूमि और पोषण आहार से जुड़े मामलों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से विज्ञापन पर खर्च, 25 लाख रोजगार देने के वादे और राज्य में 16 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के दावे को लेकर सवाल किए। उन्होंने अवैध खनन से होने वाली आय को लेकर भी राज्य सरकार पर सवाल उठाया।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर नशे के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पंजाब की माताओं-बहनों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि 31 दिसंबर 2029 के बाद उनके बच्चों को चिट्टा उपलब्ध कराने वाला कोई कारोबारी नहीं बचेगा और नशे का कारोबार करने वालों को जेल भेजा जाएगा। यह भाजपा की ओर से घोषित चुनावी लक्ष्य और वादा है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा 18 सितंबर को शुरू हुई थी। पार्टी के अनुसार, चार चरणों में निकाली गई इस यात्रा ने पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों को कवर करते हुए करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की। जालंधर में अमित शाह की सभा के साथ यात्रा का समापन हुआ।

एसआईआर के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर झारखंड में सियासी हलचल तेज हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बुधवार को रांची में लोकभवन के समक्ष प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने एसआईआर की प्रक्रिया और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

झामुमो रांची जिला एवं महानगर समिति के आह्वान पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहले रांची विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान में जुटे। इसके बाद कार्यकताओं ने लोकभवन की ओर मार्च किया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता ऊंट पर सवार होकर भी पहुंचे। इस दौरान लोकतंत्र की हत्या बंद करो, चुनाव आयोग जवाब दो और एसआईआर रद्द करो जैसे नारे लगाए गए। राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने दावा किया कि बांग्ला भाषी नागरिकों को दस्तावेजों के नाम पर उलझाकर उनके मताधिकार को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। विधायक अमित महतो ने चुनाव आयोग की निर्णय प्रक्रिया को लेकर सामने आई कथित आपत्तियों का मुद्दा उठाते हुए दावा किया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में विभिन्न फैसलों को लेकर 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

झामुमो रांची महानगर के संयोजक प्रमुख मुश्ताक आलम ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया के नाम पर रांची के अलावा संथाल परगना, पूर्वी सिंहभूम और कोयलांचल जैसे क्षेत्रों में लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा की मांग कर रही है। झामुमो ने मांग की कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो और किसी वास्तविक मतदाता का नाम उचित सत्यापन तथा अपना पक्ष रखने का अवसर दिए बिना नहीं हटाया जाए। पार्टी ने चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर: बडगाम में मुठभेड़ में लश्कर का टॉप आतंकवादी मूसा मारा गया

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में मंगलवार को सुरक्षा बलों को एक मुठभेड़ में सफलता हाथ लगी है. सुरक्षा बलों ने एक खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन के दौरान हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा **(LeT)** के एक मोस्ट वांटेड आतंकी को मार गिराया।

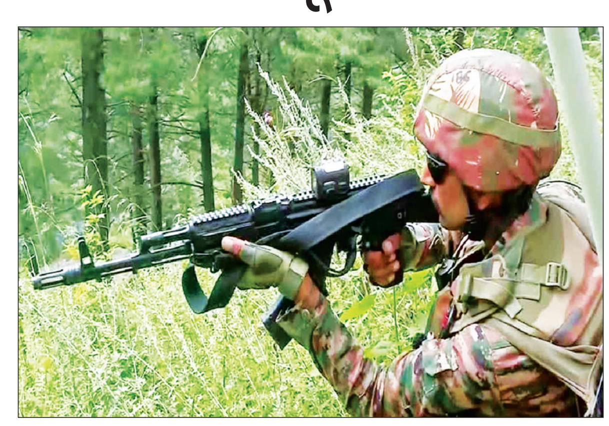

सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा **(LeT)** का एक मोस्ट वांटेड आतंकवादी मंगलवार को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ऊंचे इलाकों में राष्ट्रीय राइफल्स के साथ मुठभेड़ में मारा गया. हालांकि कश्मीर स्थित चिनार कोर ने मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं बताई, लेकिन अधिकारियों ने उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में की है। सेना ने ट्वीट किया कि उसने दूसरे सुरक्षा बलों के साथ मिलकर मध्य कश्मीर के कोराग, यूसमर्ग के आम इलाके में एक ऑपरेशन शुरू किया. इसमें कहा गया, 'चौकस सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी, और चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी. इसके बाद दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। ऑपरेशन जारी रहने के दौरान अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी के दौरान दूधपथरी के दूर के जंगल वाले इलाके में मूसा मारा गया. अधिकारियों ने बताया कि मूसा पिछले कई सालों में पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ हुए कई हमलों में शामिल होने के लिए वॉन्टेड था। महीने की शुरूआत में यूसमर्ग पहाड़ियों में हुए एक एनकाउंटर से वह बच निकला था. उसका करीबी यासिर 5 सितंबर को उस एनकाउंटर में मारा गया था। अधिकारियों ने कहा कि मूसा का मारा जाना जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे लश्कर-ए-तैयबा **(LeT)** के लिए सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

इंडी गठबंधन की बैठक में एसआईआर, ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का फैसला किया है। गठबंधन के घटक दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगे। 06 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। गठबंधन ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की।

यहां बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की आठवीं बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीपैट, मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा (माले), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है और भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चोरी कर रही है। चुनावों में लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराया जाना चाहिए।

खरगे ने कहा कि विपक्षी दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में ह्यलोकतंत्र बचाओ मार्चह्व निकालेंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। साथ ही विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगेंगे। वे राष्ट्रपति को चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी देंगे। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर में पांच बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी। इनके स्थान और तारीखों का फैसला बाद में होगा। दिल्ली में एक बड़ी रैली 1 नवंबर को आयोजित की जाएगी।

खरगे ने विपक्षी दलों के लिए छह मांगें भी रखीं। इनमें भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल, मतदाता सूची में हर बदलाव की पूरी पारदर्शिता, किसी नाम को हटाने से पहले सूचना और अपील का अधिकार, पात्र मतदाताओं को प्रशासनिक कारणों से बाहर किए जाने से सुरक्षा, ईवीएम के बजाय बैलेट से मतदान और युवाओं के लिए सरल मतदाता पंजीकरण शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बदलाव की पूरी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को भविष्य के चुनावों में इस्तेमाल करने की मांग भी उन्होंने रखी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सूचना दी जानी चाहिए। नाम हटाने का कारण बताया जाना चाहिए। उसे प्रभावी अपील का अवसर भी मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक खामियों, दस्तावेजों की कमी या जानकारी के अभाव के कारण पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने से सुरक्षा की मांग की।

खरगे ने दावा किया कि एसआईआर के तहत 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि नाम हटाए गए हैं तो यह भी बताया जाना चाहिए कि किसका नाम हटाया गया और क्यों हटाया गया। अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोग जरूरी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के दो सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में 14 बार असहमति दर्ज कराई है। उन्होंने इसे मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यप्रणाली पर सवाल बताया और उनके पद से हटने की मांग की। ने 2023 के मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। सरकार ने चुनाव आयोग को प्रभावित करने की व्यवस्था तैयार की है। खरगे ने आरोप लगाया कि मतदाता पंजीकरण के फॉर्म-6 में बदलाव कर युवाओं के लिए पहली बार मतदाता बनने की प्रक्रिया कठिन की जा रही है। पहली बार मतदान करने वाले

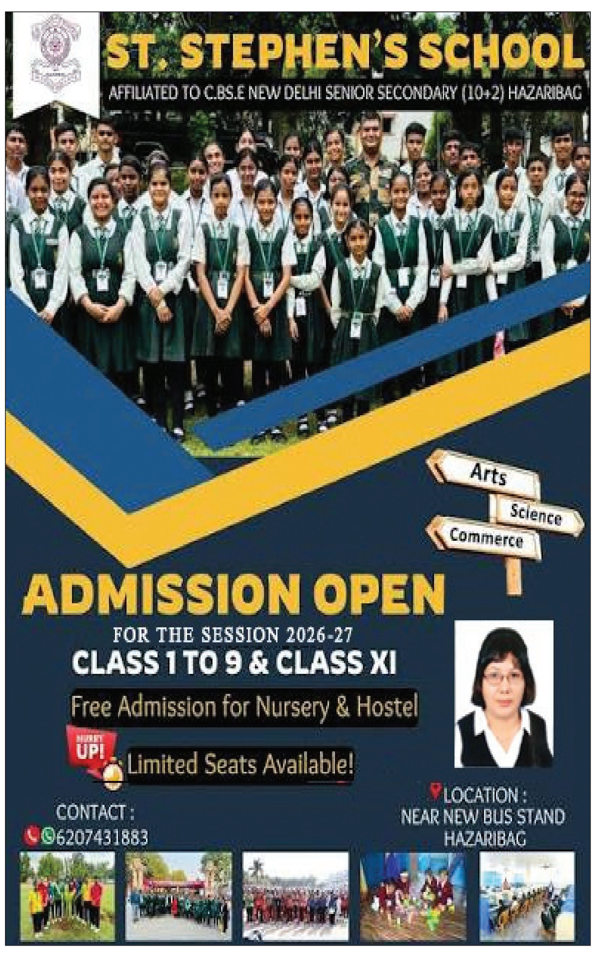

आज से 7 तक जेसीआई एक्सपो उत्सव

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राँची। आज दिनांक 1 अक्टूबर से युवा सामाजिक एवं व्यापारिक संगठन जेसीआई के बहुप्रतीक्षित और भव्य आयोजन 'एक्सपो उत्सव 2026' की शुरूआत । यह उत्सव आज से 7 अक्टूबर तक स्थानीय मोराबादी मैदान में आयोजित होगी । इस वर्ष इस बहुप्रतीक्षित व्यापार मेले की 29वीं वर्षगांठ मना रही है । इस मेले में देश विदेश के कई स्टॉल लगते है। दिनांक 30 सितम्बर को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एक्सपो के चीफ कोऑर्डिनेटर जेसी एचजीएफ सीए प्रशांत पाटोदिया ने बताया की सात दिनों के इस उत्सव में कुल 400 स्टॉल्स देश के वभिन्न शहरो से लगेंगे, जिसमे बड़े ब्रांड्स, स्टार्ट अप्स, ऑटोमोबाइल्स, ड्राई फ्रूट्स इत्यादि स्टॉल्स लगेंगे, औरतो के लिए एक समर्पित पिंक हेंगर लगा है, जिसमे सिर्फ महिला उद्यमियों को स्टाल्स दिया गया है, बच्चो के लिए एम्यूजमेंट पार्क है, जिसमे तरह तरह के झूले लगे हुए है । एक्सपो के दौरान प्रेमिसेस में प्रतिदिन प्रतियोगिताएं होंगी, आज बच्चो के लिए जूनियर मास्टरशेफ प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी, जिसमे बच्चो द्वारा अनेक प्रकार के व्यंजन बनाये जाएंगे एवं पुरस्कृत किये जाएंगे, दिनांक 2 ओक्टुबर को चित्रकला प्रतियोगिता, ट्रेसर हंट एवं तम्बोला का आयोजन किया जाएगा, जिसमे सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा, दिनांक 3 अक्टूबर को डॉग शो एवं वौइस् ऑफ एक्सपो, दिनांक 4 अक्टूबर को एक्सपो टैंक एवं डांस प्रतियोगिता एवं आखरी दिन दिनांक 7 अक्टूबर को योगा प्रतियोगिता एवं बुटिक्स एक्सपो फैशन शो का आयोजन किया जाएगा । इस बार क्यू आर कोड के मदद से एक्सपो के दौरान जो इवेंट्स हो रहे है, उसमे रजिस्टर कर सकते है एवं एंट्री टिकट भी बुक कर सकते है । इस बार रांची वासियो के लिए दिनांक 3 अक्टूबर को नाइट मार्केट का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे रात्रि 9 बजे से 12 बजे तक सभी स्टाल्स खुले रहेंगे एवं लाइव बैंड भी होगा, दिनांक 6 अक्टूबर को भजन जैमिंग का आयोजन होगा जिसमे बाहर से आये कलाकार मधुर भजन प्रस्तुत करेंगे । इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए शहर के कई बड़े ब्रांड्स सहयोगी के रूप में जुड़े हैं, जिनमें होटल चाणक्य (हॉस्पिटैलिटी पार्टनर), मोशन (एजुकेशन पार्टनर), बुद्धा टोयोटा (ऑटोमोबाइल पार्टनर), श्री अलंकार (ज्वेलरी पार्टनर), श्नाइडर इलेक्ट्रिक (इलेक्ट्रिक पार्टनर), प्रभुजी (फूड पार्टनर), वॉव डिटेलिंग (डिटेलिंग पार्टनर), बागला (सिक्योरिटी पार्टनर) बलीफिया (फोटोग्राफी पार्टनर), ठळढउ (माइनिंग पार्टनर), आराध्या (ट्रैवल पार्टनर), अपना मार्ट (ग्रोसरी पार्टनर), मी & मॉम्स (लाइफस्टइल पार्टनर), ए टी सी (स्वच्छ पार्टनर), कैफीनेटर्स (बेवरेज पार्टनर) और रेडियो धूम (रेडियो पार्टनर) है । पत्रकार सम्मलेन में संस्था के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, इसके संयोजक जेसी सिद्धार्थ चौधरी थे, रांची चैप्टर के मिडिया प्रभारी जेसी रवि सामोता, अध्यक्ष सीए अभिषेक जैन, सचिव जेसी साकेत अग्रवाल, को-ऑर्डिनेटर्सः जेसी सौरभ जालान, जेसी राहुल टिबरेवाल, जेसी सौरव नारेड़ी, जेसी सीए दीपक पटेल (एक्सपो ट्रेजरर) जेसी ऋषभ जालान (डायरेक्टर बिजनेस), जेसी अनिमेश निखिल (उपाध्यक्ष - बिजनेस) शामिल थे । यह जानकारी एक्सपो के मिडिया प्रभारी जेसी वरुण जालान द्वारा साझा की गई।

सेवा सेतु अभियान के तहत लाभार्थी शिविर का आयोजन, सैकड़ों लोगों ने उठाया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

उज्जवल दुनिया संवाददाता

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निरंतर राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में धनबाद महानगर अंतर्गत बरटांड़ स्थित सामुदायिक भवन, दास बस्ती, पांडरपाला में ह्यसेवा सेतु अभियानह्न के तहत आयोजित लाभार्थी शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष श्री हुल्लास दास ने की।

शिविर में विधायक राज सिन्हा के पहुंचने पर स्थानीय लोगों एवं कार्यकताओं द्वारा फूल-माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

इस अवसर पर नेत्र जांच शिविर, आयुष्मान कार्ड निर्माण, मधुमेह जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी सेवाओं के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। शिविर में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिकों ने पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं एवं जांच का लाभ उठाया।

विधायक राज सिन्हा ने स्वयं भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया और उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। शिविर में उपस्थित लाभार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी स्वास्थ्य जांच कराकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का परिचय दिया।

इस अवसर पे संबोधित करते हुए विधायक श्री राज सिन्हा ने कहा कि ह्लसेवा ही संकल्प और जनसेवा ही लक्ष्यह्न के भाव के साथ आयोजित ऐसे सेवा शिविर समाज के जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य एवं अन्य जनकल्याणकारी सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से देश के करोड़ों आम नागरिक सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इन योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला, युवा एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ना ही ऐसे सेवा अभियानों का प्रमुख उद्देश्य है।

मंडल अध्यक्ष हुल्लास दास एवं पंकज सिन्हा ने कहा कि, आज पूरे विश्व में मोदी जी का डंका बज रहा है।वर्ष 2047 तक भारत को स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर एक पूर्ण विकसित और

रांची में एथर ने पेश किया नया इलेक्ट्रिक स्कूटर 'कोणार्क'

200 किमी तक की रेंज

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राँची। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निमार्ता एथर एनर्जी ने रांची में अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर ह्यकोणार्कह्न पेश किया। कंपनी के नए ईएल प्लेटफॉर्म पर तैयार कोणार्क में रोजमर्रा की सवारी, आराम, रेंज, मजबूती और आसान रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया गया है। कंपनी के अनुसार, कोणार्क छह वैरिएंट में उपलब्ध है और 200 किलोमीटर तक की आईडीसी रेंज देता है। एथर एनर्जी के हेड ऑफ मार्केटिंग सौरभ शर्मा ने कहा कि झारखंड कंपनी के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ज्यादा से ज्यादा राइडर्स तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण बाजार है। कोणार्क को उन ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने की योजना बना रहे हैं। इसमें मेटल बॉडी, बेहतर रेंज, आरामदायक राइड, तेज होम चार्जिंग और लंबा सर्विस इंटरवल जैसी सुविधाएं दी गई हैं। कोणार्क के सभी वैरिएंट में एथर की पांचवीं पीढ़ी की बैडरॉक बैटरी दी गई है। कंपनी बैटरी पर 10 साल या एक लाख किलोमीटर, जो भी पहले हो, की वारंटी दे रही है। साथ ही वारंटी अवधि के अंत तक कम से कम 70 प्रतिशत बैटरी हेल्थ बनाए रखने की गारंटी भी दी गई है। स्कूटर का सर्विस इंटरवल 10 हजार किलोमीटर या एक साल है। स्कूटर में उन्नत इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम, मैजिककी, ऑटोपॉप और एयरवॉक जैसे फीचर दिए गए हैं। 14 इंच के फ्रंट और 12 इंच के रियर अलॉय व्हील के साथ इसमें 1352 मिमी का व्हीलबेस है। दोनों पहियों पर लॉन्ग-ट्रैवल सस्पेंशन दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, यह उसका पहला स्कूटर है जिसमें रियर साइड पर मेटल पैनल और स्टील यूनिबॉडी चेसिस दिया गया है। चार्जिंग को आसान बनाने के लिए कोणार्क में इनबिल्ट ऑनबोर्ड चार्जर और चार्जिंग केबल दी गई है। वैकल्पिक 450 वॉट ऑफबोर्ड चार्जर के इस्तेमाल से कुल 900 वॉट की संयुक्त चार्जिंग क्षमता मिल सकती है, जिससे होम चार्जिंग का समय कम किया जा सकता है। झारखंड में उसके आठ एक्सपीरियंस सेंटर और छह सर्विस सेंटर हैं, जिनमें दो रांची में हैं। राज्य में 38 से अधिक एथर फास्ट चार्जिंग प्वाइंट भी उपलब्ध हैं। कोणार्क के साथ कंपनी झारखंड में अपनी 450 सीरीज और रिज्टा के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटरों के पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है।

वाईबीएन विश्वविद्यालय में ब्लूमिंग बड्स भाषण प्रतियोगिता 2026 आयोजित

आयुष कुमार विजेता, वर्षा कुमारी उपविजेता

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राँची। वाईबीएन विश्वविद्यालय के विधि अध्ययन संस्थान (स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज) के नवप्रवेशी विद्यार्थियों (फ्रेशर्स 2026) के लिए ह्लब्लूमिंग बड्स भाषण प्रतियोगिता 2026ह्व का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में वाद-विवाद, संवाद कौशल, तार्किक एवं आलोचनात्मक चिंतन तथा सार्वजनिक वक्तृत्व क्षमता का विकास करना था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए। इसमें आयुष कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि वर्षा कुमारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर उपविजेता का स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में मुख्य अतिथि श्रीमती दीक्षा प्रेम (निदेशक, दीक्षा प्रेम भाषा विद्यालय, जो विदेशी भाषाओं के प्रशिक्षण के लिए कार्यरत हैं) तथा श्रीमती निकिता तिवारी (संकाय सदस्य, विधि अध्ययन संस्थान, वाईबीएन विश्वविद्यालय) शामिल रहीं। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन दिया। मुख्य अतिथि श्रीमती दीक्षा प्रेम ने विजेता एवं उपविजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने, रचनात्मक तर्क प्रस्तुत करने तथा सार्वजनिक मंच पर आत्मविश्वास के साथ बोलने का अवसर मिला। कार्यक्रम का मंच संचालन (एंकरिंग) बीबीए एलएलबी की छात्रा श्रेया शुक्ला ने किया। इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समन्वय सुश्री निकिता तिवारी, श्री सुशोवन एवं श्री विक्रम ने किया। यह कार्यक्रम डॉ. शमिकेश रॉय (संकायाध्यक्ष/डीन, विधि अध्ययन संस्थान, वाईबीएन विश्वविद्यालय) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

झारखंड बंद को लेकर आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे, मुख्य मार्गो को किया जाम

उज्जवल दुनिया संवाददाता

सिल्लीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर बुधवार को झारखंड बंद का असर सिल्ली-मुरी क्षेत्र में पूरी तरह सफल रहा।सुबह से ही आंदोलनकारी सड़कों पर उतर आए और मुख्य मार्गों को जाम कर दिया,जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आम जनजीवन प्रभावित हुआ।बंद का नेतृत्व कर रहे झारखंड आंदोलनकारी,किसान और मजदूर एकजुट होकर अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार को एक ज्ञापन सौंपा।आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में विस्थापितों की कर्जमाफी,उचित मुआवजा, स्थायी रोजगार और पुनर्वास की समुचित व्यवस्था शामिल है।इसके साथ ही उन्होंने विस्थापन आयोग के गठन की मांग को भी प्रमुखता से उठाया।आंदोलनकारियों ने कहा कि जिन्होंने झारखंड राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया,उन्हें सरकार की ओर से सम्मान पेंशन दी जानी चाहिए। ज्ञापन में झारखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरी में सीधी नियुक्ति देने,26 प्रतिशत खनिज संपदा पर रॉयल्टी का अधिकार देने, सम्मान पेंशन राशि पचास हजार एवं जल जंगल,जमीन की रक्षा की मांग भी शामिल है।साथ ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन का नाम गजट नोटिफिकेशन के माध्यम से अधिसूचित कर झारखंड आंदोलनकारी के रूप में सर्वोच्च सम्मान देने की मांग लंबे समय से की जा रही है। आंदोलनकारियों ने कहा कि इन मांगों को लेकर वे लगातार सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है,जिसके कारण उन्हें बंद का आह्वान करना पड़ा।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो 15 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन और प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।प्रशासन द्वारा मांगों पर विचार के आश्वासन के बाद बंद को समाप्त किया गया।इस मौके पर लक्ष्मी नारायण महतो,दीनू चौधरी,नरेश चंद्र महतो, जयपाल महतो,विशेश्वर महतो, हरिहर महतो,दुर्योधन भोक्ता, शत्रुघ्न महतो,राज किशोर महतो, काबिल अंसारी,प्रकाश महतो, दिनेश कुमार महतो एवं धनीराम महतो समेत सैकड़ो आंदोलनकारी मौजूद रहे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने की समीक्षा बैठक

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राँची। आज दिनांक 30 सितंबर को अपराह्न 3 बजे उपरोक्त बातें डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने विश्वविद्यालय के सभी डीन, विभागाध्यक्ष और समन्वयकों के साथ अपनी समीक्षा बैठक के दौरान कही। कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने बैठक की शुरूआत में तृतीय दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए सर्वप्रथम पूरे विश्वविद्यालय परिवार का आभार प्रकट करते हुए कहा इस सफल आयोजन के उपरांत अब हमारा अगला लक्ष्य यह है कि वर्ष 2026 और वर्ष 2027 के प्रारंभ तक विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सत्र को नियमित करने की दिशा में सफलता प्राप्त करें और इसी संबंध में यह आवश्यक हो जाता है कि आगामी अक्टूबर माह के अंत तक स्नातक द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं हर हाल में में विश्वविद्यालय आयोजित करें। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के अकादमिक हितों को ध्यानगत रखते हुए शीघ्र ही विश्वविद्यालय में पीएचडी की नामांकन प्रक्रिया को शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ गया है और जल्द ही अकादमिक काउंसिल की बैठक आयोजित कर इस प्रक्रिया को विभागीय स्तर पर प्रारंभ कर दिया जाएगा। कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने कहा कि विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर सत्र 2026 से 2028 के लिए नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है और विश्वविद्यालय अक्टूबर माह के अंत तक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए नामांकन प्रक्रिया को पूरा कर लेगा। इससे संबंधित अधिसूचना जल्द ही विश्वविद्यालय द्वारा जारी कर दी जाएगी। विभिन्न विभागाध्यक्षों से विमर्श के दौरान उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वर्ष 2027 के नए अकादमिक सत्र से कई नए अकादमिक और व्यवसायिक रोजगारमूलक पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने की योजना पर कार्यशील है और सभी विभागों को इससे संबंधित दिशा निर्देश जारी कर दिए गए है.

एक नजर

सुरक्षा दस्ता रांची महानगर के संजय सेठ मुख्य संरक्षक एवं दिलीप गुप्ता अध्यक्ष बने

राँची। आज सुरक्षा दस्ता,राँची महानगर की महत्वपूर्ण बैठक राँची महानगर दुर्गा पुजा समिति के अध्यक्ष रविन्द्र वर्मा जी की अध्यक्षता में आर्यपुरी स्थित पार्षद कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से दिलीप गुप्ता (पार्षद प्रतिनिधि,वार्ड 30) को अध्यक्ष चुना गया।दिलीप गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि विगत 24 वर्षों से सुरक्षा दस्ता,राँची महानगर ने प्रशासन के समक्ष कदम से कदम मिलाकर सफल एवं सुरक्षित दुर्गा पुजा के आयोजन में सहयोग करते हुए आ रहा है।इस वर्ष भी दस्ता के सभी युवा एक साथ मिल जुलकर तन-मन से विधि व्यवस्था संभालने का कार्य करेंगें।

मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति का कटा पैर

मुरीः दक्षिण पूर्व रेलवे के मुरी जंक्शन के लाइन नंबर दो पर बुधवार के दिन सुबह लगभग 9 बजे एक व्यक्ति का मालगाड़ी की चपेट में आने से पैर कट गया। गंभीर रूप से जख्मी व्यक्ति का पहचान कुसरुका थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव दरभंगा (बिहार) निवासी राजकिशोर (32) प्लेटफार्म से उतरकर दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ट्रैक पार कर रहा था इसी क्रम में तेज गति से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आने से यह घटना घटी।घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेल थाना और रेलवे सुरक्षा बल के जवान घटनास्थल पर पहुंचकर घायल व्यक्ति को एंबुलेंस के सहारे इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया,जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज हेतु रिम्स भेज दिया गया।रेल पुलिस मामले को लेकर जांच में जुट गई है।

सिल्ली पुलिस की पहल पर मुख्य सड़कों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए

सिल्लीः सिल्ली एवं आसपास क्षेत्र में आए दिन हो रहे हैं सड़क दुर्घटना से निपटने के लिए पुलिस की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। लगातार हुई सड़क दुर्घटना को देखते हुए सड़कों पर संभावित खतरनाक स्थलों को चयनित कर चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं। लगातार हो रही दुर्घटना को लेकर सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार ने उच्च अधिकारियों से पत्राचार कर इस दिशा पर आवश्यक कदम उठाने की अपील की थी।थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना रोकने के लिए पुलिस अपने संसाधनों के माध्यम से सभी प्रयास कर रही है।सड़कों पर खतरनाक स्थलों पर चेतावनी बोर्ड के सिल्ली टीकर रंगामाटी सड़क पर लगाया गया है इनके अलावा अन्य ग्रामीण सड़कों में भी इस तरह के बोर्ड लगाए जाएंगे। वहीं वाहन चालकों को सड़कों पर गति नियंत्रण रखने और सावधानी बरतने के भी निर्देश दिए जा रहे हैं। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने प्रयास किया जा रहा है। जिससे आए दिन हो रहे दुर्घटना से बचा जा सके। बहुत जल्द चिन्हित स्थानों पर ब्रेकर भी लगाई जाएगी।

एकल डांडिया नाइट का भव्य आयोजन

धनबाद। एकल महिला समिति, धनबाद द्वारा उत्सव बैंक्वेट हॉल में भव्य डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 75 सदस्य एवं 80 अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नगर में एकल के कार्यों का प्रचार-प्रसार एवं जनसंपर्क को बढ़ावा देना था। सभी सदस्य एवं अतिथि रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में अत्यंत आकर्षक नजर आए। समिति की सदस्यों ने पूरे उत्साह, उमंग और लगन के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। डांडिया एवं मनोरंजक गतिविधियों के साथ सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भी आनंद लिया। कार्यक्रम में चैप्टर से बलराम अग्रवाल और नितिन हड़ौदिया शामिल थे । अतिथियों के लिए तीन लकी ड्रॉ सहित आकर्षक उपहार एवं पुरस्कार रखे गए। आयोजन समिति में सीमा, पिंकी, पायल, श्वेता, नीतू, दीपा, सुमन, शीतल, हैप्पी, कविता, रिंपल, सिन्नी एवं सोनल का विशेष योगदान रहा। सहयोगी टीम में चांदनी मित्तल (सचिव), नूपुर सांवरिया, अनामिका एवं दीपा तुलस्यान शामिल रहीं।

किसानों को लाह और आलू की खेती के लिए किया गया प्रेरित

खूंटी। खूंटी छोटानागपुर कृषि उद्यमी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की द्वितीय वार्षिक आमसभा बुधवार को तोरपा प्रखंड के कोरला डांडटोली स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तोरपा प्रखंड के प्रमुख रोहित सुरीन थे। मुख्य अतिथि ने किसानों को एफपीसी से जुड़कर लाह की खेती करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों और कृषि विभाग की ओर से आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। एफपीसी के निदेशक परीबल सिंह ने किसानों को उन्नत खाद-बीज, आधुनिक तकनीक और खेती के बेहतर तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने लाह की खेती को बढ़ावा देने के साथ आगामी रबी मौसम में अधिक से अधिक क्षेत्र में आलू की खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में कंपनी के सीईओ मनोज कुमार हीरो, निदेशक शबनम टोपनो, प्रताप महतो, शिवू उरांव, मनोज बरला, वार्ड सदस्य उषा आईद, विजय हेंबरोम सहित तोरपा, कर्रा और रनिया प्रखंड के किसान उपस्थित थे।

जीएसटी फजीवाड़े की जांच में ज्ञानचंद जायसवाल के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) फजीवाड़े और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार सुबह जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में स्क्रैप कारोबारी ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

ईडी की अलग-अलग टीमों ने सुबह करीब आठ बजे बिष्टुपुर के कांट्रैक्टर्स एरिया स्थित आवास के अलावा बमामाईंस, जुगसलाई और आदित्यपुर के हथियाडीह औद्योगिक क्षेत्र स्थित शारदा एंडेवर फैक्ट्री में तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान परिसरों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई। बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक रही।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी की टीमें कारोबारी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज, वित्तीय लेनदेन, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, कंपनियों के खातों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कर रही हैं। कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और अन्य डिजिटल उपकरणों की भी पड़ताल की जा रही है। बताया गया है कि कार्रवाई जमशेदपुर के तीन और कोलकाता के एक ठिकाने पर चल रही है।

जांच के दायरे में ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल, उनके अकाउंटेंट संजय पारेख और अन्य से जुड़े परिसर शामिल हैं। यह कार्रवाई पूर्व में गिरफ्तार कोलकाता के कारोबारी शिव कुमार देवड़ा और अन्य से जुड़े जीएसटी फजीवाड़ा मामले की जांच का हिस्सा बताई जा रही है। ईडी की जांच के अनुसार, मामले में बिना वास्तविक वस्तु या सेवा की आपूर्ति के फर्जी इनवॉइस जारी कर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) हासिल करने का आरोप है।

ईडी ने सितंबर 2025 में जारी अपने आधिकारिक विवरण में बताया था कि इस मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में 135 शेल कंपनियों का नेटवर्क सामने आया था। इन कंपनियों के जरिए बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के फर्जी जीएसटी इनवॉइस जारी कर 734 करोड़ रुपये से अधिक का फर्जी आईटीसी कथित तौर पर जनरेट और पास ऑन किया गया था। ईडी के अनुसार, इस गतिविधि से करीब 67 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में अर्जित किए गए थे।

ईडी ने आठ मई 2025 को इस मामले में शिव कुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा, अमित गुप्ता और जमशेदपुर के अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने इन्हें मामले के प्रमुख आरोपितों के रूप में बताया था। ईडी ने तीन जुलाई 2025 को शिव कुमार देवड़ा से जुड़ी करीब 5.29 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की थीं। इसके बाद 29 सितंबर 2025 को अमित गुप्ता और उसके सहयोगियों से जुड़ी कोलकाता और हावड़ा स्थित 10 अचल संपत्तियों को करीब 15.41 करोड़ रुपये मूल्य का बताते हुए अनंतिम रूप से कुर्क किया गया।

ईडी के अनुसार, इस मामले की जांच जमशेदपुर स्थित जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की ओर से दर्ज शिकायतों के आधार पर शुरू की गई थी। जांच में सामने आए नेटवर्क और कथित फर्जी आईटीसी के प्रवाह के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की। मामले में आगे की जांच जारी है।

एक नजर

क्षेत्रीय विज्ञान-गणित मेले में विद्या विकास समिति बनी ओवरऑल चैंपियन

रामगढ़। रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय विज्ञान-गणित मेले का बुधवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में विज्ञान और गणित के क्षेत्र में प्रतिभागियों की प्रतिभा को सम्मान मिला। मेले में झारखंड और बिहार के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे छात्रों ने अपने मॉडल, प्रयोग और परियोजनाओं के माध्यम से वैज्ञानिक सोच, तार्किक क्षमता और नवाचार का प्रदर्शन किया। तीन दिनों तक विद्यालय परिसर में विज्ञान और गणित के विभिन्न मॉडल और प्रयोग आकर्षण का केंद्र बने रहे। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित परियोजनाएं प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का परिचय दिया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के मॉडल, प्रयोग एवं प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि विज्ञान और गणित केवल पाठ्यक्रम के विषय नहीं हैं, बल्कि जीवन को समझने और समस्याओं का समाधान खोजने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और नवाचार की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। क्षेत्रीय संयोजक राजाराम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में झारखंड एवं बिहार की तीन समितियों में विद्या विकास समिति, लोक शिक्षा समिति और भारती शिक्षा समिति के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों का चयन अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। अब चयनित प्रतिभागी देशभर से आने वाले प्रतिभाशाली बाल वैज्ञानिकों और गणितज्ञों के साथ अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। क्षेत्रीय विज्ञान-गणित मेले में विद्या विकास समिति, झारखंड ने सर्वाधिक पुरस्कार हासिल कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि के बाद समिति से जुड़े विद्यालयों, आचार्यों, प्रतिभागी भैया-बहनों एवं अभिभावकों में उत्साह का माहौल रहा।

झारखंड में कोयला चोरों के लिए सरकार कर रही एमएमडीआर कानून का विरोध : आदित्य

रामगढ। केंद्र सरकार ने माइंस एंड मिनरल्स (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एमएमडीआर, योजना लागू कर पूरे देश में खान एवं खनिज का मूल्य एक करने का निर्णय लिया है। लेकिन झारखंड सरकार स्थानीय कोयला चोरों को बढ़ावा देने के लिए इस कानून का विरोध कर रही है। नतीजे के तौर पर राज्य सरकार का कोष भी भर नहीं पा रहा है। यह बातें बुधवार को रामगढ़ पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर आदित्य प्रसाद साहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कही। उन्होंने कहा कि खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) कानून से न सिर्फ राज्य और केंद्र सरकार को फायदा होगा, बल्कि राजकीय कोष भरने से आम जनता के बीच विकास के कार्य भी काफी तेजी से होंगे। लेकिन झारखंड सरकार में शामिल झामुमो और कांग्रेस के नेता कोयला तस्करों और खनिज चोरों के लिए कानून का विरोध कर रहे हैं। आम जनता को बरगला कर राज्य की खनिज संपदा को बेच रहे हैं। साहू ने कहा कि सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि राज्य सरकार ने कोयल पर 450 रुपये प्रति टन और आयरन ओर पर 600 रुपये प्रति टन का शेष टैक्स लगाया है। यह टैक्स कानूनी तौर पर नहीं है। यह सरकार की रंगदारी के रूप में वसूली जा रही है। डॉ आदित्य प्रसाद साहू ने कहा कि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में शेष के नाम पर मात्र 22 रुपये 50 पैसा प्रति टन वसूला जाता है, जबकि ओडिशा में यह दर और भी कम है। लेकिन झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार डंके की चोट पर कोयला चोरों को बढ़ावा दे रही है और शेष टैक्स के नाम पर प्रतिमाह करोड़ों रुपए की उगाई कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह कानून खनिज और खान से जुड़े हुए वस्तुओं का मूल्य पूरे देश में एक कर देगी। लिहाजा हर राज्य का विकास होगा। वर्तमान समय में झारखंड के उद्योगपति भी ओडिशा और छत्तीसगढ़ से कोयला मंगा रहे हैं। झारखंड में संचालित औद्योगिक प्रतिष्ठान को भी शेष टैक्स के नाम पर यह मोटी रकम सीधे सरकार को अवैध रूप से देनी पड़ रही है। साथ ही कोयला तस्करों, आयरन ओर चोरी करने वाले और बॉक्साइट चोरों की चांदी कट रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में खनिज संपदा को बेचने वालों पर कड़ा शिकंजा कसा जा रहा है। धनबाद और चतरा जिले में सीआईएसएफ लगातार छापेमारी कर रही है। रामगढ़, हजारीबाग, लातेहार और दुमका जिले में भी सीआईएसएफ को तैनात कर कार्रवाई करने की मांग की गई है। साथ ही सीआईएसएफ को यह अधिकार दिया गया है कि वह कोयला और आयरन ओर चोरों पर सीधा शिकंजा कसे और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करे।

भाजपा ने कर्रा प्रखंड मुख्यालय में लगाया सेवा शिविर

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस और सेवा के 25 वर्ष पूरे होने पर भाजपा की ओर से चलाये जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत कर्रा प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी कर्रा मंडल की ओर से सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री सह भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा उपस्थित हुए। सेवा शिविर में दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की विभिन्न समस्याओं और आवश्यक सरकारी कार्यों से संबंधित आवेदन लिए गए। इनमें आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन सहित अन्य कार्यों से संबंधित आवेदन शामिल थे। शिविर के दौरान कुछ मामलों का त्वरित निष्पादन कराया गया, जबकि अन्य आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारियों को सौंपा गया। इस अवसर पर नीलकंठ सिंह मुंडा ने कर्रा के अंचलाधिकारी से ग्रामीणों के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार प्रखंड मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशीलता के साथ मामलों का निष्पादन करें। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकार को आम लोगों कि कोई चिंता नहीं है। शिविर में भाजपा खूंटी जिला उपाध्यक्ष कैलाश राम महतो, जिला महिला अध्यक्ष सीमा देवी, कर्रा मंडल अध्यक्ष किशोर बड़ाईक, गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष सुधीर सिंह, लोधमा मंडल अध्यक्ष ज्ञान रंजन सिंह, बालकिशुन महतो, कलिंद्र राम, भाजयुमो अध्यक्ष विनय गुप्ता सहित दर्जनों भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

चतरा में वित्त वर्ष 26-27 में 79 वाहनों से 34.15 लाख जुर्माने की वसूली

चतरा। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई। इसमें अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने नियमित निगरानी और सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया। जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर तक 26 वाहन जब्त, 18 प्राथमिकी दर्ज तथा 79 वाहनों से 34.15 लाख रुपये से अधिक जुमार्ना वसूला गया है। उपायुक्त ने सीसीएल के खनिज परिवहन वाहनों में एआईएस-140 प्रमाणित जीपीएस लगाकर वीटीएस पोर्टल पर पंजीकरण कराने का निर्देश दिया। बिना जीपीएस और तिरपाल के कोयला परिवहन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी लगाने को कहा गया। सीआईएसएफ की ओर बताया कि कार्रवाई में अब तक करीब 2,000 टन कोयला और पांच हाईवा सहित अन्य वाहन और उपकरण जब्त किए गए हैं। बैठक में क्रशर, खदान और ईंट-भट्ठों पर कार्रवाई का निर्देश भी दिया गया। बैठक में एसपी अनिमेष नैथानी, डीएफओ राहुल मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Rural Development Special Division, Simdega

NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST (EoI)
Ref No.: RDD/SD/SIMDEGA/EOI-01/2026-27
Date: 30-09-2026
NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST (EoI) FOR SELECTION OF IMPLEMENTING AGENCY FOR ESTABLISHMENT OF ADVANCE STEM LEARNING LABS IN SIMDEGA DISTRICT, JHARKHAND
1. INFORMATION AT A GLANCE

SL. NO.	INFORMATION/ SUBJECT	DETAILS
1	2	3
01	Name of Work	Establishment of Advance STEM (Science, Technology, Engineering & Mathematics) Learning Labs in Simdega District
02	Department	Rural Work Department
03	Estimated Project Cost	₹ 1,97,46,473/-
04	Tender Fee	₹ 10,000/*
05	Earnest Money Deposit (EMD) (@ 2% of the project cost)	₹ 4,00,000.00* MSME Registered Organization to be exempted as per Jharkhand Procurement Policy 2014
06	Publishing in website	Date :- 05/10/2026 Time :- 11:00 AM
07	Period of downloading of Bidding document	Start Date :- 05/10/2026 Time :- 11:00 AM End Date :- 27/10/2026 Time :- 03:00 PM
08	Bids online Submission	Start Date :- 05/10/2026 Time :- 11:00 AM End Date :- 27/10/2026 Time :- 03:00 PM
09	Pree bid Meeting	12/10/2026
10	Last Date of modification and withdrawal of the Bid.	19-0-24/10/2026 2026 to 25-05-2026 (Time 1:00 PM)
11	Technical opening of the bid	Date :- 27/10/2026 Time :- 03:30 PM
12	Inviting Authority	Executive engineer Rural Development special division, Simdega
13	Contact and email	Phone no. 8083010040 Email- rdsd.simdega@rediffmail.com

*Note –
1.Tender Fee and EMD will be received through online mode only. Bidders can use internet banking Facility for faster processing of tender fee and END Alternatively, bidders can use NEFT/RTGS Challans generated for the tender from https://jahrakhandtenders.gov.in Portal. 2. Refund will only be issued to the originated bank account used for the payment of tender fee and EMD.so, Bidder are advised not to close Bank Account used for online payment /(NEFT/RTGS) to tender fee and EMD

Executive Engineer
RDSD SIMDEGA

PR 390855 (Simdega)26-27*D

छात्रों से कथित पैसे मांगने के आरोप पर एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

खूंटी। बिरसा कॉलेज में एक कर्मचारी से संबंधित कथित वायरल वीडियो को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कॉलेज प्रशासन से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। वीडियो में संबंधित कर्मचारी पर विद्यार्थियों से कार्य के बदले कथित रूप से पैसे मांगने, अभद्र व्यवहार करने एवं विद्यार्थियों को कतार में खड़ा रखने के दौरान मोबाइल पर रील देखने के आरोप सामने आए हैं। एबीवीपी के झारखंड प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रभारी प्राचार्या डॉ पुष्पा सुरीन से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कराने और जांच पूरी होने तक संबंधित कर्मचारी को विद्यार्थियों से जुड़े कार्यों से अलग रखने की मांग की। प्रकाश टुटी ने कहा कि विद्यार्थियों से पैसे मांगना या उनके साथ दुर्व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि परिषद किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने के पक्ष में नहीं है, लेकिन विद्यार्थियों के सम्मान और अधिकारों से जुड़े मामलों में चुप नहीं बैठेगी।

झारखंड से दो-तीन दिनों में शुरू होगी मानसून की विदाई, चार अक्टूबर तक आंशिक बादल

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

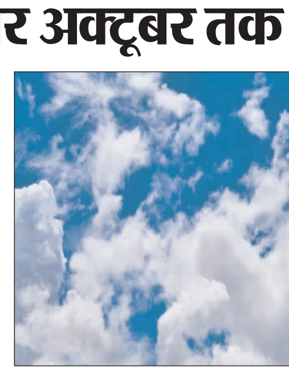

रांची। झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई अगले दो-तीन दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों से शुरू होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल चार अक्टूबर तक रांची सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। मौसम विभाग ने बुधवार को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्यभर में मौसम साफ और शुष्क रहा। बोकारो और चाईबासा में अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक दर्ज किया गया, जबकि राजधानी रांची में अधिकतम तापमान सामान्य रहा। राज्य में न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब एक डिग्री कम दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों में सरायकेला में राज्य का सर्वाधिक तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम तापमान रांची के नामकुम में 18 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। इसके चलते दिन में हल्की गर्मी और उमस महसूस की गई। हालांकि दोपहर बाद बीच-बीच में आसमान में बादल छाए रहे। राजधानी रांची में बुधवार को अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री और न्यूनतम 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 24.2 डिग्री, डालटनगंज में 33.8 और 24 डिग्री, बोकारो में 33.5 और 23.4 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 39/2026–27

1.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम	कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय	दिनांक 09.10.2026 को 3.00 बजे अपराहन् तक।
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 10.10.2026 (अपराहन् 03:00 बजे तक)।
4.	निविदा खुलने की तिथि एवं समय	दिनांक 10.10.2026 (अपराहन् 03:30 बजे)।
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग।
6.	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	जिला नियंत्रण कक्ष, हजारीबाग

ग्रुप सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1		2	3	4	5	6
1.	नगर निगम	के0 बी0 महिला महाविद्यालय, हजारीबाग में अवस्थित अनुसूचित जनजाति छात्रावास के पीछे की चाहरदिवारी, कंटीले तार से फेंसिंग एवं पेयजल हेतु डीप बोरिंग का अधिष्ठापन कार्य।	2307400.00	46200.00	5000.00	6 माह

नोटः 1. प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
2. निविदा शुल्क किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रुप में स्वीकार किया जाएगा, जो लौटाया नहीं जाएगा। बैंक ड्राफ्ट कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग के पदनाम से देय होगा। बैंक ड्राफ्ट निविदा प्रकाशन के बाद की तिथि का मान्य होगा।
3. 10% प्रतिशत से न्यून निविदाओं के लिए additional performance security के रुप में परिमाण विपत्र की राशि से–
i. 10% से 20% below तक की राशि का 20% तथा
ii. 20% से अधिक below की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत का प्रावधान लागू होगा।
विस्तृत जानकारी के लिए निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग

PR 390832 Rural Development(26-27)#D

एसआइआर को लेकर विधायक ने बनई पंचायत का लिया जायजा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया ने बुधवार को रनिया प्रखंड की बनई पंचायत में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्य का जायजा लिया। उन्होंने पंचायत क्षेत्र में एसआइआर की प्रगति और आम लोगों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान विधायक ने रनिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत डांग से मुलाकात कर एसआइआर प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतदाता सूची के पुनरीक्षण, दावे एवं आपत्तियों की स्थिति तथा पात्र मतदाताओं को प्रक्रिया के दौरान होने वाली संभावित परेशानियों के बारे में जानकारी ली। विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि एसआइआर जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ कार्य किया जाना जरूरी है। कोई भी पात्र नागरिक जानकारी या आवश्यक प्रक्रिया के अभाव में अपने मताधिकार से वंचित न हो, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों और संबंधित कर्मियों से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को एसआईआर से जुड़ी जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं एवं दावों का नियमानुसार समाधान करने की अपील की। विधायक ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में सही पंजीकरण आवश्यक है। जनप्रतिनिधि के रूप में वे एसआइआर से जुड़ी जनता की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाते रहेंगे और लोगों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे।

Industrial Training Institute

झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
प्राचार्य का कार्यालय–औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला, झारखण्ड
सिलम, जशपुर रोड, गुमला–835207Email Id:-principalitigumla@gmail.com

सुचना संख्या–41गुमला, **औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में शैक्षणिक सत्र 2026–27–28 के लिए नामांकन से संबंधित सूचना** दिनांक–30.09.2026

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग राँची द्वारा मान्यता प्राप्त सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में शैक्षणिक सत्र 2026–27–28 में नामांकन के लिए ऑनलाइन (https:/iti.jharkhand.gov.in Admission tab) आवेदन पत्र **30.09.2026 से 03.10.2026** तक आमंत्रित किए जाते हैं केवल झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी या स्थानीय निवासी के श्रेणी में आने वाले आवेदक ही नामांकन के पात्र है।

महत्वपूर्ण तिथियाँः–

क्र0सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंमिक तिथि	30.09.2026
02	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	03.10.2026

Vacant Seat of Industrial Training Institute, Gumla.

Sl	Name of the Trade	Period	Affiliated	Total Unit	UR	EWS	ST	SC	BC - I	BC - II	PH	SMQ	Total Vacant Seat
1.	Agro Processing	1 Year	SCVT	1	9	2	10	1	0	0	1	1	24
				Total	9	2	10	1	0	0	1	1	24

02. न्यूतम आहर्ताः–
क) नामांकन के लिए आवेदक को दसवी कक्षा में उर्त्तीणता आवश्यक है।
ख) आवेदक की आयु न्युनतम 14 वर्श अधिकतम 40 वर्श के बीच होनी चाहिए।
ग) किसी प्रकार के महत्वपूर्ण जानकारी हेतु ITI Web portal के Download section में देखा जा सकता है। एवं आवश्यकतानुसार मो0 न0–7903771648 / 7004348316 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/–
प्रभारी प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,गुमला

PR 390878 (Labour Employment and Traning)26-27*D

उपायुक्त ने नजारत शाखा की समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर के सौंदर्यीकरण एवं व्यवस्थाओं को लेकर दिए निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती ने बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में नजारत शाखा की समीक्षा बैठक की। बैठक में नजारत शाखा से संबंधित मासिक व्यय, परिसदन में कार्यरत कर्मियों, कार्यालय व्यय, बिजली बिल, मजदूरी, अतिथि व्यय, सेमिनार, आवंटन सहित अन्य संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। बिजली बिल के भुगतान की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पुलिस विभाग, अनुमंडल कार्यालय, शिक्षा विभाग, कल्याण एवं विकास शाखा सहित सभी संबंधित विभागों से बिजली बिल की राशि प्राप्त करने तथा सभी विभागों में सबमीटर लगाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उपायुक्त ने संबंधित कर्मियों को वर्दी की राशि उपलब्ध कराने, कार्यालय उपकरणों के लिए अलॉटमेंट मंगवाने, संविदा भत्ता एवं बाह्यस्रोत कर्मियों के मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर में जिले की स्थापना से लेकर अब तक की विभिन्न ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण जानकारी से संबंधित मैप लगवाने का निर्देश दिया। उन्होंने लोगों को हजारीबाग के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर में विशेष पहल करने हेतु प्रशिक्षु आईएएस एवं नजारत उपसमाहर्ता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने राज्य स्थापना दिवस से पूर्व समाहरणालय परिसर की साफ-सफाई कराने, फूल एवं प्लांट्स लगाने, लाइट एवं फव्वारे को दुरुस्त कराने तथा गोल्डन गमलों में फूल एवं प्लांट्स लगाने का निर्देश संबंधित नजारत पदाधिकारी को दिया। साथ ही खाली स्थानों पर लोगों के बैठने की सुविधा के लिए आरसीसी बेंच निर्माण कराने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर 2026 को समाहरणालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कराने हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त के अलावा सहायक समाहर्ता पूर्वा अग्रवाल, नजारत उपसमाहर्ता मुरली यादव सहित नजारत शाखा के पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

कैफेटेरिया झील से हटेगी जलकुंभी, सफाई के लिए पहुंची वीड हार्वेस्टर मशीन

हजारीबाग। शहर की जल संरचनाओं को साफ और व्यवस्थित रखने की दिशा में नगर निगम ने कैफेटेरिया झील की सफाई की तैयारी शुरू कर दी है। गांधी स्मारक झील में सफाई के लिए इस्तेमाल की गई वीड हार्वेस्टर मशीन को अब कैफेटेरिया झील में पहुंचाया गया है। मशीन के जरिए झील की सतह पर जमा जलकुंभी और जलीय खरपतवार को हटाया जाएगा। कैफेटेरिया झील में लंबे समय से जलकुंभी फैलने के कारण पानी की सतह का बड़ा हिस्सा प्रभावित है। अब मशीन की मदद से जलकुंभी को हटाकर झील के जल क्षेत्र को साफ करने की तैयारी है। इससे सफाई का काम अधिक व्यवस्थित तरीके से किए जाने की उम्मीद है। नगर निगम की ओर से बताया गया कि गांधी स्मारक झील की सफाई के बाद मशीन को कैफेटेरिया झील में भेजा गया है। यहां अभियान के तहत झील की सतह पर मौजूद जलीय खरपतवार को हटाने का काम किया जाएगा।

बड़कागांव हनुमान मंदिर में गूंजा हनुमान चालीसा, मंगला आरती में बच्चों ने भी लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

बड़कागांव। बड़कागांव दैनिक बाजार स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में साप्ताहिक मंगला आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। करीब डेढ़ घंटे तक चले धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ कर सनातन धर्म और संस्कारों से जुड़ने का संदेश दिया। मंगला आरती के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के बाद माथे पर चंदन तिलक लगाया और प्रसाद ग्रहण किया। स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार बड़कागांव के इस हनुमान मंदिर के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मन्नत यहां पूरी होती है, जिसके कारण दूर-दराज से भी श्रद्धालु मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंगला आरती में प्रमोद सोनी, इंगलेश कुमार सोनी, नकुल कुमार, गुनगुन कुमारी, ललन सोनी, अंकित कुमार, अभिषेक कुमार, रोशन सोनी, रौनक सोनी सहित कई श्रद्धालु शामिल हुए।

बरही के होटलों में शराब की बिक्री रोकने को लेकर एसडीपीओ ने की बैठक, होटल संचालकों को दी गई हिदायत

बरही। होटल और ढाबों में शराब समेत किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों की बिक्री एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम को लेकर बुधवार को बरही थाना परिसर में होटल संचालकों के साथ बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बरही एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने की। संचालन थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने किया। बरही क्षेत्र के होटल, ठेला व ढाबा संचालक उपस्थित थे। एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर ने संचालकों से होटल, ते और ढाबों में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि नहीं होने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शराब या नशीले पदार्थों की बिक्री अथवा सेवन की सूचना मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा पुलिस को इसकी सूचना देने को कहा गया। थाना प्रभारी ने भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने में होटल संचालकों से सहयोग की अपील की। मौके पर जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मो तौकीर रजा समेत अन्य मौजूद थे।

ज्ञान, प्रेरणा और संस्कार के साथ शिक्षा शास्त्र विभाग में नए सत्र का भव्य शुभारंभ

चतरा। चतरा कॉलेज चतरा के शिक्षा शास्त्र विभाग में सत्र 2026-28 के शुभारंभ के अवसर पर बुधवार को भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति प्रो. डॉ. चन्द्र भूषण शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरूआत विभागीय गरिमा एवं शैक्षणिक परंपरा के अनुरूप हुई। शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नन्द किशोर सिंह ने स्वागत भाषण सह विषय प्रवेश करते हुए मुख्य अतिथि, महाविद्यालय के प्राचार्य, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं सभी प्रशिक्षुओं का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने शिक्षा शास्त्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण केवल डिग्री प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, जिम्मेदार और आदर्श शिक्षक के निर्माण की यात्रा है। उन्होंने नए सत्र के प्रशिक्षुओं को विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखें, बल्कि उसे अपने व्यवहार, चिंतन और जीवन-मूल्यों में उतारें। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. डॉ. चन्द्र भूषण शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संदेश में प्रशिक्षुओं को शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए पढ़ने की ललक, सीखने की जिज्ञासा और निरंतर आत्म-विकास की भावना बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने नए सत्र के प्रशिक्षुओं को विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखें, बल्कि उसे अपने व्यवहार, चिंतन और जीवन-मूल्यों में उतारें। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. डॉ. चन्द्र भूषण शर्मा ने अपने प्रेरणादायक संदेश में प्रशिक्षुओं को शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए पढ़ने की ललक, सीखने की जिज्ञासा और निरंतर आत्म-विकास की भावना बनाए रखना आवश्यक है।

बड़कागांव थाना पहुंचे एसपी, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, नशे के खिलाफ अभियान और कोयला-बालू तस्करी पर रोक को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने बुधवार को बड़कागांव थाना का निरीक्षण कर थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह समेत थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

लंबित कांडों और वारंट के निष्पादन पर दिया जोर

निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित संचिकाओं की जांच की। उन्होंने लंबित कांड, वारंट और कुर्की से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को इनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। थाना क्षेत्र में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी अभियान चलाने को कहा गया।

नशे के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई

अवैध मादक पदार्थ से जुड़े लंबित मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही लोगों के बीच नशे के दुष्प्रभाव को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया।

एनटीपीसी और उससे जुड़े कोल माइंस क्षेत्रों में खनन एवं परिवहन गतिविधियों को देखते हुए लगातार गश्त जारी रखने को कहा गया। एसपी ने इन इलाकों में चोरी, लूट, डकैती समेत अन्य आपराधिक घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस की सक्रियता बनाए रखने का निर्देश दिया।

अभ्यास वर्ग में कथित हंगामे और मारपीट का आरोप, ग्राहक पंचायत ने जांच की मांग उठाई

हजारीबाग इकाई ने पश्चिम बंगाल सरकार और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की, सीसीटीवी फुटेज व मेडिकल रिकॉर्ड की जांच कराने पर जोर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। कोलकाता में 27 सितंबर को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के पश्चिम बंगाल प्रांत के अभ्यास वर्ग के दौरान कथित तौर पर हुए विरोध, धक्का-मुक्की और मारपीट की घटना को लेकर हजारीबाग जिला इकाई ने विरोध जताया है। संगठन के जिला अध्यक्ष गौरव सहाय ने घटना की निंदा करते हुए पश्चिम बंगाल सरकार और प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई करने की मांग की है।

अनुमति लेकर आयोजित किया गया था कार्यक्रम

संगठन के मुताबिक अभ्यास वर्ग जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर स्थित सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया था। ग्राहक पंचायत का कहना है कि कार्यक्रम के लिए संबंधित संस्थान से निर्धारित प्रक्रिया के तहत अनुमति ली गई थी और इसके लिए 17,250 रुपये शुल्क भी जमा कराया गया था। संगठन का आरोप है कि कार्यक्रम दोपहर करीब 12 बजे शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में छात्र ऑडिटोरियम पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विरोध जताने लगे। आरोप के मुताबिक इसी दौरान कुछ लोग मंच तक पहुंच गए और वहां लगाए गए बैकड्रॉप बैनर को फाड़ दिया गया। संगठन ने कार्यकताओं के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया है।

चार कार्यकताओं के घायल होने का दावा

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की ओर से बताया गया कि घटना के दौरान चार कार्यकर्ता घायल हुए। संगठन के अनुसार उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। पश्चिम बंगाल प्रांत के संगठन मंत्री अंजन दास के साथ भी हाथापाई किए जाने का आरोप लगाया गया है। संगठन का दावा है कि घटना के बाद परिसर में स्थिति ऐसी रही कि उसके कार्यकताओं को कई घंटे तक बाहर निकलने में परेशानी हुई। शाम करीब 6:30 बजे पुलिस की मौजूदगी में कार्यकताओं को परिसर से बाहर निकाले जाने की बात संगठन ने कही है।

सीसीटीवी और वीडियो फुटेज की जांच की मांग

हजारीबाग जिला इकाई ने मामले की जांच के दौरान घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कर उसकी जांच कराने की मांग की है। इसके अलावा मौके पर उपलब्ध वीडियो रिकॉर्डिंग, प्रत्यक्षदर्शियों और कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बयान दर्ज करने की मांग भी की गई है। संगठन ने घायल कार्यकताओं के मेडिकल रिकॉर्ड को भी जांच का हिस्सा बनाने की मांग की है।

नवनिमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर में भव्य भजन संध्या संपन्न

बाबा श्याम के स्वरूप की तस्वीर रखकर विधिवत पूजा-अर्चना व भव्य ज्योत के साथ देर रात तक भजनों पर झूमते रहे श्याम भक्त

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। शहर के बिहार दुर्गा स्थान से करीब 20 गज की दूरी पर स्थित नवनिमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर परिसर में आयोजित भव्य भजन संध्या श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुई। मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा अभी होना बाकी है। इसी क्रम में आयोजित भजन संध्या के अवसर पर बाबा श्याम के स्वरूप की तस्वीर को ससम्मान रखकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। शशिकांत मिश्रा ने वैदिक विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद बाबा श्याम की भव्य ज्योत प्रज्वलित की गई। ज्योत प्रज्वलित होते ही मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बन गया और श्याम भक्तों ने जय श्री श्याम के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान कर दिया पूजा-अर्चना में यजमान के रूप में अभिषेक चौधरी एवं उनकी धर्मपत्नी खुशबू चौधरी शामिल रहीं पूजा-अर्चना और ज्योत के बाद भजन-कीर्तन का सिलसिला शुरू हुआ। ढलती शाम के साथ मंदिर परिसर में श्याम भक्तों की भीड़ जुटने लगी। बाबा श्याम के जयकारों और भजनों की मधुर स्वर लहरियों के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु देर रात तक भजनों का आनंद लेते रहे और बाबा श्याम की भक्ति में लीन नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य गायक के रूप में वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी ने अपनी शानदार प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में झूमते रहे। आओ श्याम, आओ मेरे घर पधारो सहित बाबा श्याम के अनेक भजनों की प्रस्तुति पर श्रद्धालुओं ने जमकर आनंद लिया। एक ओर भजनों की मधुर धुन गूंजती रही, तो दूसरी ओर श्याम भक्तों के जयकारों से मंदिर परिसर लगातार गूंजता रहा। वहीं रामगढ़ से पहुंचे नंदू शर्मा ने भी बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी। उनकी भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। नंदू शर्मा और वीरेंद्र गर्ग उर्फ बिट्टू बिहारी की प्रस्तुतियों के दौरान श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में देर रात तक डूबे रहे। भजन संध्या के दौरान कई ऐसे अवसर आए, जब पूरा परिसर एक साथ जय श्री श्याम के जयघोष से गूंज उठा। भजन संध्या में शामिल श्याम भक्तों में बाबा श्याम के हजारीबाग आगमन को लेकर विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली।

सिरसी की 163 एकड़ सरकारी जमीन की मापी कार्य शुरू, अतिक्रमण की जांच में जुटी विशेष टीम

खाता संख्या 251 की प्लॉटवार पैमाइश, जमाबंदी से लेकर निर्माण और कब्जे तक की तैयार होगी रिपोर्ट

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। सिरसी मौजा में सरकारी जमीन से जुड़े मामले की जांच अब जमीनी स्तर पर शुरू हो गई है। उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल कटकमदाग अंचल के सिरसी पहुंचा और सरकारी जमीन की मापी का कार्य शुरू किया। टीम नक्शे के आधार पर जमीन की प्लॉटवार पैमाइश कर रही है।

163.19 एकड़ जमीन की हो रही जांच

जांच का मुख्य केंद्र खाता संख्या 251 की करीब 163.19 एकड़ गैरमजरूआ खास जमीन है। विशेष टीम जमीन की वास्तविक स्थिति का मिलान राजस्व अभिलेख और नक्शे से कर रही है। इसके तहत यह देखा जा रहा है कि जमीन के किन हिस्सों पर दखल है, कहां निर्माण हुआ है और कितनी जमीन फिलहाल खाली है। जांच के दौरान कथित अवैध जमाबंदी और जमीन पर हुए अवैध निर्माण की स्थिति का भी सत्यापन किया जा रहा है। टीम को मौके पर उपलब्ध स्थिति का विस्तृत ब्योरा तैयार कर उपायुक्त को रिपोर्ट सौंपनी है।

20 सदस्यीय टीम जुटी जांच में

सरकारी जमीन की स्थिति स्पष्ट करने के लिए 20 सदस्यीय विशेष सेल का गठन किया गया है। टीम दखलकारों, निर्मित संरचनाओं और खाली भूखंडों का विवरण तैयार करेगी। इसके साथ ही जमीन से संबंधित राजस्व रिकॉर्ड की भी जांच की जाएगी, ताकि अभिलेख और मौके की स्थिति के बीच अंतर होने पर उसे चिन्हित किया जा सके। कटकमदाग अंचल के सीओ को संबंधित खतियान, पंजी-2, भूमि रसीद और अन्य जरूरी राजस्व अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। इन दस्तावेजों को 5 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने को कहा गया है।

महिला कॉलेज के लिए मिली थी जमीन

बताया गया है कि इसी सरकारी जमीन पर महिला महाविद्यालय के निर्माण की स्वीकृति मिली थी।

हजारीबाग बन्द के दौरान आंदोलनकारियों का जोरदार प्रदर्शन

झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान-पेंशन देने और पेंशन के लिए जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने की मांग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड बंद के आह्वान पर बुधवार को हजारीबाग के जिला परिषद चौक पर अखिल भारतीय किसान सभा, झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा, झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, झारखंड राज्य स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच एवं खतियानी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आंदोलनकारी एवं समर्थक शामिल हुए। इस दौरान विभिन्न जनमुद्दों को लेकर जोरदार नारेबाजी करते हुए अपने अधिकारों और मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की गई। आंदोलनकारी नेताओं ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के गठन के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों के योगदान और त्याग को सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान एवं पेंशन देने तथा पेंशन लागू करने के लिए जेल जाने की बाध्यता को समाप्त करने की मांग सरकार से की।नेताओं ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान के साथ-साथ जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा, विस्थापितों के पुनर्वास, किसानों के अधिकार, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सवाल भी आंदोलन के प्रमुख मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के संसाधनों पर यहां के लोगों के अधिकार और विभिन्न जन समस्याओं को लेकर सामूहिक संघर्ष को आगे भी जारी रखा जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि झारखंड के निर्माण में आंदोलनकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में उनके सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों से जुड़े मामलों का समाधान सरकार को प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। उन्होंने आंदोलनकारी पेंशन को प्रभावी रूप से लागू करने तथा इसके लिए निर्धारित शर्तों में आवश्यक बदलाव करने की मांग दोहराई। 60 वर्ष के ऊपर के किसानों को ?10000 पेंशन लागू करने और किसानों के बकाया ऋण माफ करने की मांग जोरदार तरीके से उठाई गई। अडानी के कोल ब्लॉक के आवंटन को रद्द करने की मांग भी जोरदार तरीके से उठाई गई। एनटीपीसी केरेडारी के 11 गांव के भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने की मांग जोरदार तरीके से रखी गई। आंदोलनकारियों संगठनो ने यह भी मांग रखी कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के तहत उपजाऊ जमीनों का अधिग्रहण बंद हो। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जनहित और अधिकारों से जुड़े इन मुद्दों को लेकर आंदोलन को आगे और व्यापक बनाया जाएगा। इस मौके पर झारखंड राज्य स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के अध्यक्ष बटेश्वर मेहता, किसान सभा के संयोजक गणेश कुमार सीटू,अखिल भारतीय किसान सभा के सचिव मजीद अंसारी, झारखंड राज्य स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय सचिव अजीम अंसारी, प्रकाश मेहता, लोकनाथ महतो, प्रमंडलीय अध्यक्ष शंकर राज, प्रमंडलीय प्रधान महासचिव मुकुल चंद्र, खतियानी परिवार के केंद्रीय महासचिव मोहम्मद हकीम, कुलदीप मेहता, सुखदेव यादव, बंगाली राम, चुल्हन गोप, सहदेव राम सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े सैंकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल रहे।

स्वर्वेद महा मंदिर धाम में हजारीबाग के 17 साधकों ने दी 10 दिनों की सेवा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव वाराणसी के उमराहा स्थित विश्वविख्यात साधना केंद्र स्वर्वेद महा मंदिर धाम में हजारीबाग जिले से विहंगम योग से जुड़े 17 साधकों ने 21 सितंबर से 30 सितंबर तक रहकर 10 दिनों तक सेवा कार्य प्रदान किया। इस दौरान साधकों ने मंदिर धाम की विभिन्न व्यवस्थाओं में अपनी सहभागिता निभाई और सेवा के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। स्वर्वेद महा मंदिर धाम की स्थापना अनंत श्री सद्गुरु सदाफलदेव महाराज की साधना एवं उनके द्वारा रचित ह्यस्वर्वेद महाग्रंथह्ल की विचारधारा पर आधारित बताई जाती है। विहंगम योग से जुड़े लोगों के अनुसार, सद्गुरु सदाफलदेव महाराज ने विश्व कल्याण के उद्देश्य से हिमालय में 17 वर्षों तक कठिन तपस्या की, जिसके पश्चात स्वर्वेद महाग्रंथ की रचना की गई। धाम में ब्रह्मविद्या ज्ञान की साधना कराई जाती है, जिसे गुरुमुखी एवं गोपनीय परंपरा से जुड़ा बताया जाता है। विहंगम योग परंपरा के अनुसार, इस साधना के माध्यम से साधक चेतन आत्मा और परमात्मा के साक्षात्कार की दिशा में आगे बढ़ता है। स्वर्वेद महा मंदिर धाम में भारतीय सनातन परंपरा, संस्कृति, ऋषि-मुनियों की उपलब्धियों तथा भारतीय सभ्यता से संबंधित विषयों को अभिलेखों एवं विभिन्न माध्यमों

AFFAIDAVIT

As per affidavit ref. no. 1855, dated:- 13/08/2026
I, Manoj Singh son of Nandu Singh, aged about 40 years, resident of village- Khanwa, P.O. Rajwadih, P.S. Daltonganj, Distt. Palamau, Jharkhand, do hereby solemuly affirm and declare as follows:-

1. That Rajan Singh is my son. His Date of birth is true, correct and genuine.
2. That as per his Matriculation certificates his name is correctly mentioned as Rajan Singh.
3. That as per his Aadhar card no.3261 0319 6956 his name is mentioned as Raju Ranjan Singh.
4. That I wants to correct the name of my son in his Aadhar card as Raju Ranjan Singh, Rajan Singh in place of
5. That this affidavit is executed by me for the Purpose to correct the name of my son as Rajan Singh in his Adhar card.

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई की हुई समीक्षा

अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी एवं सघन अभियान चलाने का निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में बुधवार को चतरा उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी एवं अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी श्री मनोज टोप्पो द्वारा अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में सितंबर 2026 तक अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 26 वाहन जब्त किए गए तथा 18 प्राथमिकी दर्ज की गईं। वहीं, कार्रवाई के दौरान पकड़े गए 79 वाहनों से ?34.15 लाख से अधिक की दंड राशि की वसूली की गई है। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में सितंबर 2025 तक अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 124 वाहन जब्त किए गए थे तथा 52 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। इस अवधि में 142 वाहनों से 25.58 लाख से अधिक की दंड राशि की वसूली की गई थी।

अवैध खनन एवं परिवहन पर नियमित निगरानी का निर्देश

बैठक के दौरान उपायुक्त श्री रवि आनंद द्वारा अंचलवार एवं कार्यालयवार अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। विगत वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में प्राथमिकी की संख्या कम रहने के संबंध में जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 IYû The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining, Transportation and Storage) Amendment Rules, 2026 अधिसूचित किए गए हैं। उक्त नियमावली के तहत अवैध परिवहन में पकड़े गए वाहनों के संबंध में सक्षम पदाधिकारी से अनुमोदन के उपरांत Compounding का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में अवैध परिवहन में पकड़े गए वाहनों के मामलों में नियमानुसार Compounding की कार्रवाई करते हुए दंड राशि की वसूली की जा रही है। उपायुक्त ने जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स के सभी सदस्यों को विशेष रुचि लेकर जिले में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से निगरानी एवं अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाते हुए पर्यावरण एवं राजस्व को होने वाली क्षति को न्यूनतम करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

खनिज परिवहन में VTD एवं GPS पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश

समीक्षा के क्रम में सीसीएल द्वारा खनिज परिवहन में प्रयुक्त वाहनों पर श्ळऊ के पंजीकरण की प्रगति शून्य पाए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सीसीएल की सभी संबंधित परियोजनाओं के परियोजना पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खनिज परिवहन में प्रयुक्त सभी वाहनों में AIS-140 Certification प्राप्त VTD (GPS) का इंस्टॉलेशन सुनिश्चित कराते हुए सभी वाहनों का VTS Portal पर पंजीकरण कराया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि उक्त कार्रवाई की प्रगति से संबंधित प्रतिवेदन अगली बैठक से पूर्व जिला खनन कार्यालय, चतरा को उपलब्ध कराया जाए, ताकि इसकी नियमित समीक्षा की जा सके।

तिरपाल से ढककर ही कोयला परिवहन करने का निर्देश

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अनिमेष नैथानी ने आमजनों की सुरक्षा तथा प्रदूषण से बचाव के दृष्टिकोण से कोयले का परिवहन तिरपाल से ढककर किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सीसीएल प्रबंधन को सभी संबंधित वाहनों में निर्धारित सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में निर्देश दिया गया कि बिना श्ळऊ अथवा बिना तिरपाल से ढके कोयले का परिवहन करते पाए जाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा ऐसे वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 2198 लीटर अवैध नकली विदेशी शराब बरामद

मुख्य आरोपी फरार, मकान मालिक को हिरासत में लेकर किया गया गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हेमन्त सती के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं कारोबार के विरुद्ध उत्पाद विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दारू प्रखंड अंतर्गत हरली गांव निवासी लक्ष्मण प्रसाद के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उक्त परिसर से बड़ी मात्रा में अवैध नकली विदेशी शराब की खेप बरामद की गई। कार्रवाई में कुल 2198 लीटर विदेशी शराब जब्त (251 पेटी) की गई है। जांच एवं पूछताछ के क्रम में श्रवण सुंडी एवं दारू प्रखंड के रामदेव खरिका निवासी धनेश्वर महतो को इस अवैध कारोबार का मुख्य अभियुक्त के रूप में चिन्हित किया गया है। छापेमारी के दौरान दोनों अभियुक्त मौके पर मौजूद नहीं पाए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने लक्ष्मण प्रसाद के मकान को किराए पर लेकर उक्त अवैध गतिविधि को अंजाम दिया जा रहा था। मामले में मकान मालिक लक्ष्मण प्रसाद को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया है। बरामद शराब को जब्त करते हुए संबंधित प्रावधानों के तहत अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए भी आवश्यक कार्रवाई जारी है। नकली विदेशी शराब में रॉयल चैलेंज, रॉयल मेंशन गोल्ड, पाब्लो, ओल्ड मॉन्क, ऑफिसर चॉइस एवं रॉयल स्टैग की पेटी बरामद की गई। छापेमारी अभियान में सहायक उत्पाद आयुक्त के नेतृत्व में कुलदीप कुमार एवं अभिषेक कुमार सहित उत्पाद विभाग की टीम शामिल रही। जिला प्रशासन एवं उत्पाद विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभावि में अवकाश प्राप्त शिक्षकों के सम्मान में समारोह आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के तत्वावधान में तीन वरीय अवकाश प्राप्त प्राध्यापकों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। डॉ सीवी रमन विज्ञान भवन के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित समारोह की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार ने की। इस अवसर पर जुलाई और अगस्त 2026 में अवकाश प्राप्त करने वाले हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार गुप्ता तथा डॉ केदार सिंह एवं जंतु विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ किशोर कुमार गुप्ता को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ के सचिव डॉ गोविंद झा के स्वागत संबोधन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ एच एन सिन्हा, डॉ एसके अग्रवाल, डॉ सरोज कुमार सिंह, डॉ कौशलेंद्र कुमार, प्रोफेसर तनवीर यूनुस, डॉ गंगानन्द सिंह, डॉ राजकुमार चौबे, डॉ सुबोध कुमार सिंह 'शिवगीत', डॉ सुनील कुमार दुबे, प्रो मृत्युंजय प्रसाद, डॉ विनीता बनकीरा ने सभा को संबोधित कर अवकाश प्राप्त शिक्षकों के साथ के स्वर्णिम अनुभवों को साझा किया। यह भी तय हुआ कि जिन शिक्षकों के अवकाश के उपरांत सम्मान समारोह का आयोजन नहीं हो सका है उनके सम्मान में भी विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। अपने उदगार में अवकाश प्राप्त शिक्षक डॉ कृष्ण कुमार गुप्ता, डॉ केदार सिंह एवं डॉ किशोर कुमार गुप्ता ने संघ के पुनः सक्रिय होने पर खुशी जताई। अपने-अपने सेवा जीवन में सहयोग के लिए सभी साथियों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर अवकाश प्राप्त शिक्षकों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। तीनों शिक्षकों को चीकू के दुर्लभ पौधे भेंट किए गए। दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाले कुछ अन्य उपहार भी सप्रेम भेंट किए गए। समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन संघ के पूर्व सचिव डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। अंत में ग्रुप फोटोग्राफी का आयोजन किया गया।

कंपनी-ट्रांसपोर्टरों की गैरमौजूदगी पर भड़के विस्थापित, 1 अक्टूबर से कोयला ट्रांसपोर्टिंग ठप

बड़कागांव। बड़कागांव पकरी बरवाडीह कोल खनन परियोजना से प्रभावित विस्थापितों की मांगों को लेकर बुधवार को बड़कागांव प्रखंड सभागार में आयोजित त्रिपक्षीय वार्ता कंपनी एवं ट्रांसपोर्टर पक्ष के प्रतिनिधियों के उपस्थित नहीं होने के कारण विफल हो गई। इससे नाराज विस्थापित प्रभावित संघर्ष मोर्चा ने 1 अक्टूबर से कोयला ट्रांसपोर्टिंग सड़क जाम कर परिवहन ठप कराने का ऐलान किया है। बैठक को संबोधित करते हुए मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शिवलाल महतो ने कहा कि विस्थापितों की मांगों को लेकर अब टालमटोल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी और ट्रांसपोर्टरों के प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति के कारण वार्ता में मांगों पर कोई ठोस चर्चा नहीं हो सकी। जब तक मांगों पर समाधान नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। मोर्चा की प्रमुख मांगों में विस्थापित एवं प्रभावित परिवारों को नौकरी और रोजगार देना, बड़कागांव के विस्थापितों के वाहनों को कोयला ट्रांसपोर्टिंग में शामिल करना तथा प्रदूषण एवं पर्यावरणीय क्षति के एवज में मुआवजा देना शामिल है। ज्ञात हो कि 3 सितंबर से 13 माइल में विस्थापित संघर्ष मोर्चा का धरना-प्रदर्शन जारी है।

झारखंड आंदोलनकारियों ने किया चक्का जाम घंटों थमा रहा पहिया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

केरेडारी। झारखंड राज्य के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले झारखंड आंदोलनकारियों ने अपने हक और अधिकार की मांग को लेकर बुधवार को केरेडारी मुख्य चौक में सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया! आंदोलनकारियों के सड़क जाम करने से आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा! जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों और यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा! आंदोलनकारियों ने कहा कि झारखंड आंदोलन के दौरान उन्होंने राज्य निर्माण के लिए संघर्ष किया, लाठियां खाईं और जेल गए! सरकार की ओर से आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन सहित अन्य सुविधाएं देने की घोषणा की गई थी, लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है! आंदोलनकारियों का आरोप है कि पेंशन योजना अब तक धरातल पर लागू नहीं हुई है! आंदोलन का नेतृत्व कर रहे आंदोलनकारियों ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में योगदान देने वाले आंदोलनकारियों के साथ सरकार को अपने वादे के अनुरूप सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए! उन्होंने चिन्हित सभी आंदोलनकारियों को अविलंब पेंशन का लाभ देने तथा अन्य घोषित सुविधाएं लागू करने की मांग की! आंदोलनकारियों ने प्रमुख रूप से सभी चिन्हित झारखंड आंदोलनकारियों को पेंशन योजना का लाभ देने, आंदोलनकारियों एवं उनके आश्रितों को सरकारी नौकरी तथा अन्य सुविधाओं में आरक्षण देने और सभी आंदोलनकारियों को सम्मान एवं पहचान पत्र उपलब्ध कराने की मांग की !आंदोलन की अध्यक्षता बालेश्वर कुमार ने किया! जबकि संचालन गोबिंद माली ने किया !मौके पर प्रखण्ड महासचिव बसन्त यादव,सचिव मो बबलू रिजवी, रामेश्वर साव, रामकुमार सोनी, रामचन्द्र महतो, तीरथ साव, शम्भू गुप्ता, बैजनाथ महतो, डलेश्वर साव,महेंद्र ठाकुर, रफीक मियां समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे!

डीएमएफटी योजनाओं की प्रगति की उपायुक्त ने की समीक्षा

लंबित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने एवं निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती ने बुधवार को डीएमएफटी के अंतर्गत संचालित एवं क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में ग्रामीण विकास विभाग, लघु सिंचाई, भवन प्रमंडल, जलपथ विभाग सहित अन्य तकनीकी विभागों द्वारा क्रियान्वित परियोजनाओं के साथ-साथ एनआरईपी, जिला परिषद एवं पुरानी योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। उपायुक्त ने डीएमएफटी के वार्षिक प्लान की ऑडिट से संबंधित जानकारी भी ली। उपायुक्त ने कहा कि अब से डीएमएफटी के तहत संचालित कार्यों की जेईवार समीक्षा की जाएगी। समीक्षा के क्रम में कुछ कार्यस्थलों पर योजनाओं की प्रगति के लिए मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की आवश्यकता की जानकारी दी गई। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत आधारभूत संरचनाओं एवं विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण में बुनियादी आवश्यकताओं एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण बालू, बजरी, सीमेंट सहित अन्य निर्माण सामग्रियों के उपयोग तथा संरचनाओं को वॉटरप्रूफ रखने पर विशेष ध्यान देने की बात कही, ताकि निर्माण कार्य मजबूत, गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ हो सके। बैठक में जिला परिषद की योजनाओं एवं पुरानी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। पेयजल आपूर्ति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बड़कागांव में गुणवत्तापूर्ण बोरवेल कराते हुए हाउस-टू-हाउस कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित जूनियर अभियंता को दिया। वहीं, उप विकास आयुक्त को मनरेगा के तहत शॉकपिट उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को डीएमएफटी एवं अन्य योजनाओं के तहत लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त के अलावे उप विकास आयुक्त रिया सिंह, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, संबंधित कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं जूनियर अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

जहरीले सांप के डंसने से महिला की मौत, गांव में पसरा मातम

बड़कागांव। बड़कागांव तलसवार (टिकरीटांड़) निवासी 39 वर्षीय मुनिता देवी, पति महेश साव, की जहरीले सांप के डंसने से इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे रिम्स, रांची में उन्होंने अंतिम सांस ली। महिला की मौत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों सहित ग्रामीणों में मातम छा गया। बताया जाता है कि 12 सितंबर को हजारीबाग में मुनिता देवी के पैर में जहरीले सांप ने डंस लिया था। सांप के डंसने के बाद परिजन तत्काल उन्हें हजारीबाग सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें रांची ले गए, जहां पिछले कई दिनों से उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान मंगलवार, 29 सितंबर को उनकी मौत हो गई। मुनिता देवी अपने पीछे पति, एक पुत्र, एक पुत्री समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है। मंगलवार शाम को मुनिता देवी का अंतिम संस्कार तलसवार स्थित बड़की नदी श्मशान घाट में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार किया गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शुभचिंतक शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से पत्रकार रंजीत साव, चोहन साव, सोना साव, दीपक कुमार, भुनेश्वर साव, देवनारायण साव, फुनू साव, चेतलाल कुमार साव, बंधन साव, सुरेंद्र साव उर्फ बोलबम साव, दशरथ साव, परमेश्वर साव, जितेंद्र कुमार साव, चंद्रिका कुमार साव सहित दर्जनों लोग शामिल रहे।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए 1 अक्टूबर को जागरूकता शिविर

हजारीबाग। विद्युत उपभोक्ताओं को विभाग की सेवाओं और सुविधाओं की जानकारी देने के लिए विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, हजारीबाग की ओर से 1 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे हिराबाग स्थित विद्युत कार्यालय परिसर में उपभोक्ता जागरूकता शिविर लगाया जाएगा। शिविर में उपभोक्ताओं को बिजली बिल भुगतान, मोबाइल नंबर अपडेट कराने, बिल से जुड़ी जानकारी तथा अन्य विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। कार्यक्रम में डीएलएसए के सचिव, हजारीबाग, वीएसएनएफ की अध्यक्ष तथा झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, हजारीबाग के महाप्रबंधक -सह-मुख्य अभियंता समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे।विद्युत आपूर्ति प्रमंडल ने जिले के उपभोक्ताओं से 1 अक्टूबर को शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर विभागीय सेवाओं की जानकारी लेने और अपनी विद्युत संबंधी समस्याओं का समाधान कराने की अपील की है।

गैस सिलेंडर चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, दो सिलेंडर बरामद

हजारीबाग। कोर्रा थाना पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 12 सितंबर 2026 को राजीव रंजन के लिखित आवेदन के आधार पर उनके घर से पांच गैस सिलेंडर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस मामले में कोर्रा थाना कांड संख्या 168/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कुंदन कुमार मल्हार, पिता स्व. मनोज कुमार मल्हार, निवासी सिंदूर, हजारीबाग को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए दो गैस सिलेंडर बरामद किए गए। घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जेएच 02 बीटी 1453 को भी जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी ने कोर्रा थाना क्षेत्र स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिंदूर, हजारीबाग में दो अन्य साथियों के साथ चोरी की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है और उसके बताए अन्य सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ कोर्रा थाना में कांड संख्या 255/23 और कांड संख्या 37/25 दर्ज होने की जानकारी दी गई है। कार्रवाई में कोर्रा थाना पुलिस की टीम शामिल रही।

कण्डसार +2 उच्च विद्यालय में माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

कटकमसांडी। कंडसार परियोजना +2 उच्च विद्यालय कंडसार में एआर एक्स लेबोरेट्रिज के तत्वावधान में छात्राओं के बीच माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. इलिका भारती एवं डॉ. रणविजय कुमार ने छात्राओं को माहवारी स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान चिकित्सकों ने छात्राओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के साथ-साथ इससे जुड़े विभिन्न प्रकार के रोगों के कारण, लक्षण, बचाव के उपाय एवं निदान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।

निरसा नारी शक्ति की वार्षिक आम सभा संपन्न,विधायक अरूप चटर्जी ने लिया हिस्सा

निरसा। निरसा के घाघरा पंचायत भवन में निरसा नारी शक्ति कृषि उत्थान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु वार्षिक आम सभा का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पलाश (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी) एवं प्रखंड विकास विभाग, झारखंड सरकार के सौजन्य से आयोजित किया गया था।कार्यक्रम में निरसा के लोकप्रिय विधायक माननीय अरूप चटर्जी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को कृषि और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति के उत्थान और किसानों की समृद्धि से ही क्षेत्र का सर्वांगीण विकास संभव है।सभागार में उपस्थित गणमान्य व मुख्य बिंदुः आयोजन स्थल व समयः घाघरा पंचायत भवन, निरसा में सुबह 11:00 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। संस्थाः निरसा नारी शक्ति कृषि उत्थान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड। उद्देश्यः कृषि उत्पादों के सही संवर्धन, महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से आगामी योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व समिति की महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

डीवीसी मैथन में सेवानिवृत्ति विदाई समारोह का भव्य आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मैथन। दामोदर घाटी निगम मैथन परियोजना के कॉम्बाइंड बिल्डिंग स्थित एनएचपी सम्मेलन कक्ष में सेवानिवृत्त हो रहे शिवनाथ पासवान,तकनीकी सहायक एवं जितेन कुमार ज्योति, कनिष्ठ खलासी के सम्मान में एक गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके दीर्घ, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाकाल को सम्मानपूर्वक स्मरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ, सुखमय जीवन की कामना की।इस अवसर पर प्रबीर चाँद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल), ने कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित, अनुशासित और कर्मनिष्ठ कर्मचारी होते हैं।शिवनाथ पासवान,तकनीकी सहायक एवं श्री जितेन कुमार ज्योति,कनिष्ठ खलासी ने अपने दीर्घ सेवाकाल में

निष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता और उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का जो आदर्श प्रस्तुत किया है, वह डीवीसी परिवार की अमूल्य धरोहर है। उनका योगदान केवल अपने दायित्वों के निर्वहन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने अपने अनुभव, व्यवहार-कुशलता एवं सकारात्मक कार्यशैली से संगठन की कार्यसंस्कृति को भी सुदृढ़ बनाया।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा जीवन का समापन नहीं, बल्कि अनुभव, ज्ञान और सामाजिक उत्तरदायित्व से परिपूर्ण एक नई यात्रा का शुभारंभ है। वर्षों की अर्जित विशेषज्ञता और जीवन मूल्यों से वे आने वाली पीढ़ियों तथा समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। हमें विश्वास है कि उनकी कार्यनिष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण भाव सदैव डीवीसी के कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने रहेंगे।प्रवीर चांद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल) ने कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि एवं दीघार्यु जीवन की मंगलकामना करते हुए कहा कि डीवीसी परिवार उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान के साथ उनका आत्मीय संबंध भविष्य में भी इसी प्रकार बना रहेगा और वे सदैव डीवीसी परिवार के अभिन्न सदस्य रहेंगे।अपने उद्गार व्यक्त करते हुए शिवनाथ पासवान, तकनीकी सहायक एवं जितेन कुमार ज्योति, कनिष्ठ खलासी ने डीवीसी मैथन परिवार के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्थान में बिताए गए वर्षों की स्मृतियाँ उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेंगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं सहकर्मियों से प्राप्त सहयोग, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि डीवीसी परिवार के साथ उनका आत्मीय संबंध सदैव बना रहेगा।समारोह में आनन्द मोहन प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (कोल समन्वयक), प्रबीर चाँद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल), शैलेश गुप्ता, वरिष्ठ महाप्रबंधक (टीएससी), सुखमय नायक, उप महाप्रबंधक (प्रशा. व मा.सं.) नागसुधा कुमारी, संजीव कुमार,अनुपम मजूमदार, पिंकी, उदय आर्य, शकील अहमद, कार्यपालक (मा.सं.), रवि कुमार सिन्हा, कार्यपालक (राजभाषा), चन्द्रशेखर राय, अमिता जैसवारा सहित परियोजना के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने शिवनाथ पासवान, तकनीकी सहायक एवं जितेन कुमार ज्योति, कनिष्ठ खलासी के उत्कृष्ट योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। सुखमय नायक, उप महाप्रबंधक (प्रशा. व मा.सं.) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।कार्यक्रम का सुव्यवस्थित एवं प्रभावी संचालन रवि कुमार सिन्हा, कार्यपालक (राजभाषा) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, सम्मान एवं भावनात्मक अपनत्व से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शिवनाथ पासवान, तकनीकी सहायक एवं जितेन कुमार ज्योति, कनिष्ठ खलासी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें ससम्मान विदाई दी तथा उनके आगामी जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। समारोह का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दिनदहाड़े चोरी का 24 घंटे में खुलासा, दो गिरफ्तार

बोकारो। डीवीसी कॉलोनी में दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात का चंद्रपुरा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को कमला माता मंदिर पहाड़ी से गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के सामान के साथ 5,500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की छापेमारी जारी है।29 सितंबर को डीवीसी कॉलोनी के क्वार्टर संख्या एफ/डी-05 में दिनदहाड़े चोरी हुई थी। सूचना के बाद चंद्रपुरा थाना में कांड संख्या 112/2026 दर्ज कर पुलिस ने अज्ञात चोरों की तलाश शुरू की। कांड के शीघ्र उद्भेदन के लिए गठित टीम ने सुराग के आधार पर छापेमारी कर बिरसा बस्ती निवासी रोहित कुमार (26) और विजय कुमार (22) को दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो जोड़ी चांदी जैसे पायल और तीन चांदी जैसे सिक्के बरामद हुए। रोहित की जेब से 3,000 रुपये और विजय के पास से 2,500 रुपये नकद मिले। दोनों पर पहले से दर्ज हैं मामले पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार रोहित कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ चंद्रपुरा थाना में वर्ष 2024 में चोरी के दो मामले दर्ज हैं। वहीं विजय कुमार के खिलाफ भी वर्ष 2024 में चंद्रपुरा थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अब चोरी की वारदात में शामिल अन्य आरोपियों और गिरोह के सदस्यों तक पहुंचने में जुटी है। छापेमारी दल में चंद्रपुरा थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह, दुग्धा थाना प्रभारी अमन कुमार, पु०अ०नि० कुन्दन कुमार पासवान, पु०अ०नि० प्रवीण महतो तथा चंद्रपुरा थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

साइबर ठगों का सिम सप्लाई नेटवर्क बेनकाब, दो एजेंट गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

800 रुपये प्रति सिम का खेल! 182 से ज्यादा सिम साइबर अपराधियों तक पहुंचाने का आरोप, मोबाइल व सिम

बोकारो। साइबर ठगी के नेटवर्क पर बोकारो पुलिस ने एक और बड़ा प्रहार किया है। साइबर अपराधियों तक अवैध तरीके से सिम पहुंचाने वाले दो पीओएस एजेंट पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। बरमसिया ओपी और चंदनकियारी थाना की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रदीप दास और मुकेश गोप को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दोनों एजेंटों ने जुलाई-अगस्त के दौरान 182 से अधिक सिम साइबर अपराधियों तक पहुंचाए थे।पुलिस जांच में सामने

आया कि प्रदीप दास ने 140 से अधिक, जबकि मुकेश गोप ने 42 सिम कथित तौर पर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए। पुलिस के मुताबिक, दोनों दूसरे लोगों के आधार कार्ड और फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल कर सिम एक्टिवेट करते थे और फिर पमित माहथा, राहुल कुमार तथा विवेक चौधरी को सौंप देते थे। हर सिम के बदले 800 रुपये मिलने की बात पूछताछ में सामने आई है। पुलिस का दावा है कि इन सिम का इस्तेमाल फर्जी बैंक खाते, फोन कॉल के जरिए ठगी और अन्य साइबर अपराधों में किया जाता था। ठगी की रकम में हिस्सेदारी मिलने की बात भी जांच में सामने आई है।गिरफ्तार प्रदीप दास बोरियाडीह दास टोला और मुकेश गोप गम्हरिया, चंदनकियारी का रहने वाला है। पुलिस ने इनके पास से सैमसंग गैलेक्सी ए17 5जी, रियलमी 12एक्स 5जी समेत एयरटेल और जियो के सिम जब्त किए हैं। साइबर थाना कांड संख्या 39/2026 में बीएनएस, आईटी एक्ट और टेलीकॉम एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। छापेमारी टीम में बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेन्द्र कुमार, चंदनकियारी थाना प्रभारी अमित कुमार राय समेत पुलिसकर्मी शामिल थे।

बीएसएल में बढ़ता असंतोष, कहीं औद्योगिक अशांति में न बदल जाए : कुमार अमित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। बीएसएल में कर्मचारियों से लेकर विस्थापितों और ठेका श्रमिकों तक के मुद्दों को लेकर भारतीय उद्योग मजदूर संघ के महामंत्री कुमार अमित ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन के मौजूदा रवैये से अलग-अलग वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है और यदि समय रहते संवाद नहीं हुआ तो यह स्थिति गंभीर औद्योगिक अशांति का रूप ले सकती है। अमित ने कहा कि सेक्टर-12 के क्षतिग्रस्त आवासों के नाम पर नियमित कर्मचारियों को जबरन गैर-पसंदीदा आवासों में भेजा जा रहा है। दूसरी ओर, बीएसएल में पूरी सेवा देने वाले सेवानिवृत्त

कर्मियों की आवास संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं होने से वे परिवार सहित आंदोलन के लिए मजबूर हैं। विस्थापित अप्रेंटिसों के आंदोलन और 39 माह के बकाया एरियर को लेकर भी उन्होंने प्रबंधन को घेरा।उन्होंने आरोप लगाया कि प्लॉटधारियों की दुकानों पर कार्रवाई से व्यापारी वर्ग में नाराजगी है, जबकि कर्मचारियों के छोटे निर्माण को नियमों का हवाला देकर हटाया जा रहा है। अधिकारियों और कर्मचारियों पर जबरन सेवानिवृत्ति का दबाव बनाए जाने का भी उन्होंने आरोप लगाया। ठेका श्रमिकों के मुद्दे पर अमित ने प्रबंधन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कुछ ठेका कर्मियों पर कार्रवाई हो रही है, जबकि विस्थापितों के सवाल पर सार्थक वार्ता नहीं हो रही। उनका आरोप है कि चुनिंदा मजदूर संगठनों के साथ बैठक कर प्रबंधन औपचारिकता पूरी कर रहा है।

विस्तारीकरण पर भी उठाया सवाल

कुमार अमित ने कहा कि बोकारो के हजारों लोगों ने प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेजकर लंबित विस्तारीकरण को फिर से बोकारो लाने की मांग की है। ऐसे में औद्योगिक असंतोष बढ़ना बोकारो के प्रस्तावित विस्तार के लिए चुनौती बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल कर्मचारियों का नहीं, बल्कि बोकारो के औद्योगिक भविष्य से जुड़ा है। अमित ने प्रबंधन से सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ संवाद का रास्ता खोलने और लंबित मुद्दों पर ठोस पहल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संबंध टकराव से नहीं, संवाद और विश्वास से मजबूत होते हैं

हजारीबाग और रामगढ़ जिले को जोड़ने वाली दामोदर नद पर गिद्दी, भुरकुंडा पुल के नए निर्माण का किया गया शिलान्यास

गिद्दी। हजारीबाग और रामगढ़ जिले को जोड़ने वाली दामोदर नद पर गिद्दी=भुरकुंडा पुल के नए निर्माण का बुधवार को शिलान्यास किया गया। तकरीबन 17.48 करोड़ रुपये की लागत से नये पुल का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर उपस्थित मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा शिलापट्ट का पर्दा हटा कर एवं नारियल तोड़ कर शिलान्यास किया गया।मौके पर मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो एवं बड़कागांव विधायक रौशनलाल चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप मौजूद थे। उक्त पुल का निर्माण कार्य सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (CCL) अरगड्डा क्षेत्र के उरफ मद से राशि उपलब्ध कराकर झारखंड राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के जरिए कराई जा रही है। शिलान्यास कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सीसीएल अधिकारियों और क्षेत्र के लोगों की मौजूदगी थी। शिलापट्ट पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के नाम शिलान्यासकर्ता के रूप में अंकित हैं। कार्यक्रम में मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो तथा बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी की उपस्थिति का उल्लेख भी किया गया है। गिद्दी-भुरकुंडा मार्ग पर दामोदर नदी के ऊपर वर्तमान पुल लंबे समय से बिल्कुल ही जर्जर स्थिति में है। इस कारण इस मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करने वाले लोगों और वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

डीवीसी मैथन डैम परियोजना में हिंदी पखवाड़ा-2026 का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का भव्य आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

मैथन। राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक एवं सहज प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दामोदर घाटी निगम, मैथन डैम परियोजना में 14 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक हिंदी पखवाड़ा-2026 का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान डीवीसी के विभिन्न स्तर के कार्मिकों तथा डीवीसी के अधीनस्थ विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

दिनांक 30 सितंबर 2026 को आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिका और विद्यार्थी उपस्थित रहे।इस अवसर

पर श्री आनंद मोहन प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (कोल समन्वय) ने कहा कि हिंदी केवल हमारी राजभाषा ही नहीं, बल्कि कार्यालयीन कार्यों को सरल, सहज और प्रभावी बनाने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। प्रवीर चाँद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल) ने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग किसी औपचारिकता तक सीमित न रहकर हमारे कार्य-संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। सरल और सहज हिंदी में कार्य करने से कार्यालयीन संप्रेषण अधिक प्रभावी एवं सुगम बनता है। शैलेश गुप्ता, वरिष्ठ महाप्रबंधक (टीएससी) ने कहा कि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच आवश्यक है। प्रतियोगिताओं एवं ऐसे आयोजनों से कार्मिकों में हिंदी के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ता है तथा राजभाषा के प्रयोग को नई गति मिलती है। समारोह में आनंद मोहन प्रसाद, मुख्य महाप्रबंधक (कोल समन्वय),प्रवीर चाँद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल), शैलेश गुप्ता, वरिष्ठ महाप्रबंधक (टीएससी), श्री सुखमय नायक, उप महाप्रबंधक (प्रशा./मा.सं.), नाग सुधा कुमारी,अनुपम मजूमदार, वरिष्ठ प्रबंधक (सतर्कता), सुजीत कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (आईटी), पिंकी, प्रबंधक (मा.सं.), उदय आर्या, रवि कुमार सिन्हा, कार्यपालक (राजभाषा), राम लखन यादव, संजय कुमार संगम, परवेज अख्तर, अल्तमस हयात खान, सौरभ सिन्हा, अमिता जैसवारा सहित डीवीसी के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में चंद्र प्रकाश, मो. अल्तमश हयात खान, अनिर्बान साहा, राम लखन यादव, गौतम कुमार पाल, अपूर्व साहा, बापी दत्ता, सौरभ सिन्हा, संजय कुमार संगम, परवेज अख्तर, उदित नारायण सिन्हा, फैयाज आलम, सुजीत कुमार, उदय आर्या, अर्धेंदु मालाकार, नंदा कुमारी, मौमिता मित्र, देबायन, विशाल कुमार दास, अमिता जैसवारा, स्नेहाशीष दास, पिंकी, विनोद कुमार सिन्हा,प्रमिला मिंज, अभिषेक कुमार, विश्व विजय नारायण सिंह, ओम प्रकाश, अरुण कुमार हजाम, विश्व मोहन कुमार, चंद्रशेखर राय, अरुण कुमार, सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन रवि कुमार सिन्हा, कार्यपालक (राजभाषा) द्वारा किया गया। समारोह के समापन अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक, सहज एवं प्रभावी प्रयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

एक नजर

बकाया वेतन व बोनस भुगतान को लेकर विद्युत मानव दिवस कर्मी संघ की श्रम विभाग से वार्ता

टुंडी (धनबाद)। झारखंड विद्युत मानव दिवस कर्मी संघ एवं सहायक श्रमायुक्त, धनबाद के बीच श्रम भवन, धनबाद में अहम वार्ता हुई। वार्ता में विद्युत मानव दिवस कर्मियों से जुड़ी विभिन्न लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। संघ ने श्रमिकों के बकाया वेतन, पेंशन की सुविधा तथा पिछले वर्ष संवेदक के साथ हुए करारनामे पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने पर नाराजगी जताई। वार्ता के दौरान संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि लंबे समय से श्रमिकों की विभिन्न मांगें लंबित हैं। इसके कारण बड़ी संख्या में विद्युत मानव दिवस कर्मियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने श्रम विभाग से मामले में गंभीरता दिखाते हुए संबंधित विभाग से शीघ्र वार्ता कर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। सहायक श्रमायुक्त ने संघ के प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए बताया कि श्रम विभाग की ओर से संबंधित विभाग को अंतिम पत्र भेजा जाएगा। इसके बाद भी यदि मामले का समाधान नहीं होता है, तो नियमानुसार विधिसम्मत कार्रवाई की जा सकती है। संघ ने स्पष्ट किया कि दुगार्पूजा से पहले सभी लंबित बकाया भुगतान के साथ बोनस का भुगतान नहीं किया गया, तो श्रमिक आंदोलन की राह पकड़ सकते हैं। संघ के अनुसार, ऐसी स्थिति में दुगार्पूजा से पहले हड़ताल की घोषणा भी की जा सकती है। हालांकि संघ ने कहा कि उनकी प्राथमिकता वार्ता के माध्यम से समस्याओं का समाधान कराना है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि श्रमिक लंबे समय से विभागीय स्तर पर समस्याओं के समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं। पर्व-त्योहार के समय यदि बकाया वेतन और बोनस का भुगतान नहीं होता है, तो श्रमिकों के सामने आर्थिक संकट और गहरा जाएगा। इसलिए संबंधित विभाग से तत्काल सकारात्मक पहल की अपेक्षा है। वार्ता में एरिया बोर्ड अध्यक्ष तौफीक कुरैशी, उप महामंत्री (प्रदेश) दिलीप रवानी, प्रदेश महामंत्री विक्रम भारद्वाज, संजय यादव, पप्पू कुमार, सह संगठन मंत्री बिहारी मंडल, वीरेन्द्र कुमार सहित संघ के दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

पश्चिमी पंचायत सचिवालय मे एसआईआर सत्यापन अभियान, 77 प्रतिशत कार्य पूरा

गोमिया। गोमिया प्रखंड की पश्चिमी पंचायत में बुधवार को एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के तहत छूटे हुए एवं मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों के सुधार को लेकर पंचायत सचिवालय में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नागरिकों के मामलों का सत्यापन करते हुए आवश्यक सुधार की प्रक्रिया पूरी की गई। एसआईआर सत्यापन कार्य में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सहयोग किया। इस दौरान पश्चिमी पंचायत की मुखिया शांति देवी, पंचायत समिति सदस्य परवीन कुमार यादव एवं बीएलओ खुशीर्दा बानो ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए नागरिकों के मामलों का सत्यापन एवं आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। मुखिया शांति देवी ने कहा कि एसआईआर के तहत किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में छूटना नहीं चाहिए। पंचायत स्तर पर लोगों को आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है, ताकि सभी योग्य मतदाताओं का सत्यापन समय पर पूरा हो सके। पंचायत समिति सदस्य परवीन कुमार यादव ने कहा कि एसआईआर कार्य को लेकर पंचायत क्षेत्र के लोगों में जागरूकता बढ़ी है। जो लोग किसी कारणवश सत्यापन प्रक्रिया से छूट गए हैं, उन्हें भी अभियान के दौरान आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, बीएलओ खुशीर्दा बानो ने बताया कि पंचायत में एसआईआर का करीब 77 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष लोगों का सत्यापन एवं त्रुटि सुधार कार्य भी निर्धारित अभियान के दिनों में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ सत्यापन कार्य में सहयोग करें, ताकि प्रक्रिया समय पर पूरी हो।

कोयले के काले कारोबार पर बड़ा प्रहार, 207 टन अवैध कोयला जब्त

बोकारो। बेरमो के वेदकारो माइंस इलाके में बुधवार को कोयले के अवैध कारोबार के खिलाफ सीआईएसएफ और सीसीएल ने बड़ी कार्रवाई की। चरकपनिया गांव के समीप छापेमारी में 207.17 टन अवैध रूप से भंडारित कोयला जब्त किया गया। मौके से 18 बाइक भी बरामद की गईं। संयुक्त कार्रवाई के बाद अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गया। सीआईएसएफ कमांडेंट आरपी सिंह के निर्देशन में सीसीएल के बीएंडके एरिया अंतर्गत वेदकारो माइंस के पास अभियान चलाया गया। गुप्त सूचना पर पहुंची टीम ने पहले ड्रोन से इलाके की निगरानी की। इसके बाद सीआईएसएफ के खोजी कुत्तों की मदद से संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान अवैध तरीके से जमा किया गया भारी मात्रा में कोयला बरामद हुआ। जब्त कोयले को नियमानुसार सीसीएल प्रबंधन के सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं अवैध भंडारण और परिवहन में इस्तेमाल वाहन, उपकरण अथवा अन्य सामग्री के संबंध में एमएमडीआर एक्ट, 1957 के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संयुक्त अभियान में सीआईएसएफ और सीसीएल के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ स्थानीय पुलिस भी शामिल रही। सीआईएसएफ ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन, खोजी कुत्तों, गश्ती दल और सूचना तंत्र के जरिए अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जगजीवन नगर के तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान चलाया गया

बोकारो। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जगजीवन नगर के तत्वावधान में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत अनु दीदी के नेतृत्व में मिडिल हाई स्कूल बीसीसीएल टाउनशिप करमाटांड बलियापुर एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमांटाड बलियापुर रोड में नशे से होने वाले नुकसानों पर प्रकाश डाला गया तथा मेडिटेशन करके सकारात्मक सोच विकसित करके अपने करियर और बहुमूल्य जीवन को सफल बनाने के बारे में जानकारी दी गई,सभी शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बच्चों ने नशा मुक्त भारत नशा मुक्त धनबाद नशा मुक्त समाज नशा मुक्त स्कूल नशा मुक्त करमाटांड बलियापुर का संकल्प लिया नशा मुक्ति सहभागिता प्रमाण पत्र सौंपा गया कार्यक्रम को सफल बनाने में रवि गुप्ता निम्मी माता जी मोनिका बहन सुशील भाई जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई मौके पर मौजूद मिडिल हाई बीसीसीएल टाउनशिप करमाटांड स्कूल के प्रधानाध्यापक दुर्गेश सहाय महानंद चौधरी उमेश कुमार सत्य प्रकाश जुली सिंह निशा राय एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमाटांड बलियापुर रोड के शिक्षक देवेंद्र किशोर कुमारी नीतू दयाल गोप संगीता चक्रवर्ती राजीव पांडे सहित अन्य बीके भाई बहन शिक्षकगण उपस्थित थे।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

विद्या बालन, आर. बाल्की के साथ फिर कर रही हैं वापसी, नई तमिल फिल्म की शूटिंग शुरू

विद्या बालन एक बार फिर फिल्ममेकर आर. बाल्की के साथ काम करने जा रही हैं। दोनों एक नई तमिल फिल्म के लिए साथ आए हैं और फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म पा के बाद यह विद्या बालन और आर. बाल्की की पहली तमिल फिल्म होगी।

अपने सोशल मीडिया के ज़रिये अपने दर्शकों से इसकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। चश्मा लगाए और लंबी चोटी में उनका लुक काफी सिंपल दिखाई दे रहा है।

तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, आर. बाल्की के साथ नई तमिल फिल्म, नई शुरुआत। इसके साथ दिल का इमोजी लगाकर उन्होंने अपनी बात खत्म की है लेकिन उनकी इस पोस्ट से साफ है कि उन्होंने अपनी नई तमिल फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि विद्या ने अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन इतना तय है कि आर. बाल्की के साथ उनका दोबारा काम करना जरूर खास है। इससे पहले दोनों ने पा में साथ काम किया था, जो 2009 में रिलीज हुई थी।

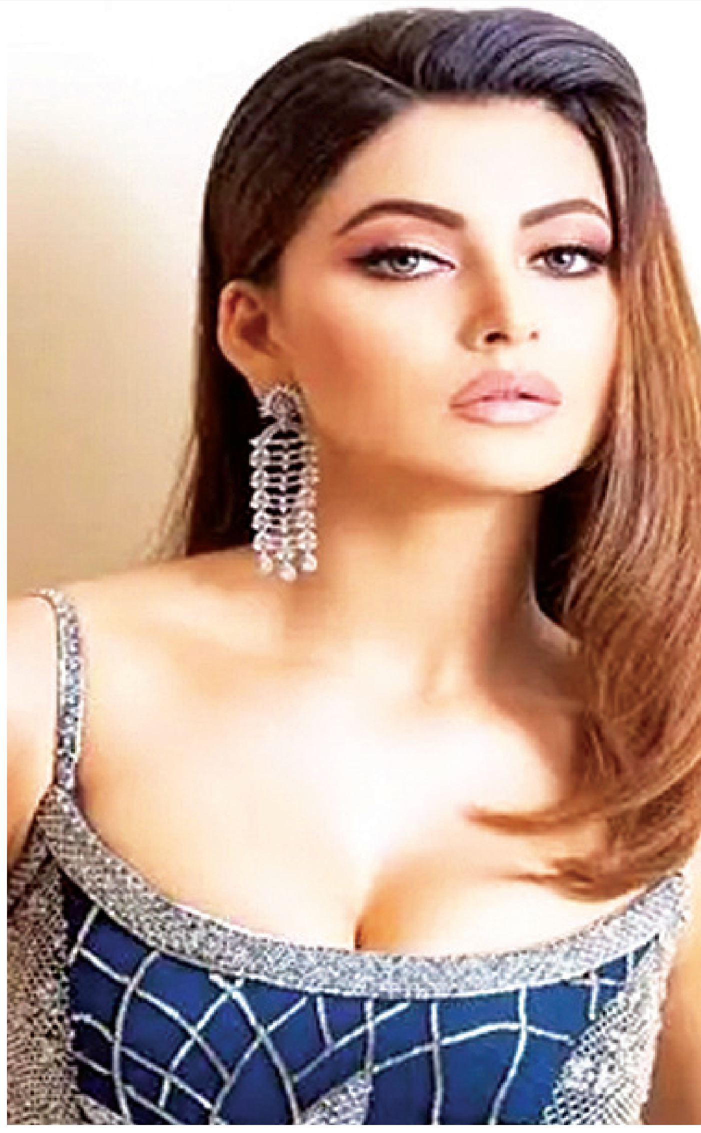

उर्वशी रौतेला की तस्वीरों और वीडियो के इस्तेमाल पर बवाल

टीम की 7,000 करोड़ रुपए हर्जाना मांगने की 'तैयारी'

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने जहां कंटेंट बनाने और एंटरटेनमेंट की दुनिया को काफी आसान बनाया है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल को लेकर लगातार सवाल भी उठ रहे हैं। खासकर सेलिब्रिटीज की तस्वीरों, वीडियो और आवाज को बिना अनुमति इस्तेमाल किए जाने के मामले अब चर्चा में आने लगे हैं। इसी कड़ी में एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की टीम ने लॉस एंजिल्स की एक एआई कंपनी पर उनकी पहचान और कंटेंट का कथित तौर पर बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

उर्वशी की टीम का कहना है कि कंपनी ने एक्ट्रेस के नाम, तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल किया और अब इस मामले में कानूनी रास्ता अपनाया जा रहा है। मामले में हर्जाने की रकम का आकलन फिलहाल 7,000 करोड़ किया जा रहा है। हालांकि, कंपनी का नाम सार्वजनिक बयान में नहीं बताया गया है।

उर्वशी की टीम ने आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में कहा, ''उनके बिजनेस ने कथित तौर पर उर्वशी के नाम, तस्वीरों और वीडियो का बिना अनुमति इस्तेमाल करके अरबों डॉलर की वैल्यू हासिल की है। हम उचित कानूनी तरीका अपना रहे हैं, जिसमें लॉस एंजिल्स स्थित कंपनी के खिलाफ 7,000 करोड़ रुपए के हर्जाने का आकलन भी शामिल है। अपनी एआई कंपनी बनाइए, अपना ब्रांड बनाइए, लेकिन जब तक आपके पास अनुमति न हो, अपने बिजनेस में उर्वशी के नाम का इस्तेमाल न करें।''

उर्वशी का यह मामला ऐसे वक्त में सामने आया है, जब फिल्म और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एआई से बने फेक वीडियो, आवाज की नकल और डीपफेक कंटेंट को लेकर चिंता बढ़ रही है। हाल ही में सलमान खान ने भी 'बिग बॉस 20 ' के एक एपिसोड में एआई के गलत इस्तेमाल पर बात की थी।

उन्होंने बताया कि एआई की मदद से लोगों की आवाज और वीडियो को इस तरह बदला जा सकता है कि ऐसा लगे जैसे उन्होंने वास्तव में कुछ कहा या किया है, जबकि वह असल में हुआ ही नहीं।

सलमान ने कहा था, ''किसी ने आपकी एआई वॉयस लेकर डब करके किसी को गाली बक दी। आप जानते हैं वे क्या कर रहे हैं? एआई वीडियो बना रहे हैं। बहुत सारे लोगों के। और मैं भी एआई वीडियो में हूं।''

उन्होंने एआई की तेजी से बढ़ती क्षमता को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि यह काफी गंभीर मामला है।

रवि किशन की अगली फिल्म में दिखेगा आस्था का अनोखा रंग, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर होगी कहानी

एक्टर और नेता रवि किशन ने भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी फिल्मों और वेब शोज तक, अपने काम से एक अलग पहचान बनाई है। अब रवि किशन एक ऐसी फिल्म में लीड रोल निभाने जा रहे हैं, जिसकी कहानी आस्था और इंसान के रिश्ते को एक अलग नजरिए से दिखाएगी। फिल्म में उनका किरदार भगवान को सिर्फ भक्त नहीं, बल्कि उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है। इस अनोखे रिश्ते के साथ कहानी में इमोशन, ह्यूमर और ड्रामा भी देखने को मिलेगा। महावीर जैन फिल्म्स की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली इस अनटाइटल्ड फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी पूरी तरह उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी।

बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में रवि किशन का एक ऐसा अंदाज देखने को मिलेगा, जो उनके अब तक के कई किरदारों से काफी अलग होगा। मेकर्स फिल्म को भक्ति ड्रामा की तरह बनाने के बजाय इसे मनोरंजक तरीके से दर्शकों के सामने लाने की तैयारी में हैं।

फिल्म में आस्था, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर कहानी होगी। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स पर आधारित है, जो भगवान को अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है और उनके साथ लगभग निजी रिश्ता महसूस करता है। कहानी इसी भावनात्मक जुड़ाव को केंद्र में रखकर आगे बढ़ेगी। फिल्म में यह दिखाने की कोशिश होगी कि किसी इंसान की आस्था सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका भगवान के साथ रिश्ता दोस्ती और भरोसे का भी हो सकता है।

इस कहानी को अमित आर्यन ने लिखा है और वही फिल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स प्रस्तुत कर रहा है। रवि किशन के लिए महावीर जैन के साथ यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इससे पहले दोनों कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'नागजिला' के लिए साथ आए थे। वहीं फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा, विनायक कुमार, कविन शाह और शिखा के. अहलूवालिया प्रोड्यूस करेंगे।

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही इमोशनल हुईं ईशा रिखी

फैंस से बोलीं-इमोशनल ब्रेकडाउन हुए

अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस -20' के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को अपने फैंस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई। ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने लिखा, 'बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन्स, अनुभव, चुनैतियों, हंसी, आंसुओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी।' अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मैं हर राय, मैसेज और इंसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी। मुझे पता है कि मैंने आप में से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है, तो मैं दिल से माफी मांगती हूं।

ईशा रिखी का कहना है कि बिग बॉस के कई सारे अनुभवों को एक सीख के तौर पर लिया है। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैं अभी भी सब कुछ समझने की कोशिश कर रही हूं, खुद को बेहतर समझ रही हूं और इस पूरे अनुभव को एक सीख के तौर पर ले रही हूं।एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वो ये है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया, तब भी जब मैं खुद ज्यादा कुछ कह नहीं पाई और मेरे लिए इसका मतलब शब्दों से कहीं ज्यादा है।मेरे साथ खड़े रहने के लिए, मुझे समझने के लिए और मुझे लगातार सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया। मैं दिल से आप सभी की आभारी हूं। '

बिग बॉस 20 में नॉमिनेट हुईं आम्रपाली-रीति, सपोर्ट में उतरीं अक्षरा सिंह बोलीं-वोट करो

'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में हुए नॉमिनेशन टास्क के दौरान रीति तिवारी और आम्रपाली दुबे नॉमिनेट हो गईं। इस मुश्किल की घड़ी में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह दोनों के सपोर्ट में आगे आई हैं। उन्होंने दोनों कंटेस्टेंट को बचाने के लिए फैंस से वोट देने की अपील की। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर आम्रपाली दुबे और मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी के सपोर्ट में एक खास पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पुरानी मित्र और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि बिग बॉस कंटेस्टेंट आम्रपाली दुबे अच्छा गेम खेल रही हैं और उन्हें बचाने के लिए सभी वोट दें। अक्षरा ने आम्रपाली के लिए लिखा, 'वो नॉमिनेशन में है और अब हमारी बारी है, उनके लिए प्यार जताने की। आम्रपाली अपना गेम अच्छा खेल रही हैं, अकेले डटी हुई हैं और अपनी अलग पहचान बना रही हैं। तो चलो गाइस, उन्हें वोट करके सपोर्ट जरूर करें। '

अभिनेत्री ने आम्रपाली पर गर्व जताते हुए लिखा, 'भोजपुरी इंडस्ट्री से किसी भी सितारे को बड़े प्लेटफॉर्म पर चमकते देखना हमेशा ही खास लगता है। चलो दिखा दें भोजपुरी ऑडियंस की ताकत और प्यार। हर एक वोट कीमती है, चलो उसे उनके लिए गिनवाते हैं। '

इसके साथ ही, अक्षरा सिंह मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी के सपोर्ट में भी उतरी हैं। उन्होंने जनता से रीति को भी सपोर्ट करने कि अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर रीति तिवारी की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'गलतियां सभी इंसान से होती हैं, वो गिरता है, सीखता है और फिर उठता है। बिग बॉस का सफर भी यही है, कभी बैलेंस बिगड़ना, फिर खुद को संभालना और हर अनुभव के साथ आगे बढ़ना। '

अभिनेत्री ने कहा कि रीति तिवारी अभी युवा है और उसे कई मौकों की जरूरत है। अक्षरा सिंह ने लिखा, 'रीति तिवारी को गेम के कुछ पलों से उसकी पूरी जर्नी को जज मत किया जाए। प्लीज उसे सपोर्ट करो, नॉमिनेशन से बचाओ और रीति तिवारी के लिए वोट करो। उस लड़की को सीखने, बढ़ने और चमकने दो। '

'कट' बोलते ही नॉर्मल हो जाती हूं, इमोशन को साथ नहीं रखती: परिणीति चोपड़ा

। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के प्रभावों को निजी जिंदगी पर हावी नहीं होने देती हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनके अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है। अभिनेत्री ने बताया, ''कट' शब्द सुनते ही मैं बिल्कुल नॉर्मल हो जाती हूं। सच कहूं, तो मैं एक सेकंड के लिए भी किसी इमोशन को अपने साथ लेकर नहीं चलती हूं। हालांकि, इस पर लोग मेरा मजाक भी बनाते हैं कि अभी तक मैं रो रही थी, चीख रही थी और जैसे ही 'कट' बोला गया, मैं नॉर्मल हो गई, हंसने लगी। कई बार ऐसा हुआ है कि लोग मुझे मेरी ही नकल करके दिखाते और पूछते हैं कि 'तुम ये कैसे कर लेती हो?' मुझे नहीं पता, क्योंकि मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती।' अभिनेत्री का कहना है कि वे एक्टिंग करने के दौरान अपने किरदार में इतनी लीन हो जाती हैं कि वह उसी तरह एक्ट करती हैं और जैसे ही कट होता है, वह नॉर्मल हो जाती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्टिंग के दौरान भले ही मैं कितना भी महसूस करूं, लेकिन मेरे आंसू असली होते हैं, इमोशन और फिजिकल मेहनत असली होती है और जैसे ही 'कट' बोला जाता है, मैं सोचती हूं 'ओह, कट हो गया। अब मेरा कोई काम नहीं है'। तो मैं सच में स्विच ऑफ हो जाती हूं। भगवान का शुक्र है कि ऐसा है, क्योंकि मैं बहुत थक जाती। आजकल मैं कई भारी-भरकम किरदार निभा रही हूं। अगर उन किरदारों का हैंगओवर मुझ पर रहता, तो मैं एक कलाकार के तौर पर और एक इंसान के तौर पर भी थक जाती और मैं यह एक काम सिर्फ इसलिए नहीं कर सकती क्योंकि मैं किसी फिल्म या शो में कोई रोल कर रही हूं। ' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उस इमोशन को अपने पूरे दिन नहीं रख सकती और सारा समय बर्बाद नहीं कर सकती। उस सेट के बाहर भी मेरी एक जिंदगी है और मुझे उसे भी जीना है। मैं ऐसा नहीं कह सकती कि आज मैंने एक इमोशनल सीन किया, तो मुझे बर्थडे

वीर पहाड़िया ने 'प्रेम कीटाणु' के दर्दभरे गीत 'तुझसे बिछड़ के' में दिखाया अपना इमोशनल अंदाज़

अपनी आगामी फिल्म 'प्रेम कीटाणु' में वीर पहाड़िया अब अपने किरदार का एक और भावनात्मक पहलू दर्शकों के सामने लाने के लिए तैयार हैं। फिल्म का नया हार्टब्रेक ट्रैक 'तुझसे बिछड़ के' रिलीज हो गया है, जिसमें जुदाई का दर्द, टूटे रिश्तों की कसक और भावनात्मक उथल-पुथल को खूबसूरती से दर्शाया गया है। वीर पहाड़िया और आफिया सैयद पर फिल्माए गए इस गीत में प्यार, तड़प और बिछड़ने के दर्द को दिखाया गया है। यह गाना दर्शकों को वीर के किरदार की इमोशनल जर्नी की झलक दे रहा है और कहानी में मौजूद रिश्तों की जटिलताओं को सामने ला रहा है। 'प्रेम कीटाणु' जहां युवा प्रेम, दोस्ती, रिश्तों और कॉलेज लाइफ की कहानी लेकर आ रही है, वहीं 'तुझसे बिछड़ के' फिल्म के इमोशनल पार्ट को और गहराई दे रहा है। इस गीत को मधुर शर्मा ने अपनी आवाज़ दी है, जबकि इसका संगीत राहुल मिश्रा ने तैयार किया है। गीत के बोल मीर ने लिखे हैं। फिल्म के ट्रेलर में भी इस गाने की झलक देखने को मिली थी और यह कहानी के इमोशनल हिस्से को मजबूती से उभार रहा है।

'फोर्स' के 15 साल पूरे होने पर इमोशनल हुए जॉन अब्राहम,

अभिनेता जॉन अब्राहम की एक्शन-ड्रामा फिल्म 'फोर्स' ने बुधवार को अपनी रिलीज के 15 साल पूरे किए। इस अवसर पर अभिनेता ने फिल्म के निर्देशक निशिकांत कामत को याद किया। इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से दोहराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्ममेकर निशिकांत कामत के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्ममेकर की वजह से ही उन्हें अच्छा अभिनय करने का मौका मिला। अभिनेता ने लिखा, 'फिल्म 'फोर्स' ने अपनी रिलीज के 15 साल पूरे कर लिए हैं। हमने एक ऐसी एक्शन फिल्म बनाने की कोशिश की थी, जिसमें इमोशन के साथ-साथ एक्शन भी दमदार था।' भिनेता का कहना है कि फिल्म 'फोर्स' निशिकांत कामत के बिना बनना नामुमकिन था। उन्होंने लिखा, 'फोर्स निशी (निशिकांत कामत) के बिना नहीं बन पाती। उन्होंने मुझे पुश किया, मुझ पर भरोसा किया और फिल्म को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। काश वो आज यहां होते और देखते कि ये सफर कहां तक पहुंचा है। मिस यू निशी। उम्मीद है आप मुझ पर गर्व महसूस कर रहे होंगे।' ल 2011 में रिलीज हुई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'फोर्स' में जॉन अब्राहम के साथ जेनेलिया डिसूजा और विद्युत जामवाल (विद्युत की पहली बॉलीवुड फिल्म) जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अन्य कलाकारों में मोहनीश बहल, राज बब्बर और मुकेश ऋषि ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म गौतम मेनन की 2003 में आई तमिल सुपरहिट फिल्म 'काखा काखा' की रीमेक थी। इसमें जॉन अब्राहम ने एसीपी यशवर्धन नाम के एक सख्त और निडर नारकोटिक्स अधिकारी की भूमिका निभाई थी, जो ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जाता है। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ यशवर्धन और माया (जेनेलिया डिसूजा) की रोमांटिक प्रेम कहानी भी दिखाई गई थी।

संपादकीय

बुजुर्ग समाज की शान, ज्ञान का करो मान

वृद्ध हमारे परिवार और समाज की गरिमा हैं। शान हैं। एक तरह से धरोहर हैं। समाज में वृद्धजनों की भूमिका केवल एक परिवार के बुजुर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक आधार भी हैं। उनका जीवन, अनुभव और ज्ञान समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण होता है। आज जब इस दौर में समाज में अलगाव और व्यस्तता बढ़ रही है, वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान के प्रति समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना तथा उनके स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। इस नेक काम की शुरूआत अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में पहली बार 1 अक्टूबर 1991 में हुई। हर वर्ष इसी दिन मनाने का निर्णय 14 दिसंबर 1990 को संयुक्त राष्ट्र महासभा लिया। हर साल 1 अक्टूबर को हम अपने करीब के चिकित्सालयों में ऐसा कुछ देखते हैं जो वास्तव में कैलेण्डर में नहीं होता है। 70-80 वर्ष की आयु के मरीज जो अभी भी अकेले आते हैं, अपनी दवाइयों का समय खुद तय करते हैं और लक्षणों को कम करके आंकते हैं क्योंकि वे किसी को परेशान नहीं करना चाहते। यह दिन स्वस्थ वृद्धावस्था वास्तव में कैसी होती है, इस पर चर्चा करने का अवसर है, न कि केवल इसे सरसरी तौर पर रस्म अदायगी कर मनाने का। बुजुर्गों की देखभाल के बारे में हम बातें तो बहुत करते हैं लेकिन अमल में नहीं लाते। बस इसी कथनी और करनी की खाई पाटने के लिए अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस की परिकल्पना की गई। निश्चित रूप से इस दिन को समारोह पूर्वक मनाने से समाज में काफी बदलाव आया है। लोग सजग हुए हैं खासकर वो युवा जो कल वृद्ध होंगे एक सकारात्मक सोच और अपना भविष्य देखने के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह एक अच्छा संकेत है।

आज का राशिफल

मेष- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है।

वृष- बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें।

मिथुन- कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क - नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह - कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कन्या-भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

तुला - योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी।

वृश्चिक- व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

धनु - लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

मकर- सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा।

कुंभ - मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

मीन- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा।

दैनिक पंचांग

1 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

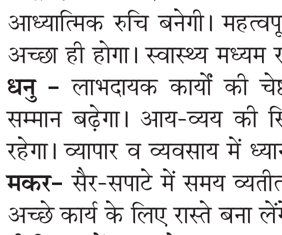

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य	कन्या में	तुला 07.07 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक 09.21 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु 11.37 बजे से
बुध	तुला में	मकर 13.43 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ 15.29 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन 17.02 बजे से
शनि	मीन में	मेष 18.32 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष 20.12 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन 22.11 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कर्क 00.24 बजे से
		सिंह 02.40 बजे से
		कन्या 04.52 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 274 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 12.36 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका 06.03 बजे तदनन्तर रोहिणी 04.27 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 21.18 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 12.36 बजे तदनन्तर गर 23.25 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 07' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872849 **जूलियन दिन** 2461314.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 19 **विशेष** रोहिणी व्रत, रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

वृद्धावस्था की चुनौती : बढ़ती उम्र, सिकुड़ती संवेदना

डॉ. मनीष कुमार चौधरी

वृद्ध होना जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है लेकिन वृद्धावस्था को सम्मान के साथ जी पाना आज एक सामाजिक चुनौती बनता जा रहा है। मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उसकी बढ़ती जीवन-प्रत्याशा है। चिकित्सा विज्ञान, पोषण, तकनीक और जीवन-स्तर में सुधार ने मनुष्य को अधिक लंबे समय तक जीने का अवसर दिया है। लेकिन एक विडंबना हमारे सामने है- हमने जीवन को लंबा तो कर दिया पर क्या हमने उस लंबे जीवन को सम्मान, सुरक्षा, आत्मीयता और अर्थ भी दिया है? दुनिया तेजी से वृद्ध हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार साल 2023 में दुनिया में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 1.1 अरब लोग थे। यह संख्या साल 2050 तक बढ़कर लगभग 2.1 अरब होने का अनुमान है। यानी आने वाले पच्चीस वर्षों में दुनिया में बुजुर्गों की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी। साल 2030 तक दुनिया का हर छहवां व्यक्ति 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा। साल 2050 तक दुनिया के लगभग 80 प्रतिशत बुजुर्ग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रह रहे होंगे। यह केवल जनसंख्या का आंकड़ा नहीं है। यह आने वाले समाज की संरचना में होने वाले एक बड़े बदलाव का संकेत है। दुनिया के सामने अब प्रश्न केवल यह नहीं है कि बढ़ती आबादी को रोजगार कैसे दिया जाए, बल्कि यह भी है कि बढ़ती वृद्ध आबादी को स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और जीवन की गरिमा कैसे दी जाए। भारत इस परिवर्तन के बीच एक विशेष स्थिति में खड़ा है। आज भारत को दुनिया के युवा देशों में गिना जाता है लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के अनुसार भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी साल 2021 में लगभग 10.1 प्रतिशत थी, जो 2050 तक बढ़कर करीब 20 प्रतिशत हो सकती है। यूएनएफपीए के एक हालिया आकलन के अनुसार साल 2050 तक भारत में लगभग 34.6 करोड़ लोग 60 वर्ष से अधिक आयु के हो सकते हैं। इसका अर्थ है कि जिस भारत की आज चर्चा युवा आबादी और जनसांख्यिकीय लाभांश के कारण होती है, उसे उसी समय अपनी वृद्ध होती आबादी के भविष्य की भी तैयारी करनी होगी।

वृद्धावस्था केवल उम्र नहीं, एक सामाजिक स्थिति

हमने वृद्धावस्था को लंबे समय तक मुख्यतः शारीरिक कमजोरी और बीमारी से जोड़कर देखा है। यह दृष्टि अधूरी है। वृद्धावस्था का संबंध व्यक्ति की सामाजिक भूमिका, आर्थिक स्वतंत्रता, पारिवारिक संबंधों, मानसिक स्वास्थ्य और आत्मसम्मान से भी है। किसी व्यक्ति की उम्र बढ़ जाने का अर्थ यह नहीं कि उसका सामाजिक महत्व समाप्त हो गया। उसके पास जीवन का वह अनुभव होता है, जिसे कोई पुस्तक, कोई तकनीक और कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। उसने परिवार बनाए हैं, संस्थाएं खड़ी की हैं, समाज को अपना श्रम दिया है और अगली पीढ़ियों के लिए रास्ते बनाए हैं। फिर ऐसा क्यों है कि जब वही व्यक्ति वृद्ध होता है तो कई बार उसकी उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगने लगता है? ह्यउन्होंने तो अपना जीवन जी लियाह्न, ह्यअब बच्चों को अवसर मिलना चाहिएह्न या ह्यअब इनसे क्या कामह्न जैसी धारणाएं केवल सामान्य बातचीत का हिस्सा नहीं हैं। इनके पीछे एक ऐसी उपयोगितावादी मानसिकता है जिसमें मनुष्य का मूल्य उसकी आर्थिक उत्पादकता से तय होने लगता है। यदि किसी व्यक्ति का मूल्य केवल उसकी कार्यक्षमता से निर्धारित होगा तो बीमारी, विकलांगता और वृद्धावस्था अपने आप समाज के हाशिये पर चली जाएंगी। मनुष्य की गरिमा उसकी उत्पादकता से बड़ी है।

अकेलापन: वृद्धावस्था की अदृश्य बीमारी

वृद्धावस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में अकेलापन तेजी से सामने आ रहा है। संयुक्त परिवारों के कमजोर होने, बच्चों के रोजगार के लिए दूसरे शहरों या देशों में चले जाने और जीवन की बढ़ती व्यस्तता ने बुजुर्गों की सामाजिक दुनिया को छोटा किया है। एक घर में चार लोग रहते हैं लेकिन चारों की दुनिया अलग-अलग है। बुजुर्ग व्यक्ति के पास समय है, जबकि परिवार के बाकी सदस्यों के पास समय का अभाव। यही विरोधाभास कई बार एक ही छत के नीचे रहते हुए भी भावनात्मक दूरी पैदा करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अकेलापन और सामाजिक अलगाव वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के महत्वपूर्ण जोखिम कारक हैं। डब्ल्यूएचओ के 2026 के आंकड़ों के अनुसार लगभग हर छह में से एक बुजुर्ग व्यक्ति दुर्व्यवहार का अनुभव करता है और 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के लगभग 15 प्रतिशत वयस्क किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या के साथ जीवन जीते हैं। इसलिए वृद्धावस्था की देखभाल केवल दवा देने तक सीमित नहीं हो सकती। बुजुर्गों को बातचीत चाहिए, सामाजिक सहभागिता चाहिए, निर्णयों में भूमिका चाहिए और सबसे बढ़कर यह विश्वास चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आर्थिक असुरक्षा का दूसरा चेहरा भी कम चिन्ताजनक नहीं हैक वृद्धावस्था तब और कठिन हो जाती है जब उसके साथ आर्थिक निर्भरता जुड़ जाती है। हर बुजुर्ग पेंशनभोगी नहीं है। हर व्यक्ति के पास बचत या संपत्ति नहीं है। भारत में बड़ी संख्या ऐसे वृद्धों की है जिनका जीवन परिवार की आय पर निर्भर है। यूएनएफपीए की भारत एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत के 40 प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग सबसे गरीब आर्थिक वर्ग में आते हैं और लगभग 18.7 प्रतिशत बुजुर्गों के पास कोई आय नहीं है। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया है कि आर्थिक असुरक्षा का सीधा असर स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ता है। यहां वृद्धावस्था और गरीबी एक-दूसरे को और कठिन बना देते हैं। दवा महंगी है तो भोजन में कटौती होती है। अस्पताल जाना है तो परिवहन की समस्या सामने आती है। पेंशन नहीं है तो छोटी से छोटी जरूरत के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है। वृद्धावस्था में आर्थिक स्वतंत्रता केवल सुविधा नहीं, आत्मसम्मान का भी आधार है।

वृद्ध महिलाओं की चुनौती और भी कठिन

वृद्धावस्था का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पक्ष वृद्ध महिलाओं की स्थिति है। महिलाओं की जीवन प्रत्याशा सामान्यतः पुरुषों से अधिक होती है। इसका अर्थ यह भी है कि वे अधिक वर्षों तक वृद्धावस्था में जीवन जी सकती हैं लेकिन कई बार विधवापन, संपत्ति पर सीमित अधिकार और आर्थिक निर्भरता के साथ। यूएनएफपीए की भारत संबंधी रिपोर्टों में वृद्ध महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा को विशेष चिंता के रूप में रेखांकित किया गया है। 80 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के बढ़ने के साथ अत्यधिक वृद्ध, विधवा और अधिक निर्भर महिलाओं की संख्या भी बढ़ने की संभावना है। इसलिए वृद्धावस्था की नीति को केवल ह्यबुजुर्गोंह्न की एक समान श्रेणी मानकर नहीं बनाया जा सकता। वृद्ध पुरुष और वृद्ध महिला की सामाजिक परिस्थितियां कई मामलों में अलग होती हैं।

बुजुर्गों के लिए शहर में सुविधा, गांव में संबंध

महानगरों में रहने वाले बुजुर्गों की समस्या का एक चेहरा है- सुविधाओं के बीच अकेलापन। बेहतर अस्पताल, निजी स्वास्थ्य सेवाएं, परिवहन और मनोरंजन के साधन उपलब्ध हो सकते हैं लेकिन परिवार और समुदाय का समय कम हो सकता है। इसके विपरीत ग्रामीण जीवन में आज भी कई जगह सामाजिक संबंध अधिक मजबूत दिखाई देते हैं। लेकिन वहां स्वास्थ्य सुविधाओं, परिवहन, पेंशन और नियमित देखभाल की समस्याएं अधिक गंभीर हो सकती हैं। युवाओं के रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन ने ग्रामीण बुजुर्गों की एक नई पीढ़ी को अकेलेपन की ओर धकेला है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं कि गांव में वृद्धावस्था आसान है और शहर में कठिन। दोनों जगह चुनौतियों का स्वरूप अलग है। एक और नई चुनौती डिजिटल विभाजन है। बैंकिंग से लेकर टिकट, अस्पताल की बुकिंग, सरकारी सेवाओं और संचार तक जीवन तेजी से डिजिटल हो रहा है। युवा इसे सुविधा के रूप में देखते हैं लेकिन अनेक बुजुर्गों के लिए यह एक नई दीवार बन जाता है। जिस व्यक्ति ने अपने जीवन में कागज, डाक, बैंक की पासबुक और आमने-सामने संवाद के माध्यम से काम किया हो, उसके सामने अचानक ऐप, पासवर्ड, ओटीपी और ऑनलाइन सत्यापन की दुनिया खड़ी हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि डिजिटल साक्षरता केवल तकनीक सीखना नहीं है। यह वृद्ध व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए रखने का माध्यम भी है।

क्या परिवार ही पर्याप्त है?

भारतीय समाज में अक्सर कहा जाता है कि बुजुर्गों की देखभाल परिवार की जिम्मेदारी है। यह बात सही है लेकिन केवल परिवार पर पूरी जिम्मेदारी डाल देना पर्याप्त नहीं होगा। बदलती अर्थव्यवस्था, छोटे परिवार, प्रवासन और रोजगार की प्रकृति ने परिवार की क्षमता को भी बदला है। इसलिए राज्य, समाज, परिवार और बाजार- सभी को मिलकर वृद्धावस्था की नई संरचना तैयार करनी होगी। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक यानी वृद्ध चिकित्सा को मजबूत करना होगा। पेंशन और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना होगा। सार्वजनिक परिवहन और शहरों को वृद्ध-अनुकूल बनाना होगा। अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिए सामुदायिक सहायता तंत्र विकसित करना होगा। साथ ही वृद्धों के लिए डे-केयर, सामुदायिक केंद्र और घर पर देखभाल जैसी व्यवस्थाओं को बढ़ाना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी वृद्धावस्था को केवल चिकित्सा का विषय न मानकर स्वास्थ्य, सामाजिक देखभाल, परिवहन, आवास और शहरी नियोजन सहित व्यापक सामाजिक व्यवस्था से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देता है।

वृद्धों को देखभाल नहीं, सहभागिता भी चाहिए

हमारे दृष्टिकोण में बुनियादी बदलाव जरूरी है। बुजुर्गों को केवल 'देखभाल पाने वाले' व्यक्ति के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। वे समाज के सक्रिय सदस्य हैं। बुजुर्गों के अनुभव को स्कूलों, समुदायों, स्थानीय संस्थाओं और परिवारों के साथ जोड़ा जा सकता है। दादा-दादी और नाना-नानी की कहानियां केवल मनोरंजन नहीं, पीढ़ियों के बीच संवाद का माध्यम हैं। सेवानिवृत्ति का अर्थ सामाजिक जीवन से सेवानिवृत्ति नहीं होना चाहिए। जिस व्यक्ति ने चालीस वर्ष काम किया है, उसके पास सेवानिवृत्ति के बाद भी अनुभव है। समाज को उस अनुभव के लिए नए अवसर पैदा करने चाहिए।

भारत के सामने चुनौती

भारत के लिए यह चुनौती और बड़ी है क्योंकि वृद्ध आबादी तेजी से बढ़ने वाली है। UNFPA के अनुसार साल 2050 तक भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या लगभग 34.6 करोड़ तक पहुंच सकती है। 80 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी में 2022 से 2050 के बीच लगभग 279 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान भी सामने आया है। यह आंकड़ा हमें चेतावनी देता है कि वृद्धावस्था भविष्य की समस्या नहीं है। वह हमारे वर्तमान में प्रवेश कर चुकी है। आज जो युवा अपने माता-पिता की वृद्धावस्था की चिंता नहीं करता, उसे यह भी समझना होगा कि वह स्वयं भी उसी जीवन-चक्र का हिस्सा है। वृद्धावस्था किसी दूसरे व्यक्ति की समस्या नहीं है। वह हमारे अपने भविष्य का नाम है। इसलिए वृद्धों के लिए बनाई गई व्यवस्था वास्तव में हमारे अपने भविष्य की व्यवस्था है। वृद्धावस्था जीवन का अंत नहीं है। यह जीवन की लंबी यात्रा का वह पड़ाव है, जहाँ व्यक्ति को सबसे अधिक सम्मान, सबसे अधिक आत्मीयता और सबसे अधिक सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता हो सकती है। समाज की सभ्यता का मूल्यांकन उसकी तकनीकी उपलब्धियों, ऊंची इमारतों और आर्थिक विकास से जितना होता है, उतना ही इस बात से भी होता है कि वह अपने बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। हमें यह तय करना होगा कि हम ऐसा समाज बनाना चाहते हैं जिसमें उम्र बढ़ना बोझ समझा जाए या ऐसा समाज जिसमें बढ़ती उम्र अनुभव और गरिमा का उत्सव बने। वृद्धों की दुनिया को सुरक्षित करना दरअसल अपने भविष्य को सुरक्षित करना है। वृद्धावस्था जीवन का अंत नहीं है। यह जीवन की लंबी यात्रा का वह पड़ाव है, जहाँ व्यक्ति को सबसे अधिक सम्मान, सबसे अधिक आत्मीयता और सबसे अधिक सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता हो सकती है। समाज की सभ्यता का मूल्यांकन उसकी तकनीकी उपलब्धियों, ऊंची इमारतों और आर्थिक विकास से जितना होता है, उतना ही इस बात से भी होता है कि वह अपने बच्चों, महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। हमें यह तय करना होगा कि हम ऐसा समाज बनाना चाहते हैं जिसमें उम्र बढ़ना बोझ समझा जाए या ऐसा समाज जिसमें बढ़ती उम्र अनुभव और गरिमा का उत्सव बने। वृद्धों की दुनिया को सुरक्षित करना दरअसल अपने भविष्य को सुरक्षित करना है। क्योंकि आज का युवा कल का बुजुर्ग है। जिस समाज में वृद्धावस्था सम्मानित होती है, उस समाज में मनुष्य का पूरा जीवन सम्मानित होता है। यही किसी सभ्य और संवेदनशील समाज की असली पहचान है।

(लेखक के निजी विचार)

गांधी-प्रश्न : हम कहां खड़े हैं ?

गिरीश्वर मिश्र

महात्मा गांधी का स्मरण एक कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा राष्ट्रपिता को सम्मान देने मात्र की बात ही नहीं बल्कि आज के बर्बर होते समय की खास मानवीय जरूरत है। चीजों की अनुपस्थिति या अभाव भी उस चीज के ज्ञान का कारण बनता है। आज के दौर में जब धैर्य, सत्य, अहिंसा, करुणा, भाई-चारा, सहयोग, पारस्परिकता और विश्वास जैसे शब्द दैनिक जीवन में प्रयोग के हिसाब से बाहर होते जा रहे हैं तो उनकी जरूरत भी शिद्दत से महसूस हो रही है। ऐसे क्षणों में गांधी प्रासंगिक हो उठते हैं । उनका जीवन मानवीय चेतना के रूपांतरण की एक असाधारण कोशिश के रूप में सभ्य जगत के आधुनिक इतिहास में दर्ज मिसाल बन गया है। भारत के सच्चे प्रतिनिधि के रूप उनका कर्मठ जीवन और चिंतन आज भी प्रेरित करता है। दक्षिण अफ्रीका में हुए सत्य के उन्मेष और आत्म-साक्षात्कार के साथ गांधी जी के जीवन में सात्विक किस्म के संघर्ष की नींव पड़ी। इस संघर्ष का आधार था अपने देश-काल की चेतना की ओर एक प्रश्नाकुल दृष्टि से देख पाना । गांधी जी खुद से, अपने समाज से, औपनिवेशिक अंग्रेज सरकार से और प्रभुरूपी बैठी अंग्रेजी सभ्यता से लगातार प्रश्न पूछते रहे। वे सब कुछ जांचते-बूझते रहे और अपने लोकधर्मी विवेक से उठ रहे सवालों के जबाव तलाशने में लगे रहे, पर वे यहीं नहीं रुके।अपने वैचारिक मंथन से उपजे निष्कर्षों को व्यवहार और आचरण में उतारने की उनकी जिद थी। यह उनकी फितरत या आदत हो गई थी जिसे वे ह्यप्रयोगह्न कहते थे । अपने निजी जीवन में खान-पान, स्वास्थ्य और सैर-सपाटे आदि को लेकर भी वे प्रयोगशील बने रहे । उनके जीवन में प्रश्न उठाना और उनसे टकराने का सिलसिला लगातार चलता रहा। यह तत्कालीन नस्लवाद और साम्राज्यवाद से प्रश्न और टकराव ही था जिसने सुदूर दक्षिण अफ्रीका में आठ साल लंबे सत्याग्रह का रूप लिया। यह अपने किस्म की शायद विश्व का पहली अहिंसात्मक प्रतिरोध वाली लड़ाई रही होगी। अन्याय के प्रतिकार की इस नई लड़ाई में उन्होंने जन-चेतना जगाने के लिए कई तरह की पहल की। उन्होंने बहुभाषी अखबार निकाला और संवाद की राह बनाई। सामाजिक चेतना जगाने के कई कार्य किए । उनका ह्यहिन्द स्वराजह्न इस तरह की प्रखर टकराहट का दस्तावेज बन गया। यह उनका हृदय-संवाद था । इस पुस्तक में उन्होंने अपनी मातृभाषा में विचार व्यक्त किए। बेहद सीधी और सरल गुजराती में गांधी जी ने यह स्पष्ट किया कि एक समुदाय के रूप में हम कहां खड़े हैं ? हम क्या देख रहे हैं ? और हमें क्या कुछ नहीं दिख रहा है ? वह हमारी दृष्टि के धुंधलके को साफ कर रहे थे क्योंकि दृष्टि तो स्पष्ट होनी ही चाहिए। यह अकारण नहीं है कि ह्यहिन्द स्वराजह्न का गठन प्रश्नों और उनके उत्तर के रूप में रचा गया है । इसे कृष्ण और अर्जुन के संवाद की तरह संवाद-शृंखला भी कहा जा सकता है ।स्मरणीय है कि तब दुनिया में पश्चिम की सभ्यता का निष्कंटक वर्चस्व स्थापित था। गांधी जी ने निर्भयता के साथ उसकी परीक्षा सर्वजनी मानवीय धरातल पर की और बड़े कड़े शब्दों उसकी सीमाओं को बड़े स्पष्टता से उजागर किया । उनके अपने अवलोकन में आधारभूत जरूरतों और आत्मिक विकास की दृष्टि से पश्चिमी सभ्यता केवल अधूरी ही नहीं थी, वह जीवन और जगत की विरोधी भी दिखी । दक्षिण अफ्रीका के लंबे प्रवास से भारत लौटने के बाद गांधी जी ने सक्रिय राजनीति में भाग लिया और शेष कथा से हम सब परिचित हैं। उनकी चिंता में समग्र भारत रहता था। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास का प्रश्न उठाया और अपने सोच-विचार के आधार पर भविष्य का एक नक्शा बनाया। इस सोच में ह्यग्राम स्वराजह्न तथा ह्यचरखाह्न और ह्यखादीह्न द्वारा जन भागीदारी के साथ आर्थिक बदलाव लाने पर बल दिया गया। वह प्रश्न उठाते हैं कि सामर्थ्य का लोकतंत्रीकरण कैसे हो ? इसके लिए वे एक विकेंद्रीकरण की ओर उन्मुख व्यवस्था का उद्घोष कर रहे थे। इसी तरह ह्यबुनियादी तालीमह्न भी समग्र-शिक्षा के प्रश्न का उत्तर था। वह ऐसी शिक्षा चाहते थे जो मन, बुद्धि, शरीर और आत्मा सबका भलीभांति ख्याल रख सके। कहा जा सकता है कि गांधी जी की ह्यरचनात्मक-कार्यक्रमह्न की अवधारणा देश की सारी जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर उसके बहुमुखी कल्याण के प्रश्न का उत्तर थी। उपर्युक्त सभी नवाचारों में गांधी जी देश में स्थित हो कर देश को देश की नजर से देखने की कोशिश कर रहे थे । वे अग्रगामी चिंतक थे। जीवन के अंतिम क्षणों में भी वे देश के भविष्य के प्रश्न से उलझते रहे। अपने देहावसान के चार घंटे पहले जो अंतिम वसीयत उन्होंने लिखाई उसमें कांग्रेस को भंग कर ह्यलोक सेवक संघह्न बनाने को कहा । वह राजनैतिक लड़ाई जिसमें अंग्रेजों को उनके राज से बेदखल कर भारत से बाहर करने का उद्देश्य था स्वराज की लड़ाई का सिर्फ एक अंश था । सामाजिक, नैतिक और आर्थिक मोर्चों पर लड़ाई बाकी थी और स्वतंत्रता को हथियार बना कर वह उसे लड़ाई को जारी रखना चाहते थे। गांधी जी ने भारत के लिए ह्यस्वराजह्न का स्वप्न देखा जिसमें देश में स्वत्व की प्रतिष्ठा थी। वह देश में सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आत्मिक स्वायत्तता को भी मौजूद देखना चाहते थे । गांधी जी का सारे संघर्ष और प्रयास प्रश्नों के ताने-बाने के साथ गुंथे गए थे। गांधी जी के आगे के सामाजिक जीवन का एजेंडा ह्यहिन्द स्वराजह्न या भारतीय स्व शासन की मूल अवधारणा के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा। तीस साल बाद जब उन्नीस सौ अड़तीस में हिन्द स्वराज का नया संस्करण आने को था तो पूछे जाने पर उन्होंने यही कहा कि इसमें किसी तरह के खास बदलाव की जरूरत नहीं है। महात्मा जी को इस बात का सदा अहसास रहता था कि वह कहां खड़े हैं और इस देश काल का परिदृश्य बड़ा व्यापक था। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में जीवन जीते हुए उन्होंने मानव-सत्य के अच्छे बुरे विविध रूपों का गहनता से साक्षात्कार किया था । ह्यसत्यह्न और ह्यअहिंसाह्न के यथार्थ और उनमें निहित शक्ति को भारत के मौलिक चिंतन के अध्ययन से स्वयं उपार्जित किया था। वे बाइबिल और कुरान से परिचित थे पर गीता, उपनिषद, रामायण और लोक-जीवन उनके प्रमुख विचार-श्रोत बने रहे । वस्तुतः विचारों की विविधता को वह स्वाभाविक मानवीय परिघटना के रूप में ग्रहण करते थे और अपने आश्रम में पंद्रह धर्मों की प्रार्थनाओं का अध्ययन, पाठ और स्मरण का अभ्यास चलाया था।

(लेखक के निजी विचार)

कोडरमा में अलग-अलग सड़क हादसे, बाइक सवार घायल; ब्रेक फेल ट्रक बाल-बाल बचा

गुमो में अज्ञात ट्रक ने सिक्योरिटी गार्ड को मारी टक्कर, घाटी में स्पंज लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। जिले में रांची-पटना मुख्य मार्ग पर बुधवार को सड़क हादसों की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। तिलैया थाना क्षेत्र के गुमो में अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, कोडरमा घाटी के बंदरचुआं के समीप ब्रेक फेल होने से स्पंज लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि इस हादसे में चालक और उपचालक सुरक्षित बच गए।

गुमो में बाइक सवार को ट्रक ने मारी टक्कर

तिलैया थाना क्षेत्र के गौरीशंकर मंदिर के समीप मंगलवार देर रात तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार जयनगर निवासी मथुरा भारती को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची तिलैया थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए ट्रक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

कोडरमा घाटी में ब्रेक फेल से ट्रक दुर्घटनाग्रस्त

दूसरी घटना बुधवार सुबह कोडरमा घाटी के बंदरचुआं के समीप हुई। रामगढ़ से स्पंज लोड कर पटना जा रहे ट्रक का ढलान पर अचानक ब्रेक फेल हो गया। चालक अखिलेश कुमार के अनुसार एयर पाइप फटने के कारण ब्रेक ने काम करना बंद कर दिया। स्थिति को भांपते हुए चालक ने अपने साथी कृष को सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा और ट्रक को नियंत्रित करते हुए सड़क किनारे खाली जगह की ओर मोड़ दिया। इससे बड़ा हादसा टल गया और चालक व उपचालक दोनों सुरक्षित बच गए। घटना की सूचना पर घाटी में तैनात पेट्रोलिंग पुलिस एवं रोड सेफ्टी टीम के सागर कुमार गिरी मौके पर पहुंचे। टीम ने दोनों का हालचाल लिया और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सुरक्षित तरीके से घाटी से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की।

जिला स्तरीय खेलो झारखंड में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा, विजेता टीमों को मिला सम्मान

गुमला। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी खेल एवं युवा प्रतिभा प्रोत्साहन योजना के तहत आयोजित जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2026 का दो दिवसीय आयोजन 28 एवं 29 सितंबर को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के तहत अंडर-17 आयुवर्ग में बालक एवं बालिका वर्ग की विभिन्न खेल विधाओं में खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से प्रखंड स्तर पर चयनित एवं विजेता खिलाड़ियों तथा टीमों ने हिस्सा लिया। दो दिनों तक विभिन्न खेल मैदानों में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। एथलेटिक्स के अलावा खो-खो, कबड्डी, वॉलीबाल, हॉकी और फुटबॉल सहित विभिन्न खेल विधाओं में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी खेल विधाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कई मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। टीम खेलों में खिलाड़ियों की आपसी समझ, अनुशासन, खेल भावना और रणनीतिक कौशल विशेष रूप से देखने को मिला। वहीं एथलेटिक्स की विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता और मेहनत का परिचय दिया।

हनुमान अंश के विशेष प्रदर्शन में उमड़ा अग्रवाल समाज

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

फिल्म के जरिए युवाओं को संस्कार, सेवा और सद्भावना का संदेश

झुमरीतिलैया। उजाला कॉम्प्लेक्स स्थित आईलेक्स मल्टीप्लेक्स में संत नीम करौरी बाबा के जीवन एवं आध्यात्मिक विचारों से प्रेरित फिल्म हनुमान अंश का विशेष प्रदर्शन किया गया। फिल्म देखने के लिए अग्रवाल समाज के बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ पहुंचे। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा गया। फिल्म प्रदर्शन से पहले श्रद्धालुओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद आरती कर भगवान हनुमान के जयकारों के बीच फिल्म का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक मुकेश भालोटिया ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल फिल्म दिखाना नहीं, बल्कि युवाओं को भारतीय संस्कृति, संस्कार और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना है। परियोजना निर्देशक अरविंद चौधरी ने कहा कि फिल्म के माध्यम से युवाओं को माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान, जरूरतमंदों की सहायता और समाज व राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देने का प्रयास किया गया है। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, सचिव संजीव खेतान, जयंती संयोजक मनोज पिलानिया, अंकित चौधरी, सारिका लड्ढा और नेहा हिसारिया ने कहा कि फिल्म भारतीय संस्कृति, भक्ति और सेवा भावना से जुड़ा प्रेरणादायी संदेश देती है।

कार्यक्रम के दौरान मल्टीप्लेक्स का माहौल आध्यात्मिक और पारिवारिक रहा। समापन पर श्रद्धालुओं के बीच हनुमान चालीसा की पुस्तिकाएं एवं प्रसाद वितरित किया गया। उपस्थित लोगों ने भगवान हनुमान के जयकारे लगाए और सेवा, संस्कार एवं सद्भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

फैशन डिजाइनिंग में करियर के विविध अवसरों से रूबरू हुए विद्यार्थी

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

पूर्व छात्रा अंकिता कुमारी ने प्रवेश परीक्षाओं और रोजगार की संभावनाओं पर दी जानकारी

कोडरमा। ग्रिजली विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए फैशन डिजाइनिंग में करियर की संभावनाएं विषय पर करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। संसाधन व्यक्ति के रूप में विद्यालय की पूर्व छात्रा एवं फैशन व लाइफस्टाइल एक्सेसरी डिजाइन की स्नातक अंकिता कुमारी ने विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। अंकिता ने बताया कि फैशन डिजाइनिंग केवल परिधान निर्माण तक सीमित नहीं है। फैशन डिजाइन, टेक्सटाइल डिजाइन, फैशन कम्युनिकेशन, स्टाइलिंग, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, ब्रांडिंग, फैशन टेक्नोलॉजी और फैशन मैनेजमेंट सहित कई क्षेत्रों में अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने स्केचिंग, पैटर्न मेकिंग, ड्रेपिंग, डिजिटल डिजाइन और रंग एवं वस्त्रों की समझ के महत्व पर भी प्रकाश डाला। सत्र में विद्यार्थियों को एनआईएफटी की प्रवेश परीक्षा, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की डिजाइन योग्यता परीक्षा, सीयूईटी सहित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं की जानकारी दी गई। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नियमित स्केचिंग, मानव आकृतियों, दैनिक जीवन के दृश्यों और परिप्रेक्ष्य चित्रण का अभ्यास करने की सलाह दी गई। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप करियर विकल्पों की जानकारी मिलना जरूरी है। इस दौरान आयुष, खुशी, अंकिता और सावन सहित कई विद्यार्थियों ने फैशन डिजाइनिंग से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम का आयोजन स्टूडेंट्स सर्विस सेल के समन्वयक सुधांशु कुमार के मार्गदर्शन में हुआ, जबकि संचालन आलोक कुमार ने किया।

जंगली सूअर का शिकार कर उसके मांस को बेचने वाले तीन व्यक्ति गिरफ्तार-भेजे गए जेल

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत स्थित बनारी ग्राम वन क्षेत्र में जंगली सूअर का शिकार धडल्ले से जारी है, इसी क्रम में जंगली सूअर के मांस की बिक्री करने का एक मामला प्रकाश में आया है, प्राप्त सूचना अनुसार बनारी ग्राम क्षेत्र के वन विभाग को एक गुप्त सूचना मिली की बाजार में जंगली सूअर का मांस बेचा जा रहा है, उक्त सूचना पर वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने आए हिरासत में लेते हुए उन्हें गुमला जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त तीनों आरोपी एक जंगली सूअर को मारकर उसके मांस को बनारी ग्राम के साप्ताहिक बाजार में उसका मांस बेच रहे थे जिन्हें रंगे हांथ , विधिवत गिरफ्तार की गई। पूछताछ में सूअर के मांस बेचे के अपराध की पुष्टि होने पर उक्त आरोपियों पर संबंधित अपराध का मामला दर्ज किया गया, इस कार्रवाई में प्रभारी वनपाल किशोर नंद कुमार, राजेंद्र उरांव, चंद्रशेखर महतो, ऋषि कुमार, होमगार्ड और क्यूआरटी टीम शामिल रही।

छोटानागपुर-झारखंड की आन-बान-शान और सम्मान का गौरवशाली इतिहास स्वर्ण अक्षरों से हुआ दर्ज

उज्जवल दुनिया संवाददाता

गुमला। गुमला जिला प्रशासन द्वारा लोक वाद्ययंत्र मांदर को जी. आई टैक (भौगोलिक संकेतक) दिलाने में पाँच साल के कड़े संघर्ष का सामना करने के बाद छोटानागपुर - झारखंड की आन - बान - शान और सम्मान लोक वाद्ययंत्र मांदर के लियें प्रारंभ से लेकर अब तक की संघर्ष की कहानी , अंततः लाया रंग और मांदार ऑफ झारखंड के नाम से रजिस्टर हुआ लोग वाद्ययंत्र मांदर - जी आई - टैक. (भौगोलिक संकेतक) को प्राप्त करने की प्रारंभ से लेकर अब तक की विस्तृत जानकारी और कहानी किस प्रकार है झारखंड की सांस्कृतिक पहचान मांदर को मिला भौगोलिक संकेतक पंजीकरण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में गुमला से शुरू हुई पहल ने दिलाई झारखंड की पारंपरिक कला को विशिष्ट पहचान झारखंड की मिट्टी, लोकजीवन और सांस्कृतिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा पारंपरिक वाद्य ह्यमांदरह्ल अब अपनी विशिष्ट भौगोलिक पहचान के साथ राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज हो गया है। गुमला जिले से प्रस्तावित मांदर को भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण प्राप्त होना झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और मांदर निर्माण से जुड़े पारंपरिक कारीगरों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मांदर केवल एक पारंपरिक वाद्ययंत्र नहीं, बल्कि झारखंड के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। पर्व-त्योहारों, पारंपरिक नृत्य, सामाजिक आयोजनों और सामुदायिक जीवन में मांदर की थाप लंबे समय से झारखंड की पहचान को स्वर देती रही है। ऐसे में मांदर को भौगोलिक संकेतक पहचान मिलना उन कारीगर परिवारों की पीढ़ियों पुरानी कला, कौशल और पारंपरिक ज्ञान को औपचारिक पहचान मिलने के रूप में भी महत्वपूर्ण है, जिन्होंने अपने हुनर को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है। मांदर को भौगोलिक संकेतक पंजीकरण दिलाने की यह यात्रा गुमला जिले से शुरू हुई और इसके पीछे राज्य सरकार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, संबंधित संस्थाओं तथा मांदर कारीगरों के लंबे समय तक चले सामूहिक प्रयास रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में झारखंड की पारंपरिक कला, संस्कृति और स्थानीय कारीगरों को पहचान एवं सम्मान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के क्रम में गुमला जिला प्रशासन द्वारा मांदर को भौगोलिक संकेतक पहचान दिलाने की पहल को आगे बढ़ाया गया। इस दिशा में तत्कालीन उपायुक्त सुशांत गौरव की महत्वपूर्ण पहल रही। उन्होंने स्वयं मांदर कारीगरों के बीच पहुंचकर उनके पारंपरिक हुनर और मांदर निर्माण की प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर समझा। कारीगरों की स्थिति, उनके पारंपरिक ज्ञान, निर्माण तकनीक और इस कला से जुड़ी स्थानीय पहचान को समझने के बाद इसके व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और आगे की प्रक्रिया के लिए पहल की गई। उनके प्रयासों से मांदर निर्माण से जुड़े कारीगरों और उनकी पारंपरिक कला को व्यवस्थित रूप से दस्तावेजीकृत करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार हुआ। इस प्रारंभिक पहल को आगे बढ़ाने में तत्कालीन उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कार्यकाल में मांदर को भौगोलिक संकेतक पहचान दिलाने से संबंधित तकनीकी और प्रक्रियात्मक कार्यों को गति मिली। आवश्यक दस्तावेजों के संकलन, शोध, तकनीकी प्रस्तुतीकरण तथा संबंधित स्तरों पर समन्वय के माध्यम से इस प्रयास को आगे बढ़ाया गया। गुमला से शुरू हुई यह पहल इसी क्रम में एक व्यवस्थित भौगोलिक संकेतक प्रक्रिया में परिवर्तित हुई। मांदर की भौगोलिक संकेतक पंजीकरण यात्रा का औपचारिक चरण 24 सितंबर 2021 को शुरू हुआ, जब आवेदन एवं प्रकरण विवरण दाखिल किया गया।

एनटीपीसी विस्थापित अधिकार समिति की बैठक संपन्न, समिति का हुआ विस्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

टंडवा। बुधवार को रुक्मणी होटल टंडवा में एनटीपीसी विस्थापित अधिकार समिति की एक बैठक आयोजित किया गया..बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष मिथलेश गुप्ता ने की।इस बैठक में समिति विस्तार को लेकर उपस्थित एनटीपीसी विस्थापित अधिकार समिति के सचिव अरुण पांडे,कोषाध्यक्ष महेंद्र यादव समेत सभी लोगों ने बारी बारी से चर्चा किया गया। जिसके बाद सर्वसम्मति से समिति का उपाध्यक्ष के रूप में महेश मुंडा,संजीत कुमार गुप्ता, सुनील चौरसिया,बबलू प्रसाद गुप्ता, विकास मालाकार, नारायण महतो, बैजनाथ पांडे का चयन किया गया।उप सचिव के पद पर सरोज कुमार पांडे को चयनित किया किया गया।साथ ही समिति के प्रवक्ता के रूप में रामेश्वर मिस्त्री को चयनित किया गया। इधर मीडिया प्रभारी के रूप में कुलदीप दास को एवं सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में मुकेश प्रजापति को चयनित किया गया। समिति के संरक्षक के रूप में पूर्व विधायक किशुन कुमार दास, अक्षयवट पांडे, कामेश्वर पांडे, रंजीत कुमार गुप्ता, प्रताप चौरसिया, गणेश प्रसाद गुप्ता, नथू प्रसाद गुप्ता, राजमणि सिंह को चयनित किया गया।समिति विस्तार होने के बाद समिति के अध्यक्ष मिथिलेश गुप्ता ने बताया कि एनटीपीसी से विस्थापित रैयत की समस्याओं व अन्य विषयों के निदान हेतु समिति कार्य करेंगी।साथ ही आगे बताया कि रैयत के समस्या के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के मुद्दों को पटल में रखकर समाधान करने की भी काम करेगी। अगले सप्ताह में एनटीपीसी अधिकार समिति का स्थाई कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया।इस बैठक में प्रताप चौरसिया, नथू गुप्ता, राजमणि सिंह, मुकेश कुमार प्रजापति, रंजीत कुमार गुप्ता, संजीत कुमार गुप्ता, महेंद्र यादव, सरोज पांडे, अनिल कुमार, नारायण महतो, बाल कृष्ण यादव समेत कई रैयत उपस्थित थे।

एक नजर

त्योहारों में कोडरमा से सफर होगा आसान, चलेगी कोलकाता-आलमनगर पूजा स्पेशल

कोडरमा। दुगार्पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कोलकाता और आलमनगर के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। पूर्व रेलवे की ओर से 03107/03108 कोलकाता-आलमनगर पूजा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। ट्रेन धनबाद, कोडरमा और गया जंक्शन होकर चलेगी। दोनों दिशाओं में अक्टूबर और नवंबर के दौरान सात-सात फेरे निर्धारित किए गए हैं। 15 अक्टूबर से शुरू होगा परिचालन रेलवे के अनुसार 03107 कोलकाता-आलमनगर पूजा स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। अक्टूबर में 15, 22 और 29 तथा नवंबर में 5, 12, 19 और 26 तारीख को इसका परिचालन होगा। वहीं 03108 आलमनगर-कोलकाता पूजा स्पेशल प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन अक्टूबर में 17, 24 और 31 तथा नवंबर में 7, 14, 21 और 28 तारीख को चलेगी। कोडरमा में दोनों दिशाओं में ठहराव कोलकाता से आलमनगर जाने वाली 03107 पूजा स्पेशल सुबह करीब 7:43 बजे कोडरमा जंक्शन पहुंचेगी और 7:45 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में 03108 ट्रेन दोपहर करीब 1:23 बजे कोडरमा पहुंचेगी और 1:25 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन कोलकाता से चलकर नैहाटी, बर्द्धमान, दुगार्पुर, आसनसोल, प्रधानखूंटा, धनबाद, गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी, सुल्तानपुर और उटरेटिया होते हुए आलमनगर पहुंचेगी। पूजा स्पेशल ट्रेन के परिचालन से कोडरमा सहित मार्ग के यात्रियों को त्योहारों के दौरान अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेगा और नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

SIR विवाद पर उमेश वर्मा का पलटवार, कहा- तथ्यों के आधार पर हो चर्चा

डोमचांच। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच डोमचांच नगर पंचायत अध्यक्ष सह भाजपा जिला कोषाध्यक्ष उमेश वर्मा ने बुधवार को प्रेस वार्ता की। उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उमेश वर्मा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में रक्फ़समेत प्रमुख निर्णयों को लेकर आयोग की सहमति स्पष्ट की गई है। उन्होंने कहा कि 24 जून 2025 के मूल आदेश से लेकर रक्फ़के विभिन्न चरणों की समय-सारणी तक के निर्णय आयोग की सहमति से लिए गए हैं। उन्होंने विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग में कथित मतभेद को लेकर उठाए जा रहे सवालों को खारिज करते हुए कहा कि आयोग की ओर से स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद पूरे मामले को तथ्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैबिनेट सचिव को लिखा गया पत्र किसी नीतिगत विषय अथवा रक्फ़ से संबंधित नहीं था। उमेश वर्मा ने कांग्रेस और विपक्ष से अपील की कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को लेकर आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पड़ताल करें और तथ्य आधारित चर्चा करें।

डोमचांच में सफाई कर्मियों के लिए लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

डोमचांच। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बुधवार को डोमचांच नगर पंचायत में सफाई कर्मियों एवं अन्य लाभुकों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विशेष कैंप लगाया गया। कैंप में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छता उद्यमी योजना एवं पीएम स्वनिधि से समृद्धि योजना की पात्रता और मिलने वाले लाभ की जानकारी दी गई। लाभुकों का ऑनलाइन आवेदन एवं पंजीकरण भी कराया गया। वहीं, सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य को लेकर लगाए गए जांच शिविर में चिकित्सकों ने कर्मियों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष उमेश वर्मा ने कहा कि सफाई कर्मी शहर को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए उनके स्वास्थ्य और कल्याण का ध्यान रखना भी जरूरी है। उपाध्यक्ष आदर्श कुमार पंकज उर्फ अजय साव ने कहा कि अभियान के माध्यम से सफाई कर्मियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता दी जा रही है। नगर प्रबंधक रुपेश रंजन ने कहा कि सफाई कर्मी नगर पंचायत की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का ध्यान रखना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। अभियान के तहत नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

गुमला व सिसई में खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा एक्शन होटलों और दुकानों की सघन जांच

गुमला। गुमला जिला में नगर और सिसई प्रखंड के नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा बाजार में शुद्ध व मिलावटमुक्त खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने सिसई प्रखंड में सघन जांच अभियान चलाया। जांच टीम की अचानक हुई इस कार्रवाई से प्रखंड मुख्यालय समेत आसपास के होटल और किराना व्यवसायियों में दिनभर हड़कंप की स्थिति बनी रही। कई दुकानदार आनन-फानन में अपनी व्यवस्था दुरुस्त करते नजर आए। यह छापेमारी उपायुक्त गुमला के सख्त निर्देश और अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह अभिहित अधिकारी डॉ. धनुर्जय सुम्ब्रई के निर्देश पर उक्त अभियान में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी, कुमार प्रभाकर, आशा राज और तंबाकू निषेध पदाधिकारी वंदना स्मिता होरो ने किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र के सभी होटल और मिष्ठान प्रतिष्ठान संचालकों को सख्त हिदायत दी कि छेना की मिठाइयां तैयार करते समय किसी भी सूरत में मैदा और हानिकारक एवं औद्योगिक केमिकल हाइड्रो का प्रयोग न करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मिठाइयों में किसी भी प्रकार की मिलावट या हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल जनस्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जाँच टीम ने कई दुकानों व होटलों का औचक निरीक्षण कर स्वच्छता व खाद्य सुरक्षा मानकों की पड़ताल कीः दीपक लाइन होटल, एक्का रेस्टोरेंट, होटल चंद्रयानी व नीरज किराना स्टोर सहित अन्य स्टोरः इन प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया गया और संचालकों को स्वच्छता मानकों का कड़ाई से अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। होटल चंद्ररानी (रेडवा, सिसई) यहां निरीक्षण के दौरान वेज और नॉन-वेज खाद्य सामग्री को एक ही फ्रिज में रखा पाया गया। टीम ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए संचालक को दोनों सामग्रियों के भंडारण के लिए अलग-अलग व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी कर्मियों द्वारा एप्रन, ग्लव्स और हेडगियर का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने का कड़ा निर्देश दिया। टीम ने लकड़ा चाट भंडार, नीरज किराना स्टोर, कुजूर फास्ट फूड (गुमला), राहुल गुप्ता और सूरज स्टोर (सिसई) का भी निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने की हिदायत दी। जाँच के क्रम में राजेश दुकान में साफ-सफाई के निदेर्शों की अनदेखी के साथ-साथ तंबाकू नियंत्रण नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया। इस पर तंबाकू निषेध पदाधिकारी की मौजूदगी में कोटपा एक्ट के तहत दुकानदार पर ?500 का चालान काटते हुए,अर्थदंड वसूला गया। वहीं, दुकान में साफ-सफाई की भारी कमी और एक्सपायर खाद्य सामग्री पाए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 2006) के तहत भी जुमार्ना लगाया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की सेहत से समझौता करने वाले किसी भी संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा। नियमों की अनदेखी करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यह औचक निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

तुलसिया हाल्ट वायरल वीडियो मामले में दो और गिरफ्तार, सभी छह आरोपी पुलिस गिरफ्त में

किशनगंज,एजेंसी। दिघलबैंक थाना क्षेत्र के तुलसिया हाल्ट रेलवे स्टेशन के पास युवती के साथ मारपीट और डांटने से संबंधित पुराने वायरल वीडियो के मामले में गठित विशेष अनुसंधान दल ने दो और नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी घटना के बाद अलग-अलग राज्यों में रह रहे थे और एसआईटी की दबिश के बाद दिघलबैंक थाना क्षेत्र पहुंचे थे। मानवीय एवं तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. जुबेर उर्फ जुबेरियन, पिता मो. बसीर, निवासी श्रीपुर, थाना दिघलबैंक तथा कामिल रजा, पिता मो. शहाबुद्दीन, निवासी कुम्हाटोली, थाना बहादुरगंज के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक जुबेर घटना के बाद हरियाणा में, जबकि कामिल रजा पंजाब में रह रहा था। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार को 24/25 सितंबर की देर रात करीब 12:30 बजे तुलसिया हाल्ट के पास युवती के साथ मारपीट से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने की सूचना मिली थी। वीडियो के अवलोकन और तकनीकी जांच के बाद घटना में शामिल छह आरोपियों की पहचान की गई थी। इसके बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन कर लगातार छापेमारी शुरू की गई। मामले में इससे पहले शहजाद, मिनाज उर्फ सलमान, अफसर आलम और सहजाद को गिरफ्तार किया जा चुका था। 29 सितंबर को जुबेर उर्फ जुबेरियन और कामिल रजा की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस के अनुसार घटना में चिन्हित सभी छह प्राथमिकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी पांच दिनों के भीतर पूरी कर ली गई। बुधवार को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों के विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अप्राथमिकी अभियुक्तों समेत अन्य बिंदुओं पर अनुसंधान जारी है और शीघ्र आरोप पत्र समर्पित करने की बात कही गई है। एसपी ने आम लोगों से अफवाह और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने तथा अपुष्ट वीडियो या जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित नहीं करने की अपील की है।

12 घंटे की ड्यूटी से कर्मचारी बेहाल, 8 घंटे का रोस्टर लागू करने की मांग

सीवान,एजेंसी। ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसोसिएशन एवं ऑल इंडिया रेलवे ट्रैकमैन यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में 23 सितंबर को सीवान रेलवे कॉलोनी शाखा में सेफ्टी सेमिनार सह कर्मचारी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।इसमें रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा, ड्यूटी रोस्टर, कार्यस्थल पर सम्मान और लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने 12 घंटे की ड्यूटी व्यवस्था को समाप्त कर आठ घंटे का ड्यूटी रोस्टर लागू करने की मांग की। ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसोसिएशन के महामंत्री मनोज गोस्वामी ने कहा कि पॉइंट्समैन, गेटमैन और इंजीनियरिंग विभाग के गेटमैन से 12 घंटे तक ड्यूटी ली जा रही है। लंबे समय तक लगातार ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों को लगातार ट्रेनों के परिचालन पर नजर रखनी पड़ती है। इससे उन पर मानसिक और शारीरिक दबाव बढ़ता है. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को आठ घंटे का ड्यूटी रोस्टर दिया जाना चाहिए, ताकि वे पर्याप्त विश्राम के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा सकें। उन्होंने महिला पॉइंट्समैन को सुरक्षा की दृष्टि से दिन की ड्यूटी देने की मांग भी रखी। गोस्वामी ने पॉइंट्समैन के चार कैडर के तहत 1800, 1900, 2400 और 2800 के कैडर स्ट्रक्चर को जल्द लागू करने की मांग रेलवे बोर्ड से की. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कार्यस्थल पर समानता और सम्मान मिलना चाहिए। ग्रुप डी कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए।ऑल इंडिया ट्रैकमैन यूनियन के जोनल कोषाध्यक्ष जबीउल्लाह अंसारी ने कहा कि ट्रैकमैन रेलवे परिचालन की सुरक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसके बावजूद कई जगहों पर उनसे लगातार 11 घंटे तक ड्यूटी ली जाती है ।

नेपाल की बारिश से उत्तर बिहार की नदियां उफान पर

पांच जिलों के निचले क्षेत्र में तेजी से फैल रहा बाढ़ का पानी

पटना,एजेंसी। नेपाल के जल अधिग्रहण क्षेत्र में मूसलाधार बारिश का असर उत्तर बिहार की नदियों पर दिख रहा है। बीते 28 सितम्बर को पश्चिम चंपारण जिले के भारत-नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से 5,43,500 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। पश्चिम चंपारण के बगहा में गंडक का जलस्तर 91.25 मीटर तक पहुंच गया, जिसे स्थानीय स्तर पर रिकॉर्ड ऊंचाई बताया गया है। बैराज से 5 लाख क्यूसेक से अधिक पानी 13 घंटे तक और 4 लाख क्यूसेक से अधिक पानी 32 घंटे तक रहने की जानकारी सामने आई है। इसका असर डाउनस्ट्रीम इलाकों में दिखाई दे रहा है। जल संसाधन विभाग द्वारा 30 सितम्बर की ताजा रिपोर्टों के अनुसार पश्चिम चंपारण में गंडक के दबाव के बीच चंपारण तटबंध तीन जगह टूट गया है। बथुवरिया और बैरिया के फुलियाखाड़ समेत आसपास के कई गांवों में

पानी फैलने की सूचना है। ग्रामीणों को ऊंचे और सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा है। प्रशासन और जल संसाधन विभाग की टीमें कटाव और तटबंध की मरम्मत में जुटी हैं। मुजफ्फरपुर के सरैया क्षेत्र में भी गंडक का बढ़ता जलस्तर चिंता बढ़ा रहा है। रेवाघाट पर नदी का पानी मंदिर परिसर तक पहुंचने की रिपोर्ट है। प्रशासन ने तटवर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाने और राहत-बचाव की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग के रियल टाइम आंकड़ों के अनुसार 29 सितंबर की रात गंगा पटना के गांधीघाट पर 48.85 मीटर थी, जबकि खतरे का निशान 48.60 मीटर है। यानी यहां नदी खतरे के निशान से 25 सेंटीमीटर ऊपर

दीघाघाट पर जलस्तर 49.69 मीटर दर्ज हुआ

जो चेतावनी स्तर से ऊपर है। हथीदह में भी गंगा 41.67 मीटर पर थी, जबकि खतरे का निशान 41.76 मीटर है भागलपुर जिले के कहलगांव में गंगा का जलस्तर 30.74 मीटर दर्ज हुआ, जबकि खतरे का निशान 31.09 मीटर है। सुल्तानगंज में जलस्तर 35.08 मीटर रहा, जो 34.50 मीटर के खतरे के निशान से ऊपर है। अज़मााबाद में भी नदी चेतावनी स्तर से ऊपर दर्ज की गई। इससे भागलपुर और आसपास के तटवर्ती इलाकों में निगरानी जारी है सुपौल के वीरपुर में कोसी 75.29 मीटर पर दर्ज की गई, जबकि खतरे का निशान 74.70 मीटर है। खगड़िया के बलतरा में कोसी 35.20 मीटर पर थी, जो 33.85 मीटर के खतरे के निशान से ऊपर है। खगड़िया में बूढ़ी गंडक भी चेतावनी स्तर से ऊपर है। सीतामढ़ी के ढेंग ब्रिज पर बागमती 70.70 मीटर दर्ज हुई, जो चेतावनी स्तर 70 मीटर से ऊपर है। मुजफ्फरपुर के रनिसैदपुर में बागमती 56.19 मीटर और बेनीबाद में 49.92 मीटर दर्ज की गई। सीवान के दरौली में घाघरा भी 61.15 मीटर पर थी, जो 60.82 मीटर के खतरे के निशान से ऊपर है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के आंकड़ों पर आधारित उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार सितम्बर के मध्य तक बिहार के 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए थे। 15 सितम्बर की रिपोर्ट में करीब 49.67 लाख लोगों के प्रभावित होने का आंकड़ा दिया गया था। यह आंकड़ा उस समय 15 जिलों, 88 प्रखंडों और सैकड़ों पंचायतों में बाढ़ के असर को दर्शाता है सितंबर में बाढ़ से प्रभावित जिलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया शामिल रहे हैं।

हार्वर्ड में फैकल्टी बने किशनगंज के नीरज अग्रवाल

डाना-फार्बर में प्रोस्टेट कैंसर विभाग की संभालेंगे जिम्मेदारी

किशनगंज,एजेंसी। जिले के लिए गौरव की खबर है। किशनगंज निवासी नीरज अग्रवाल ने चिकित्सा एवं कैंसर अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में फैकल्टी के रूप में योगदान दिया है। इसके साथ ही उन्हें अमेरिका के प्रसिद्ध डाना-फार्बर कैंसर इंस्टीट्यूट में प्रोस्टेट कैंसर विभाग के को-डायरेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस उपलब्धि से किशनगंज में खुशी की लहर है। नीरज अग्रवाल ने शहर के बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल से अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की थी। किशनगंज से शिक्षा की शुरुआत करने के बाद उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और अब अमेरिका के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं कैंसर चिकित्सा संस्थानों से जुड़कर जिले का नाम रोशन किया है।डाना-फार्बर कैंसर इंस्टीट्यूट हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से संबद्ध प्रमुख कैंसर संस्थानों में शामिल है। संस्थान कैंसर के उपचार, अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में प्रोस्टेट कैंसर विभाग

के को-डायरेक्टर के रूप में नीरज अग्रवाल की नियुक्ति को उनकी पेशेवर उपलब्धियों की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। नीरज अग्रवाल की सफलता की खबर मिलते ही उनके पिता नवल अग्रवाल सहित परिवार के सदस्यों, परिचितों और शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है। शहर के लोगों ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से भी उन्हें शुभकामनाएं देने का सिलसिला जारी है।

परीक्षा देने छपरा जा रहे भाई-बहन को पिकअप ने रौंदा, भाई की मौत, बहन पीएमसीएच रेफर

सीवान,एजेंसी। सीवान जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के सारीपट्टी गांव के समीप बुधवार को एनएच-331 पर तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार भाई की मौत हो गयी, जबकि बहन गंभीर रूप से घायल हो गयी। दोनों भाई-बहन बाइक से परीक्षा देने छपरा जा रहे थे। मृतक की पहचान भगवानपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मस्थान गांव निवासी महेश मांझी के 17 वर्षीय पुत्र अनुराग कुमार के रूप में हुई है. वहीं, घायल उसकी 19 वर्षीय बहन अनुष्का कुमारी है। मिली जानकारी के अनुसार, अनुराग कुमार अपनी बहन अनुष्का के साथ बाइक से छपरा परीक्षा देने जा रहा था। इसी दौरान सारीपट्टी गांव के समीप छपरा की ओर से

तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित हो गयी और दोनों भाई-बहन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गयी। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भगवानपुर हाट पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सीवान रेफर कर दिया। सदर अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में अनुराग कुमार की मौत हो गयी। वहीं, अनुष्का की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर कर दिया। इधर, हादसे की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गये। आक्रोशित ग्रामीणों ने दुर्घटना के विरोध में एनएच-331 को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी और आवागमन कुछ समय के लिए बाधित रहा। सूचना मिलने पर भगवानपुर हाट थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया, जिसके बाद सड़क जाम समाप्त हुआ और एनएच-331 पर आवागमन सामान्य हो गया। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।

डीएम और एसएसपी ने किया वैकल्पिक मार्गों और गंगा घाटों का निरीक्षण

भागलपुर,एजेंसी। विक्रमशिला सेतु पर आवागमन बंद होने की संभावित स्थिति को देखते हुए भागलपुर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। भागलपुर से नवगछिया के बीच प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों लोगों की सुविधा, सुगम सफर और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक कवायद काफी तेज कर दी गई है। इसी सिलसिले में बुधवार को जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव और नगर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने संबंधित विभागों के आलाधिकारियों के साथ विभिन्न गंगा घाटों और वैकल्पिक संपर्क मार्गों का विस्तृत स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक और पुलिस महकमे के शीर्ष अधिकारियों ने यात्रियों के सुरक्षित आवागमन के लिए उपलब्ध मौजूदा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों की टीम ने उन सभी संभावित घाटों का दौरा

किया जहाँ से नावों या अन्य माध्यमों से परिचालन किया जा सकता है। इसके साथ ही सेतु के समानांतर या अन्य वैकल्पिक सड़क मार्गों की स्थिति को भी देखा गया, ताकि मुख्य पुल पर दबाव बढ़ने या परिचालन रुकने की स्थिति में ट्रैफिक को तुरंत डायवर्ट किया जा सके। डीएम अलंकृता पांडेय और एसएसपी प्रमोद कुमार यादव ने मौके पर ही मौजूद संबंधित पदाधिकारियों को कड़ी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि घाटों पर यात्रियों के बैठने, रोशनी, पेयजल और सुचारू यातायात प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही, नदी मार्ग से यात्रा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने, पर्याप्त संख्या में पुलिस बलों की तैनाती करने और लाइफ जैकेट जैसी आपातकालीन कश्तियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आवागमन के दौरान आम जनता को किसी भी प्रकार की मानसिक या शारीरिक परेशानी नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यदि क्षेत्र में किसी भी तरह की समस्या या कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसका तत्काल संज्ञान लिया जाए और बिना समय गंवाए त्वरित दंडात्मक या सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। जिला प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए सभी वैकल्पिक मार्गों और घाटों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में जुटा है।

श्रद्धा का अनोखा रूप:पितरों की तस्वीरें नहीं मिली तो व ‘स्वास्तिक’ का फोटो लगा कर रहे पिंडदान

गयाजी,एजेंसी। पूर्वजों की तस्वीरें नहीं है, तो भी पितरों के प्रति श्रद्धा और आस्था कम नहीं होती। छत्तीसगढ़ के कोरबा से गयाजी पहुंचे मित्तल गोत्र के मारवाड़ी परिवार ने इसका उदाहरण पेश किया है। परिवारीजन 17 दिवसीय पिंडदान कर रहे हैं। जिन पूर्वजों की तस्वीरें नहीं हैं, उनके नाम के साथ ‘ और ‘स्वास्तिक’ का प्रतीक बना कर फोटो फ्रेम में रखा है। इन्हीं प्रतीकों को पूर्वजों का स्वरूप मानकर वे तर्पण और पिंडदान कर रहे हैं। पिंडदानी हनुमान प्रसाद मित्तल व रमेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि वे पत्नी पार्वती मित्तल व शांति अग्रवाल सहित परिवार

के 13 सदस्यों के साथ गयाजी आए हैं। गयाजी में पिंडदान से सात गोत्र व 21 कुल का उद्धार होता है। परिवार के हर उन सदस्यों के लिए पिंडदान कर रहे है जो नहीं रहे। फ्रेम में पूर्वजों का मानवीय स्वरूप बना श्राद्ध राजस्थान से गयाजी पहुंचे पिंडदानी रविन्द्र अग्रवाल भी पूर्वजों की तस्वीरें उपलब्ध नहीं होने पर अनूठे तरीके से श्राद्ध कर रहे हैं। उन्होंने फोटो फ्रेम में पूर्वजों का मानवीय स्वरूप बना कर उसे पितरों का प्रतीक मान पिंडदान कर रहे है।

उन्होंने बताया कि गयाजी आने से पहले घर से संकल्पित नारियल और रज मिट्टी भी साथ लाए हैं। प्रत्येक वेदी पर इन्हें रख कर विधि-विधान से श्राद्ध और पिंडदान कर रहे है। परिवार के सदस्यों का कहना है कि गयाजी आकर पितरों के लिए श्राद्ध करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। 17 दिनों में 17 गोत्र और 21 कुल का होता है उद्धार पं. संतोष तिवारी शास्त्री ने बताया कि मारवाड़ी परिवार 17 दिवसीय अनुष्ठान गयाजी में पूरा करेंगे।

विदेश रोजगार के नाम पर ठगी की हो उच्चस्तरीय जांच : सांसद डॉ. जावेद

किशनगंज,एजेंसी । विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर किशनगंज और पूर्णिया के युवाओं से कथित ठगी के मामलों को लेकर किशनगंज के सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद ने बिहार सरकार के गृह सचिव को पत्र लिखा है । सांसद ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषी एजेंटों और बिचौलियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है । हाल के दिनों में किशनगंज–पूर्णिया के युवाओं के मलेशिया समेत अन्य देशों में कथित तौर पर फर्जी रोजगार और वीजा के मामलों में फंसने की खबरें सामने आई हैं । सांसद ने पत्र में कहा है कि लोकसभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान उन्हें कई युवाओं के विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर बड़ी रकम वसूले जाने की जानकारी मिली । आरोप है कि कुछ युवाओं को बिना वैध वर्क वीजा अथवा उचित रोजगार दस्तावेज के विदेश भेजा गया । इसके बाद कई युवा कानूनी और आर्थिक परेशानियों में फंस गए, जबकि उनके परिजनों को भी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है । उन्होंने किशनगंज और पूर्णिया में विदेश भेजने का काम करने वाली सभी एजेंसियों और एजेंटों का सत्यापन कराने की मांग की है । साथ ही यह जांच करने को कहा है कि संबंधित एजेंट वैध रूप से पंजीकृत हैं या नहीं । बिना अनुमति विदेश में रोजगार दिलाने का काम करने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की गई है । सांसद ने विदेश भेजने के नाम पर दर्ज शिकायतों और मामलों की समीक्षा कर लंबित मामलों में त्वरित कार्रवाई, सक्रिय एजेंटों के स्थानीय नेटवर्क की जांच तथा उनके सहयोगियों की भूमिका की पड़ताल कराने को कहा है । उन्होंने दोनों जिलों में जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को अधिकृत भर्ती प्रक्रिया और वैध वर्क वीजा की जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया । विदेश रोजगार के नाम पर ठगी की शिकायतों के बीच केंद्र के गृह मंत्रालय ने भी हाल में ऐसे मामलों को लेकर राज्यों को विशेष कार्रवाई और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय पर जोर दिया ।

इंजीनियरों की मुस्तैदी से राघोपुर-शंकरपुर तटबंध सुरक्षित, ग्रामीणों ने किया सलाम

भागलपुर,एजेंसी। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव के भारी दबाव के बीच राघोपुर-शंकरपुर तटबंध को फिलहाल पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया है। तटबंध पर मंडरा रहे खतरे को देखते हुए जल संसाधन विभाग की इंजीनियरों की टीम ने दिन-रात कैंप कर लगातार निगरानी रखी और युद्धस्तर पर फ्लड फाइटिंग (बाढ़ राहत कार्य) को अंजाम दिया। तटबंध की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभाग के चार दर्जन से अधिक इंजीनियरों की टीम चौबीसों घंटे मौके पर मुस्तैद रही। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता और टीम लीडर इंजीनियर जय प्रकाश ने बताया कि राघोपुर-शंकरपुर तटबंध के पास गंगा नदी के बहाव की प्रवृत्ति (नेचर) में अचानक आए बदलाव के कारण फ्लड फाइटिंग के दौरान टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। तटबंध के क्षतिग्रस्त होने के बाद विभागीय स्तर पर तत्काल एक्शन लिया गया और दिन-रात

काम करके इसे सुरक्षित कर लिया गया। मुख्य अभियंता जय प्रकाश ने इस सफल अभियान का श्रेय पूरी टीम की मेहनत और सरकार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में बिहार सरकार, जल संसाधन मंत्री और स्थानीय दोनों मंत्रियों का भरपूर सहयोग और मार्गदर्शन मिला। जीनियरों और तकनीकी कर्मियों की टीम ने अपनी जान की परवाह न करते हुए लगातार मौके पर रहकर स्थिति को संभाला। तटबंध को भविष्य में सुरक्षित रखने की योजना पर बात करते हुए मुख्य अभियंता ने कहा कि इस्माईलपुर इलाके में जिस तरह ‘सीट पाइलिंग’ तकनीक के जरिए बांध को स्थायी रूप से सुरक्षित किया गया है, ठीक उसी तर्ज पर राघोपुर तटबंध की भी स्थायी मरम्मती करने पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। विभागीय स्तर पर जल्द ही इसकी आगे की कार्ययोजना और तकनीकी समाधान पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। तटबंध के सुरक्षित होने पर राघोपुर और शंकरपुर के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों ने आपदा के समय डटे रहने वाले इंजीनियरों और कर्मचारियों की टीम की जमकर सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि ‘ऐसे जांबाज इंजीनियरों और कर्मियों की मेहनत को सलाम है, जिन्होंने हमारे घरों को डूबने से बचा लिया।’ हालांकि, इसके साथ ही ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि अब इस तटबंध की ऐसी स्थायी मरम्मती कराई जाए, जिससे आने वाले सालों में भी पूरा इलाका बाढ़ और भीषण कटाव के खतरे से हमेशा के लिए सुरक्षित हो सके।

हत्या के बाद शव जलाकर भी नहीं बचा कातिल, 24 घंटे के अंदर आरोपी गिरफ्तार

नवादा,एजेंसी। जिले के परनाडाबर थाना क्षेत्र अंतर्गत महुगाय गांव के एक बगीचे से बीते 28 सितंबर को बरामद किए गए एक युवक के जले हुए शव के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमन के नेतृत्व और एसडीपीओ रजौली के मार्गदर्शन में गठित विशेष जांच दल ने बुधवार को मात्र 24 घंटे के भीतर वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के बल पर इस ब्लाइंड मर्डर केस का सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में संलिप्त एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और एक विधि-विरुद्ध किशोर को अपनी हिरासत में लिया है। सोमवार को परनाडाबर थाना क्षेत्र के महुगाय स्थित एक बगीचे में एक अज्ञात व्यक्ति

का जला हुआ शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही परनाडाबर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव की पहचान सोफी कुमार (उम्र करीब 21 वर्ष), पिता- महेंद्र चौहान, ग्राम- चंद्रबारा, थाना- मेसकौर, जिला- नवादा के रूप में की। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफ एस एल (फॉरेंसिक) टीम को मौके पर बुलाया गया और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए। परिजनों के आवेदन पर परनाडाबर थाना कांड संख्या- 199/26 दर्ज कर पुलिस ने युद्धस्तर पर अनुसंधान शुरू किया। घटनास्थल का खुद निरीक्षण करने के बाद नवादा एसपी ने एसडीपीओ रजौली के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। एसआईटी ने तकनीकी सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से महज 24 घंटे के भीतर परनाडाबर थाना क्षेत्र के भोला कुरहा गांव से दो संदिग्धों को दबोच लिया और थाने लाकर पूछताछ की। पुलिस पूछताछ और अभियुक्तों के स्वीकारोक्ति बयान से हत्या का जो कारण सामने आया, वह बेहद चौंकाने वाला है। मृतक सोफी कुमार और आरोपियों के बीच पूर्व से पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक द्वारा पूर्व में अभियुक्तों को कुछ सिम कार्ड उपलब्ध कराए गए थे, जिसके एवज में पैसे के भुगतान को लेकर अनबन थी। घटना से एक दिन पूर्व यानी रविवार को मृतक ने आरोपियों से अपने नाम से नए सिम निकलवाने के लिए कहा और प्रत्येक सिम के बदले 500 देने की बात कही।

ICC वनडे रैंकिंग: धमाकेदार प्रदर्शन का कोहली को मिला इनाम, कुलदीप ने लगाई चार पायदान की छलांग

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शतकीय पारी खेलने का इनाम विराट कोहली को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में कोहली ने एक पायदान की छलांग लगाई है और वह अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं। कोहली से आगे वनडे रैंकिंग में अब सिर्फ शुभमन गिल हैं, जो पहले एकदिवसीय मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी बादशाहत को बरकरार रखने में सफल रहे हैं। विराट के एक पायदान ऊपर चढ़ने से न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को नुकसान पहुंचा है। वह बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में अब तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। हालांकि, रोहित शर्मा की पोजीशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और वह चौथे नंबर पर बने हुए हैं। श्रीलंका के बल्लेबाज कुशल मेंडिस वनडे क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेंडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। हैरी ब्रूक टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंबा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई हैं और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने तीन पायदान की छलांग लगाई है और वह अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर तीसरे स्थान से खिसककर चौथे नंबर पर आ गए हैं। भारतीय गेंदबाज कुलदीप यादव भी चार पायदान ऊपर चढ़े हैं और वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में पांचवें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

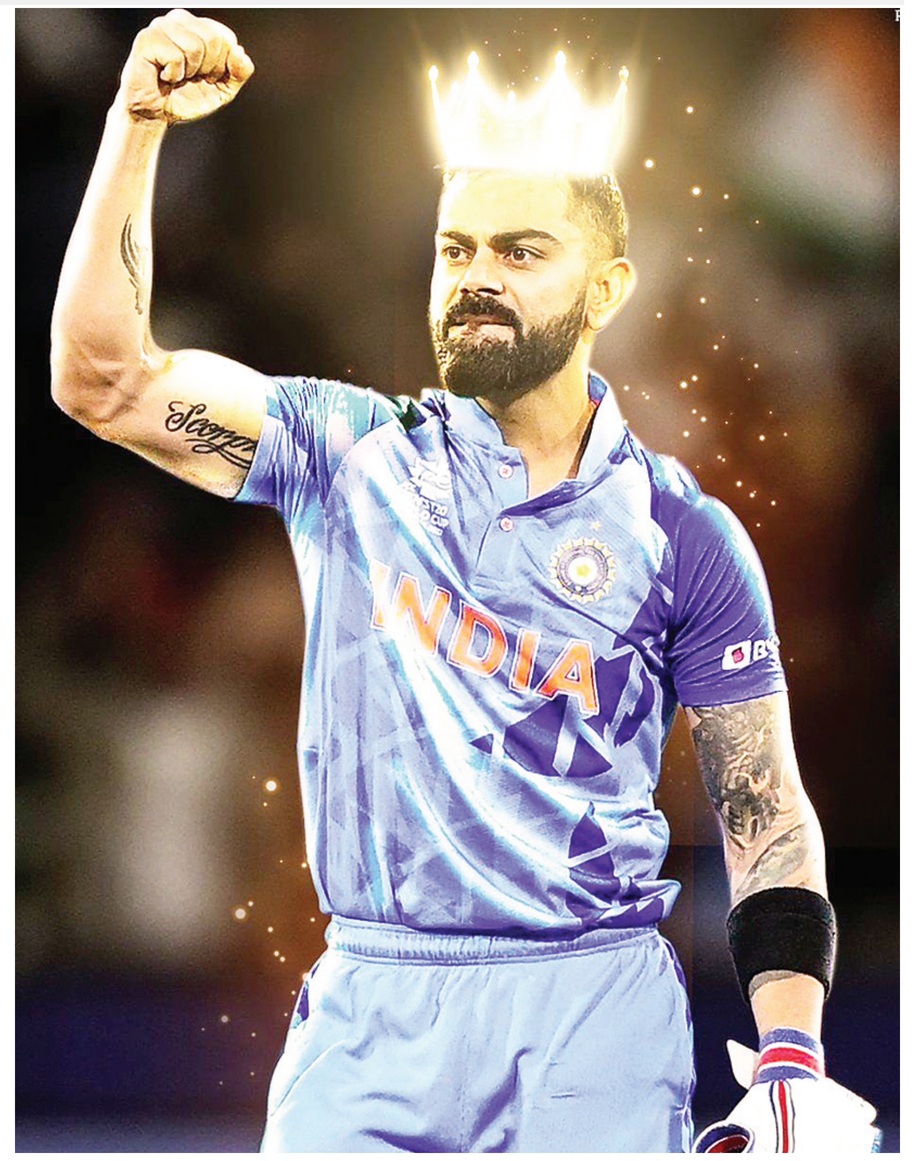

एशियन गेम्स 2026: कपिल पोखरिया को करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल से संतोष, सेमीफाइनल में मिली हार

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष मुक्केबाज कपिल पोखरिया को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। कपिल को 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान के तुरबेक खबीबुल्लाव के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में कपिल तुरबेक के सामने संघर्ष करते नजर आए और फाइनल में जगह बनाने का उनका सपना साकार नहीं हो सका। हालांकि, वह अपने एशियन गेम्स डेब्यू में ही ब्रॉन्ज मेडल जीतने में जरूर सफल रहे। तुरबेक ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले राउंड को 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज का दबदबा देखने को मिला और वह राउंड को 4-1 से अपने नाम करने में सफल रहे। कपिल ने वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन तुरबेक ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए और मुकाबले को आसानी से अपने नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया।इससे पहले, भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवो को 3-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। सेमीफाइनल में शुरुआती राउंड में लवलीना अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर नजर आईं और उन्हें 2-3 के अंतर से हार झेलनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली और मुकाबले पर पकड़ बनानी शुरू की। भारतीय स्टार मुक्केबाज ने दूसरा और तीसरा दोनों राउंड अपने नाम करते हुए मैच का रुख पलट दिया। उनके सटीक और आक्रामक पंचों ने कजाकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा। दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने लवलीना को 10-10 अंक दिए। वहीं, तीसरे राउंड में दो जजों ने उन्हें 10 अंक और तीन जजों ने 9 अंक दिए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंघस को सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत लौटना होगा। उन्हें चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले के दौरान प्रिया अपनी लय हासिल नहीं कर सकीं और चीनी खिलाड़ी के सटीक हमलों का प्रभावी जवाब देने में नाकाम रहीं। भारतीय बॉक्सर ने शुरुआत आक्रामक अंदाज में की थी, लेकिन यांग का मजबूत डिफेंस और संतुलित खेल उनके लिए बड़ी चुनौती साबित हुआ। मैच आगे बढ़ने के साथ चीनी मुक्केबाज ने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और जीत दर्ज की।

एशियन गेम्स 2026: लवलीना रोमांचक मुकाबले में नताल्या बोगदानोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं

ओकाजाकी । भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवो को स्प्लिट फैसले में 3-2 से हराया। इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज से देश को गोल्ड मेडल की आस है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स में फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने जबरदस्त वापसी की। पहले राउंड में लवलीना लय में दिखाई नहीं दीं और उन्हें यह राउंड 2-3 से गंवाना पड़ा। हालांकि, इसके बाद भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया, जिसका असर उनके खेल में भी नजर आया। लवलीना ने दूसरा और फिर तीसरा राउंड अपने नाम किया। लवलीना के एक के बाद दमदार पंचों के आगे कजाकिस्तान की महिला मुक्केबाज मुश्किल में दिखाई दी। दूसरे राउंड में लवलीना को पांच जजों की ओर से 10-10 प्वाइंट मिले। वहीं, तीसरे राउंड में दो जज ने लवलीना को 10, जबकि तीन जजों ने 9 प्वाइंट दिए। हालांकि, भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंघस को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। प्रिया सेमीफाइनल मैच में लय में दिखाई नहीं दीं और उनके पास चीन की मुक्केबाज के पंचों का कोई जवाब नहीं था। प्रिया ने मुकाबले की शुरुआत जरूर आक्रामक अंदाज में की, लेकिन यांग चेंग्यू का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। पुरुष भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंघाल 80 किलोग्राम के फाइनल में पहुंच चुके हैं।

सुनील कुमार ने ग्रीको-रोमन रेसलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई। सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने एक और 'पैसिविटी' स्थिति का फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचे गिराकर बढ़त को 7-0 कर दिया, जिससे रॉबर्ट्स भारतीय खिलाड़ी के लगातार हमलों का जवाब खोजने के लिए संघर्ष करते दिखे।इसके कुछ ही देर बाद मुकाबला खत्म हो गया। सुनील ने एक और स्कोरिंग मूव करते हुए दो और प्वाइंट्स हासिल किए और 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के लिए जरूरी नौ प्वाइंट्स के अंतर तक पहुंच गए, जिससे मुकाबले का शानदार अंत हुआ। यह ब्रॉन्ज मेडल उनके करियर में एक और अध्याय जोड़ता है, जिसमें पहले से ही छह एशियन चैंपियनशिप मेडल शामिल हैं।

जॉन कैंपबेल ने रचा इतिहास, वेस्ट इंडीज की तरफ से भारत के खिलाफ लगाया सबसे तेज वनडे शतक

गुवाहाटी । भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। कैरेबियाई टीम के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने तूफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। जॉन कैंपबेल वनडे क्रिकेट में भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैंपबेल ने दूसरे वनडे में सिर्फ 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैंपबेल ने 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड उनसे पहले रिकार्डो पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेलते हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था। कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से वनडे फॉर्मेट में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। 50 ओवर के फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कीसी कार्टी 10 गेंदों में 9 रन बनाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद कप्तान शाई होप और जॉन कैंपबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। कैंपबेल 68 गेंदों में 101 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 148 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 9 चौके और 5 छक्के लगाए। कैंपबेल को गुरनूर बरार ने पवेलियन भेजा। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले वनडे में मिली हार के बाद अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। वहीं, भारतीय टीम भी एक बदलाव के साथ मैदान पर उतरी है। नीतीश कुमार रेड्डी की जगह पर तेज गेंदबाज आकिब नबी अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं। पहले वनडे में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था और गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत की प्लेइंग इलेवन :रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, रवींद्र जडेजा, आकिब नबी, गुरनूर बरार, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा। वेस्टइंडीज की प्लेइंग इलेवन : जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, शाई होप (विकेटकीपर/कप्तान), अमीर जांगू, शेरफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, कीमो पॉल, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जेडेन सील्स और विटेल लॉज।

भारत की पुरुष और महिला स्क्वैश टीम ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, पक्के हुए दो और मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की पुरुष और महिला स्क्वैश टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत के लिए इस खेल में दो मेडल पक्के हो गए हैं। शीर्ष वरीयता हासिल करने वाली और मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने नागोया किंजो फुतो एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कुवैत को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद भारतीय महिला टीम ने भी सिंगापुर के खिलाफ 2-0 की आसान जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की दोनों टीमें अंतिम चार में पहुंच गईं और गोल्ड मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। भारत के पुरुष टीम के अभियान की शुरुआत पूल ए में चीन पर 3-0 की दमदार जीत के साथ हुई, जिसमें सूरज कुमार चंद, वीर छोटरानी और वेलवन सेंथिलकुमार ने अपने-अपने मैच जीते। कुवैत के खिलाफ, शुरुआती मुकाबले में छोटरानी को बदर अलमोगरेबी से कड़ी चुनौती मिली। दूसरा गेम हारने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने वापसी की और 34 मिनट में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल की। इसके बाद अभय सिंह कोर्ट पर उतरे। भारत सेमीफाइनल से बस एक जीत दूर था और उन्होंने अम्मार अल्तामिमी के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। देश के खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी ने 11-3, 11-4, 11-8 से जीत दर्ज की और निर्णायक मुकाबले की जरूरत के बिना ही टाई अपने नाम कर ली।

सीए ने बांग्लादेश वनडे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की घोषणा की

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बांग्लादेश वनडे सीरीज और न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान सोफी मोलिनक्स और लूसी हैमिल्टन चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं। दोनों खिलाड़ियों के न्यूजीलैंड टी20 सीरीज के दौरान टीम में लौटने की संभावना है। मोलिनक्स और हैमिल्टन को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए चुनी गई 14 खिलाड़ियों की संयुक्त टीम में शामिल किया गया है। ताहलिया मैकग्राथ 9 से 14 अक्टूबर तक ब्रिस्बेन में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। मोलिनक्स अगर न्यूजीलैंड सीरीज से भी बाहर रहती हैं, तो इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी उप-कप्तान एश्ले गार्डनर कर सकती हैं। डार्सी ब्राउन इंजरी की वजह से दोनों सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जबकि ग्रेस हैरिस को टीम से ड्रॉप किया गया है।राष्ट्रीय चयनकर्ता फ्लेग्लर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'मोलिनक्स जब 'द हंड्रेड' से वापस आई थीं, तभी उन्हें चोट लगी थी। शुरू में चोट काफी मामूली लग रही थी, लेकिन वह अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हैं। उम्मीद है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज तक वह फिट हो जाएंगी।

इंडी गठबंधन की बैठक से पहले बिखर गया विपक्ष : शिवराज चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंडी गठबंधन की बैठक को लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन राहुल गांधी को नेता मानने के लिए तैयार नहीं है। यहां तक कि कांग्रेस के नेता भी राहुल गांधी को अपना नेता मानने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में देश की जनता उन्हें नेता कैसे मानेगी।

शिवराज चौहान ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता को लेकर विपक्षी दलों में ही सहमति नहीं है। यही वजह है कि इंडी गठबंधन के सहयोगी दल बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कह रहे हैं कि उन्हें नेता माना जाए और उन पर विश्वास किया जाए। उन्होंने दावा किया कि बैठक से पहले ही इंडी गठबंधन बिखरा हुआ नजर आ रहा है। डीएमके बैठक में शामिल नहीं हो रही है। अखिलेश यादव भी बैठक में नहीं आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने पहले ही बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है। वहीं, उद्धव ठाकरे बैठक में शारीरिक रूप से शामिल नहीं होंगे बल्कि वर्चुअली जुड़ेंगे।

वोटर लिस्ट को लेकर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की आत्मा है। अगर वोटर लिस्ट में गलत नाम जुड़ते हैं तो इससे लोकतंत्र प्रभावित होगा। उन्होंने सवाल किया कि जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है, उसका नाम वोटर लिस्ट से हटाने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो देश का नागरिक नहीं है, उसका नाम मतदाता सूची में क्यों होना चाहिए। पवित्र लोकतंत्र के लिए वोटर लिस्ट का सही और शुद्ध होना जरूरी है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुछ लोग चुनावी मैदान में जीत नहीं पाते हैं तो अपनी हार का ठीकरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फोड़ते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर वोट चोरी हुई है तो अलग-अलग राज्यों में चुनाव के अलग-अलग परिणाम क्यों आते हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी को 37 लोकसभा सीटें कैसे मिलीं। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद वोट चोरी का बहाना बनाया जाता है। शिवराज ने दावा किया कि देश की जनता अब इस तरह की राजनीति को समझ रही है और इसी वजह से कांग्रेस को पहले की तुलना में जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर बुधवार को भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद करने के साथ ही एक वाहन को गिरफ्तार किया है। जबकि, एक महिला के खिलाफ अश्लील एवं अपमानजनक टिप्पणी करने वाले को भी गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, खोरदक इलाके और उसके आस-पास हथियार और अन्य सामान छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिलने पर, बिष्णुपुर जिला पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने आज घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान केइबुल लमजाओ पुलिस स्टेशन के तहत फॉरेस्ट बीट ऑफिस के पास खोरदक पैटन से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया। बरामद सामानों में मुख्य रूप से एक एमपी-5 हथियार मैगजीन के साथ (देसी), दो लाथोड गन (देसी), चार 36 हैंड ग्रेनेड, एक ड्रोन बम (देसी), छह आईईडी, अलग-अलग हथियारों की पांच मैगजीन एवं अलग-अलग कैलिबर के कारतूस/राउंड और अन्य विविध सामान बरामद हुए। हालांकि, इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस आगे की जांच जारी रखे हुए है। वहीं एक अन्य अभियान में आज लिलोंग पुलिस स्टेशन की एक टीम ने लिलोंग चाओबाक मैरेनखुन के निवासी मोहम्मद मुस्तकीम (21) नामक एक वाहन चोर को उसके घर से गिरफ़्तार किया। उसके पास से चोरी की गई एक एक्टिवा डीएलएक्स (नीले मैटेलिक रंग की, रजिस्ट्रेशन नंबर एमएन-01एएन-9328) भी बरामद की गई। यह गाड़ी नॉर्थ एओसी, इंफाल से चोरी हुई थी। इस बीच साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, मणिपुर ने फेसबुक पर एक महिला के खिलाफ अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान, आरोपी पाओनम धनेश्वर (58, इंफाल ईस्ट) को गिरफ़्तार कर लिया गया है। मामले की जांच चल रही है।

फर्जी सीएसआर दान मामले में आठ ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, सैकड़ों करोड़ के फजीवड़े का खुलासा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) दान मामले में बुधवार को देश के चार राज्यों में आठ ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ईडी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय की टीम महाराष्ट्र में पांच, पश्चिम बंगाल में एक, गुजरात में एक और दिल्ली-एनसीआर में एक स्थान पर तलाशी ले रही है। यह कार्रवाई डॉ. धर्मेंद्र कुमार और अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में की जा रही है। ईडी की तलाशी में बाजार संचालकों, ट्रस्टियों और बिचौलियों से जुड़े परिसरों को शामिल किया गया है। जांच एजेंसी के अनुसार, अब तक की प्रारंभिक जांच में सैकड़ों करोड़ रुपये का कथित फर्जी सीएसआर नेटवर्क सामने आया है। इस नेटवर्क के जरिए अनिवार्य सीएसआर योगदान की राशि को कमीशन लेकर संबंधित कंपनियों या दानदाताओं तक वापस पहुंचाने की व्यवस्था किए जाने का पता चला है। जांच के दौरान ईडी को ऐसे ट्रस्टों के गठन के बारे में जानकारी मिली है, जिन्हें कथित तौर पर सीएसआर राशि को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने और अंततः दानदाताओं तक वापस भेजने के लिए विशेष रूप से बनाया गया था। एजेंसी के अनुसार, इन ट्रस्टों के माध्यम से सीएसआर के नाम पर दी गई राशि को कमीशन काटकर वापस दानदाताओं तक पहुंचाया जाता था। ईडी के अनुसार, तलाशी के दायरे में इस कथित नेटवर्क से जुड़े बाजार संचालक, ट्रस्टी और बिचौलिये शामिल हैं। इन परिसरों से मिले दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की जा रही है। उपकरणों की फॉरेंसिक जांच और उनसे प्राप्त जानकारी के आधार पर मामले में आगे की कड़ियां जोड़ने का काम किया जा रहा है। ईडी ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच और मामले में आगे की पूछताछ जारी है।

दुनिया के देश अपने फैसलों के वैश्विक प्रभाव को समझें, अपने हितों तक सीमित न रहें : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया में जारी संघर्षों के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक दक्षिण के देशों के हितों की वकालत करते हुए कहा है कि देशों को अपने फैसलों के व्यापक वैश्विक प्रभाव को समझना चाहिए। नीति-निमार्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे यह आकलन करें कि उनके निर्णयों का दूसरे देशों, खासकर ग्लोबल साउथ की अर्थव्यवस्थाओं पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी फैसले से पैदा होने वाली मुश्किलों को केवल यह कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि ह्यऐसा करना उद्देश्य नहीं था ह्व

न्यूयॉर्क में सोमवार को एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन और ईरान-खाड़ी संघर्ष ने ग्लोबल साउथ की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर असर डाला है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा है। तेल बाजार पहले से दबाव में है और जब ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी राजनीति इसमें शामिल होती है तो स्थिति और जटिल हो जाती है। इससे कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जबकि इस समय बाजार को स्थिरता की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि काला सागर क्षेत्र से प्रमुख अनाज निर्यातकों की आपूर्ति बाधित होने की स्थिति बन रही है। रूस और मध्य पूर्व के प्रमुख उर्वरक उत्पादकों पर संघर्ष का असर पड़ा है। इससे उर्वरकों की कमी बढ़ने की आशंका है। इसके अलावा अल नीनो की स्थिति भी खाद्य संकट को बढ़ा सकती है।

जयशंकर ने कहा कि देश अपने फैसले लेते समय केवल अपने हितों और परिस्थितियों को ध्यान में नहीं रख सकते। उन्हें दूसरे देशों की स्थिति और अपने फैसलों के संभावित परिणामों पर भी विचार करना होगा। उन्होंने कहा कि कोई देश इतना आत्मकेंद्रित नहीं हो सकता कि वह अपनी दुनिया में फैसले ले और बाद में यह कहे कि उसका उद्देश्य दूसरों के लिए मुश्किल पैदा करना नहीं था।

जयशंकर ने कहा कि तेल आपूर्ति की सुरक्षा और उससे जुड़ी राजनीति एक-दूसरे को प्रभावित कर रही हैं। इससे संकट और गंभीर हो रहा है। इसका असर केवल ऊर्जा तक सीमित नहीं है। खाद्य और उर्वरक आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि संघर्षों का असर वित्तीय क्षेत्र पर भी पड़ता है। ऐसे समय में पूंजी सुरक्षित बाजारों की ओर जाती है और ग्लोबल साउथ से बाहर निकलती है। इससे इन देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है।

गेहूं के एमएसपी में 25 रुपये की बढ़ोतरी, 2,610 रुपये प्रति क्विंटल हुआ भाव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विपणन वर्ष 2027-28 के लिए गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके साथ गेहूं का एमएसपी बढ़कर 2,610 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। विपणन वर्ष 2026-27 में गेहूं का एमएसपी 2,585 रुपये प्रति क्विंटल था।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन वर्ष 2027-28 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रबी फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। सरकार के फैसले के तहत गेहूं के अलावा अन्य प्रमुख रबी फसलों के समर्थन मूल्य में भी बढ़ोतरी की गई है।

वैष्णव के अनुसार, कुसुम के एमएसपी में सबसे अधिक 675 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। इसके बाद रेपसीड और सरसों के एमएसपी में 413 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। मसूर के एमएसपी में 390 रुपये, जौ में 136 रुपये और चना में 83 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। गेहूं के समर्थन मूल्य में 25 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।

अगर ईरान से अनुरोध मिले तो आईएईए तुरंत वहां इंस्पेक्टर भेजने को तैयार है : ग्रोसी

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रोसी ने बताया कि अगर ईरान से अनुरोध मिलता है तो एजेंसी देश में अपने कामकाज को पूरी तरह से फिर से शुरू करने के लिए तुरंत इंस्पेक्टर भेजने को तैयार है। ईरान में आईएईए का काम फिर से शुरू होने के बारे में पूछे जाने पर ग्रोसी ने रूसी न्यूज एजेंसी रिया नोवोस्ती से बताया, अगर हमसे कहा जाए, तो कल ही, तुरंत। इस तैनाती के व्यावहारिक होने के बारे में पूछे गए एक और सवाल के जवाब में एजेंसी प्रमुख ने कहा कि एक्सपर्ट्स पहले से लौटने के लिए तैयार हैं। ग्रोसी ने कहा, व्यावहारिक तौर पर भी। हमारी टीमें तैयार हैं। हमें ठीक-ठीक पता है कि कहां जाना है और क्या करना है। इसलिए यह सिर्फ कहने की बात नहीं है; यह हमारी असल क्षमता है। हमारी टीमें तुरंत तैनाती के लिए तैयार हैं। पिछले साल ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमलों और उसके बाद एजेंसी के साथ सहयोग रोकने के तेहरान के फैसले के कारण ईरान में आईएईए की बड़े पैमाने पर निरीक्षण गतिविधियां रुक गई थीं। सुरक्षा कारणों से आईएईए इंस्पेक्टरों को देश से वापस बुला लिया गया था, जबकि सुरक्षा उपायों के दायरे में आने वाली परमाणु सुविधाओं तक एजेंसी की पहुंच काफी सीमित कर दी गई थी। दूसरी ओर ईरान के एक राजनयिक सूत्र ने मंगलवार को रिया नोवोस्ती से कहा कि ईरान परमाणु मुद्दे पर तभी बातचीत के लिए तैयार होगा जब होर्मुज जलडमरूमध्य का मसला सुलझ जाएगा और अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी हटा ली जाएगी।

फ्लाईदुबई की दुबई-तेल अवीव उड़ान में पायलटों के बीच झड़प, सऊदी अरब में कराई गई आपात लैंडिंग

एजेंसी

दुबई। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 को बुधवार को विमान के भीतर हुई एक गंभीर घटना के बाद सऊदी अरब के तबुक में आपात स्थिति में उतारा गया। फ्लाईदुबई ने पुष्टि की है कि विमान सुरक्षित उतरा और सभी यात्री एवं चालक दल सुरक्षित हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बोइंग737 मैक्स8 में उड़ान के दौरान दोनों पायलटों के बीच शारीरिक झड़प हुई। विमान ने पहले 7700 का सामान्य आपातकालीन कोड और बाद में कुछ समय के लिए 7500 कोड प्रसारित किया, जिसका इस्तेमाल विमान में संभावित गैरकानूनी हस्तक्षेप या अपहरण की स्थिति के संकेत के तौर पर किया जाता है। इसके बाद विमान का रुख तबुक की ओर मोड़ दिया गया।

विमान की अचानक ऊंचाई कम होने की भी जानकारी सामने आई है। फ्लाइट-ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, विमान ने कुछ ही समय में लगभग 14,000 फीट की ऊंचाई खो दी। इसके बाद विमान ने अपना मार्ग बदला और सुरक्षित रूप से तबुक में उतर गया।

शुरूआत में 7500 कोड के कारण विमान के अपहरण की आशंका जताई गई और इजराइल की ओर से लड़ाकू विमान भी भेजे जाने की खबरें सामने आईं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक आकलन में यह हाईजैकिंग की घटना नहीं बल्कि कॉकपिट में पायलटों के बीच हुआ विवाद था।

इजराइली मीडिया में यह भी रिपोर्ट किया गया है कि झड़प के दौरान एक पायलट घायल हुआ और यात्रियों तथा केबिन क्रू के कुछ सदस्यों ने स्थिति को नियंत्रित करने में मदद की। एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक पायलट ने विमान को तेजी से नीचे ले जाने की कोशिश की थी। हालांकि, इन विवरणों और घटना के सटीक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इजराइली सुरक्षा एजेंसियां घटना की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही हैं। इनमें आतंकवादी हमले की संभावित कोशिश का कोण भी शामिल बताया गया है। वहीं, को-पायलट की राष्ट्रीयता और घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ, इसे लेकर सामने आई कुछ मीडिया रिपोर्टों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। फ्लाईदुबई ने कहा है कि उसकी टीमें संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं और अतिरिक्त पुष्टि होने पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी। फिलहाल, सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है और घटना की जांच जारी है।

एक नजर

फातिमा एज्जाहरा एल मंसूरी बनीं मोरक्को की पहली महिला प्रधानमंत्री

रबात। मोरक्को के राजा मोहम्मद छह ने मंगलवार को फातिमा एज्जाहरा एल मंसूरी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया। उनकी पार्टी ऑथेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी (पीएएम) ने 23 सितंबर को हुए संसदीय चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीती हैं। शाही महल ने इसकी जानकारी दी। राजा ने एल मंसूरी को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। पेशे से वकील एल मंसूरी पिछली सरकार में आवास मंत्री और माराकेश की मेयर रह चुकी हैं। अब उन्हें गठबंधन सरकार बनाने के लिए विभिन्न दलों से बातचीत करनी होगी और मंत्रियों की सूची राजा की मंजूरी के लिए पेश करनी होगी। चुनाव में पीएएम को 97 सीटें मिलीं। उसके बाद नेशनल रैली ऑफ इंडिपेंडेंट्स (आरएनआई) को 66 और इस्तिकलाल पार्टी को 65 सीटें मिलीं। पूर्व प्रधानमंत्री अब्देलिलाह बेनकिराने की जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (पीजेडी) को 54 सीटें मिलीं। बेनकिराने ने कहा है कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहेगी। एल मंसूरी के सामने नई सरकार के लिए गठबंधन तैयार करने के साथ युवाओं में बढ़ती असंतुष्टि से निपटने की चुनौती होगी। नई सरकार 2030 फुटबॉल विश्व कप की तैयारियों से जुड़े करीब 20 अरब डॉलर के निवेश कार्यक्रम के अंतिम चरण की भी निगरानी करेगी। मोरक्को इस विश्व कप की मेजबानी स्पेन और पुर्तगाल के साथ करेगा।

बांग्लादेश में सरकार ने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए

ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश सरकार ने दुर्गा पंडालों की सुरक्षा के संबंध में दिशा- निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने संबंधित मंत्रालयों, प्रशासन और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे आने वाली दुर्गा पूजा का उत्सव शांतिपूर्ण, उत्साहपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएं। अधिकारियों से यह भी कहा गया है कि वे सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखें। अफवाहों को रोकें और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में निष्पक्ष जांच के जरिए तुरंत कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, यह दिशा-निर्देश मंगलवार सुबह धार्मिक मामलों के मंत्रालय में हुई अंतर-मंत्रालयी तैयारी बैठक में जारी किए गए। धार्मिक मामलों के राज्यमंत्री मोहम्मद शमीम कैसर ने बैठक की अध्यक्षता की। राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार हिंदू समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक त्योहार, दुर्गा पूजा के लिए सुरक्षित और उत्साहपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूजा कल्याण ट्रस्ट के माध्यम से देश भर के पूजा पंडालों को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा आवंटित अनुदान का सही वितरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने पूजा पंडालों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सतर्क रहने और मूर्ति विसर्जन के दौरान उचित प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सामाजिक और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने के लिए अजान और प्रार्थना के समय जरूरी शांति बनाए रखने की पुरानी परंपरा को जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने लोगों से दूसरे धर्मों के देवी-देवताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने से बचने का भी आग्रह किया। राज्यमंत्री ने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पुरानी या एडिट की गई तस्वीरों और वीडियो की तुरंत पुष्टि करने का भी निर्देश दिया। इस बैठक में प्रधानमंत्री के विशेष सहायक (राज्यमंत्री के दर्जे वाले) बिजोन कांति सरकार, धार्मिक मामलों के सचिव मुंशी अलाउद्दीन अल आजाद, विभिन्न मंत्रालयों और एजेंसियों, खुफिया एजेंसियों, हिंदू-बौद्ध-ईसाई कल्याण मोर्चा, कल्याण ट्रस्टों और पूजा उत्सव परिषद के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नाम होगा सुपर इंटेलिजेंस, ट्रंप ने किए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुपर इंटेलिजेंस के नाम से जाना जाएगा। यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम में की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नाम बदलने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रपति ने टेक इंडस्ट्री के दिग्गजों के साथ दोपहर के भोज पर हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद कार्यकारी आदेश जारी किया। बैठक में स्पेसएक्स और टेस्ला के एलन मस्क, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, गूगल के सुंदर पिचाई और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग समेत कई प्रमुख सीईओ मौजूद रहे। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि यह बदलाव कानून की अधिकतम अनुमति के अनुसार लागू होगा। मौजूदा नियमों, अनुबंधों और पुराने दस्तावेज में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इस प्रौद्योगिकी के नीति निर्धारकों को संघीय सरकार की प्रयुक्त शब्दावली को अपनाकर परिवर्तनकारी क्षमता और अमेरिकी जनता के लिए असीमित अवसरों का पिटारा खोलना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन अब एआई के स्थान पर एसआई शब्द का प्रयोग करेगा। किसी भी प्रासंगिक संदर्भ में एआई के उपयोग को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने अमेरिकी लोगों के लिए इससे मिलने वाले असीमित लाभ को पहचानना है। उल्लेखनीय है कि यह कार्यकारी आदेश विज्ञान और तकनीक के लिए राष्ट्रपति के सहायक (एपीएसटी) को सुपर इंटेलिजेंस की संघीय परिभाषा का प्रस्ताव देने का निर्देश देता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जन्मभूमि है। अमेरिका इस नई तकनीक को आगे बढ़ा रहा है। अनुसंधान के क्षेत्र के तौर पर इसकी शुरूआत के बाद से 70 से ज्यादा सालों से इसके विकास और इस्तेमाल में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। सुपर इंटेलिजेंस नाम आज विकसित की जा रही टेक्नोलॉजी की असली क्षमताओं को बताता है। यह इंसानी क्रिएटिविटी के नए रूपों को सामने लाता है और अमेरिकियों को वह हासिल करने के लिए सशक्त बनाता है जो पहले असंभव था।

बलोचिस्तान में इमारत में विस्फोट, सेना के दो वाहनों पर हमला, पांच जवान मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के नसीराबाद जिले में एक शैक्षणिक संस्थान की निमार्णाधीन इमारत को बम से उड़ा दिया गया । इसके अलावा कच्छी में सेना के दो वाहनों पर हुए हमले में पांच जवान मारे गए । बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने दावा किया है कि कलात और खुजदार में मुख्य हाइवे पर उसके लड़ाकों का नियंत्रण बरकरार है। पाकिस्तान की सेना सीधा मुकाबला करने से घबरा रही है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने नुटल थाना क्षेत्र में बलोचिस्तान रेजिडेंशियल कॉलेज की बन रही बिल्डिंग को बम विस्फोट कर उड़ा दिया। विस्फोट के समय में बिल्डिंग के भीतर कोई नहीं था। यह 2018 से बन रही थी। धमाके के बाद पाकिस्तानी सेना और पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेर लिया। इस बीच बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स के प्रवक्ता डस्टिन बलोच ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि मंगलवार सुबह लड़ाकों ने कच्छी इलाके के छेत्री इलाके के धादर और सनी रोड पर सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में पांच जवान मौके पर ही मारे गए और कई घायल हो गए।